केंद्रीय मंत्री शाह आज से त्रिपुरा... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

शिवा ट्रिलॉजी जैसी फिल्म का... 11

वर्ष - 02, अंक - 61 | गाजियाबाद / गुरूवार 04 जून 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

मालवीय नगर अग्निकांड : 21 मौतों से दहली दिल्ली

अवैध निर्माण और सुरक्षा खामियों ने ली दर्जनों जिंदगियां, प्रधानमंत्री ने जताया दुःख

■ लेमन ग्रीन रेस्टोरेंट-कम-गेस्ट हाउस में भीषण आग, 47 लोगों को बचाया गया, 37 घायल, कई की हालत गंभीर

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के मालवीय नगर स्थित हौजरानी इलाके में बुधवार सुबह हुए भीषण अग्निकांड ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। लेमन ग्रीन रेस्टोरेंट और उसके ऊपर संचालित गेस्ट हाउस में लगी आग में अब तक 21 लोगों की दर्दनाक मौत हो चुकी है, जबकि 37 लोग घायल बताए जा रहे हैं। कई घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और बचाव कार्य के दौरान कई लोगों को अपनी जान बचाने के लिए ऊपरी मंजिलों से छलांग तक लगानी पड़ी।

प्रशासन के अनुसार आग ग्राउंड फ्लोर पर स्थित रेस्टोरेंट के किचन क्षेत्र से शुरू हुई और देखते ही देखते पूरी इमारत में फैल गई। आग और धुएं ने ऊपरी मंजिलों को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे वहां ठहरे लोगों के पास बाहर निकलने का मौका तक नहीं बचा।

मालवीय नगर के एसडीएम जितेंद्र कुमार ने बताया कि दोपहर 12:12 बजे खोज एवं बचाव अभियान समा कर दिया गया। इस दौरान कुल 47 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। हादसे में 21 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है, जबकि कई घायलों का विभिन्न अस्पतालों में उपचार चल रहा है। 2 से 3 लोगों की हालत अत्यंत गंभीर बताई जा रही है।

एम्स के अधिकारियों के अनुसार 13 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें तीन लोग ऊंचाई से गिरने के कारण गंभीर रूप से घायल हुए हैं। वहीं 10 लोगों को दिल्ली पुलिस की टीमों ने सुरक्षित बचाया।

विदेशी नागरिक भी बने हादसे का शिकार

दिल्ली पुलिस के अनुसार मृतकों में बड़ी संख्या विदेशी नागरिकों की भी है। बताया जा रहा है कि अधिकांश विदेशी नागरिक इलाज के लिए साकेत स्थित मैक्स अस्पताल आए हुए थे और इसी गेस्ट हाउस में ठहरे थे। अस्पताल के नजदीक होने के कारण इस क्षेत्र में बड़ी संख्या में होटल और गेस्ट हाउस संचालित होते हैं। गौरतलब है कि कॉमनवेल्थ गेम्स के दौरान दिल्ली सरकार की 'बेड एंड ब्रेकफास्ट' योजना के तहत इस इलाके में कई आवासीय इकाइयों को सीमित क्षमता के साथ संचालन की अनुमति दी गई थी।

जांच के घेरे में भवन मालिक

हादसे के बाद प्रशासन और पुलिस की टीमें भवन से जुड़े दस्तावेजों की जांच में जुट गई हैं। अवैध निर्माण, अग्नि सुरक्षा मानकों के उल्लंघन और संचालन संबंधी नियमों की अनदेखी के आरोपों के बीच भवन मालिक की भूमिका भी जांच के दायरे में आ गई है।

राजधानी के इस दर्दनाक अग्निकांड ने एक बार फिर सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर सुरक्षा नियमों की अनदेखी कब तक लोगों की जान लेती रहेगी। 21 लोगों की मौत और दर्जनों लोगों के घायल होने के बाद अब सभी की निगाहें जांच रिपोर्ट और दोषियों के खिलाफ होने वाली कार्रवाई पर टिकी हैं।

छह की थी अनुमति बना दिये 25 कमरे

प्रारंभिक जांच में होटल संचालन और भवन निर्माण से जुड़ी गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। जानकारी के मुताबिक गेस्ट हाउस के लिए केवल छह कमरों की अनुमति ली गई थी, लेकिन इमारत में अवैध रूप से 25 कमरे बना दिए गए थे। इनमें कुछ कमरे बेसमेंट में भी संचालित किए जा रहे थे।

एक परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

परिवार के सदस्य बीमार पिता का हालचाल जानने और उनसे मिलने के लिए एकत्र हुए थे। हादसे की खबर मिलते ही गुरुग्राम, अजमेर और किशनगंज सहित विभिन्न स्थानों पर रहने वाले रिश्तेदारों में मातम छा गया। एक ही परिवार के सात सदस्यों समेत कुल आठ लोगों के प्रभावित होने से हर कोई स्तब्ध है। परिजन और परिचित मृतकों को याद कर भावुक हो रहे हैं। मृतकों के नाम : विवेक अग्रवाल, तर्जनी अग्रवाल (पत्नी), प्रेमलता अग्रवाल (माता), एंजल अग्रवाल (बड़ी बेटी), पर्ल अग्रवाल (छोटी बेटी), अशोक गोयल (मामा), कमला (मौसी), झुमरी लाल (मौसा) आदि । प्रशासन ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। वहीं, लापता झुमरी लाल की तलाश के लिए राहत एवं बचाव दल लगातार अभियान चला रहे हैं।

पीएम ने किया मुआवजे का एलान

मालवीय नगर में हुए हादसे में पीएम मोदी ने शोक जताते हुए एक्स पर पोस्ट किया है और मुआवजे का भी एलान किया है। पीएम इंडिया के एक्स से पोस्ट किया गया है, 'दिल्ली के मालवीय नगर में लगी आग में हुई जानमाल की हानि बेहद दुखद है। अपनों को खोने वाले सभी लोगों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है।

घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। अधिकारी प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। पीएमएनआरएफ से प्रत्येक मृतक के परिजनों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपये दिए जाएंगे।

सीएम ने जताया शोक कहा- मामले पर है पूरी नजर

सीएम रेखा गुा ने कहा, 'मालवीय नगर में हुए इस विनाशकारी आग के हादसे में कई जिंदगियों के नुकसान से बेहद दुखी हूं। शोक संत परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं।'सीएम रेखा गुा ने

बताया कि सूचना मिलते ही दिल्ली फायर सर्विस, दिल्ली पुलिस, डीडीएमए, कैट्स एंबुलेंस सेवा और अन्य आपातकालीन एजेंसियों की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। रेस्क्यू और राहत अभियान चलाकर कई लोगों को सुरक्षित निकाला गया। सरकार पूरे मामले पर नजर रखे हुए है।

अमेरिका ने ईरान पर कसा शिकंजा

क्रिप्टो एक्सचेंजों और उनसे जुड़े लोगों पर प्रतिबंध

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका ने दबाव बढ़ाते हुए ईरान के सबसे बड़े क्रिप्टो एक्सचेंज समेत कई कंपनियों और उनसे जुड़े लोगों पर नए प्रतिबंध लगाए हैं। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब दोनों देशों के बीच बातचीत की कोशिशें जारी हैं। इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) की रि?पोर्ट के अनुसार, अमेरिका ने ईरान पर प्रतिबंधों का एक नया दौर लागू किया है। अमेरिकी वित्त मंत्रालय के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) ने मंगलवार को घोषणा की कि ईरान से जुड़े चार व्यक्तियों और चार संस्थाओं को अमेरिकी प्रतिबंध सूची में शामिल किया गया है।

वित्त मंत्रालय के अनुसार, प्रतिबंधित किए गए चारों व्यक्ति ईरान के सबसे बड़े क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज 'नोबिटेक्स' से जुड़े हुए हैं। इसके अलावा, वित्तीय और क्रिप्टो सेवाओं के क्षेत्र में काम करने वाली तीन अन्य कंपनियां बिटपिन, रामजिनेक्स और वैलेक्स भी इन प्रतिबंधों के दायरे में लाई गई हैं। वित्त मंत्रालय ने ईरान के खिलाफ पहले से लगाए जाते रहे आरोपों को दोहराते हुए कहा कि ओएफएसी ने 'नोबिटेक्स' और तीन अन्य डिजिटल एसेट एक्सचेंजों पर प्रतिबंध लगाए हैं। यह कदम 'इकोनॉमिक फ्यूरी' अभियान का हिस्सा बताया गया है, जिसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान से कथित खतरे का मुकाबला करने की कोशिशों के तहत बताया गया है।

सीबीएसई री-इवैल्यूएशन पोर्टल पर नए पेमेंट गेटवे

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने कक्षा 10वीं और 12वीं के परीक्षा परिणामों के बाद अंक सत्यापन और पुनर्मूल्यांकन (री-इवैल्यूएशन) प्रक्रिया को लेकर छात्रों और अभिभावकों के लिए महत्वपूर्ण जानकारी जारी की है। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि सत्यापन और पुनर्मूल्यांकन पोर्टल पर भुगतान की सुविधा के लिए चार सरकारी बैंकों के पेमेंट गेटवे उपलब्ध करा दिए गए हैं। यह व्यवस्था सुचारू रूप से उपलब्ध है। बोर्ड के मुताबिक, हजारों छात्र बिना किसी परेशानी के अपनी आवेदन प्रक्रिया पूरी कर रहे हैं। सीबीएसई के अनुसार, पोर्टल पर भुगतान के लिए भारतीय स्टेट बैंक, केनरा बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और इंडियन बैंक के पेमेंट गेटवे उपलब्ध हैं। बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया है कि छात्रों का इन बैंकों में खाता होना आवश्यक नहीं है। कोई भी छात्र उपलब्ध पेमेंट गेटवे के माध्यम से आसानी से शुल्क का भुगतान कर सकता है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस का आतंकवाद के खिलाफ एक्शन

छह जिलों में आठ जगहों पर पुलिस की छापेमारी

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद और उससे जुड़े नेटवर्क के खिलाफ सुरक्षा एजेंसियों ने एक बार फिर बड़ा अभियान छेड़ दिया है। काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) ने बुधवार को घाटी के विभिन्न हिस्सों में एक साथ छापेमारी कर आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े संदिग्ध ठिकानों की तलाशी ली।

अधिकारियों के मुताबिक यह कार्रवाई पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी नेटवर्क, स्लीपर सेल, आतंकियों की भर्ती, कट्टरपंथ फैलाने और आतंकवाद को रसद व अन्य सहायता उपलब्ध कराने से जुड़े मामलों की जांच के तहत की गई। सुरक्षा एजेंसियां लंबे समय से ऐसे नेटवर्क पर नजर बनाए हुए हैं, जो घाटी में आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहे हैं।

पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि केंद्र शासित प्रदेश के छह जिलों में कुल आठ स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया गया। श्रीनगर और बांदीपोरा में दो-दो

ठिकानों पर छापेमारी की गई, जबकि कुपवाड़ा, अनंतनाग, कुलगाम और सोपोर में भी संदिग्ध स्थानों की तलाशी ली गई।

अधिकारियों का कहना है कि तलाशी अभियान के दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज, डिजिटल उपकरण और अन्य सामग्री की जांच की जा रही है। बरामद साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि इस तरह की कार्रवाई से आतंकवादी संगठनों के नेटवर्क को कमजोर करने और घाटी में शांति व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिलेगी। फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है और सुरक्षा एजेंसियां संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार नजर रखे हुए हैं।

ममता बनर्जी को बड़ा झटका ऋतब्रत बनर्जी बने नेता प्रतिपक्ष

60 विधायकों के समर्थन का दावा, विधानसभा स्पीकर ने दी मंजूरी

नई दिल्ली/कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की राजनीति में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। विधानसभा स्पीकर द्वारा बागी विधायक ऋतब्रत बनर्जी को नेता प्रतिपक्ष (LOP) के रूप में मान्यता दिए जाने के बाद राज्य की सियासत में हलचल तेज हो गई है। ऋतब्रत बनर्जी ने दावा किया है कि उन्हें 60 विधायकों का समर्थन प्राप्त है।

टीएमसी से निष्कासित नेता संदीपन साहा ने बताया कि नेता प्रतिपक्ष के पद को लेकर आवश्यक पत्र विधानसभा को सौंप दिया गया है। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष के लिए निर्धारित कक्ष भी आधिकारिक रूप से आवंटित कर दिया गया है और ऋतब्रत बनर्जी ने वहां कार्यभार संभाल लिया है।

संदीपन साहा ने कहा कि उनकी इच्छा है कि ममता बनर्जी संगठन की सलाहकार के रूप में मार्गदर्शन देती रहें। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष और मुख्य सचेतक के साथ मिलकर विधानसभा के भीतर

पार्टी को प्रभावी ढंग से संचालित किया जाएगा।

साहा ने पार्टी की वर्तमान स्थिति के लिए अभिषेक बनर्जी की कार्यशैली को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि यदि अच्छे परिणामों का श्रेय लिया जाता है तो प्रतिकूल परिस्थितियों की जिम्मेदारी भी स्वीकार करनी चाहिए।

वहीं, टीएमसी नेता प्रसून बनर्जी ने कहा कि भाजपा के खिलाफ उनकी वैचारिक और राजनीतिक लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि विपक्ष की भूमिका निभाते हुए जहां आवश्यक होगा, वहां सरकार के साथ रचनात्मक सहयोग भी किया जाएगा।

प्रसून बनर्जी के अनुसार, विधानसभा के अधिकांश विधायकों ने सामूहिक रूप से चार नेताओं का चयन किया है, जो सदन में उनका प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्होंने कहा कि संसदीय लोकतंत्र में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है और इसी उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है।

इस घटनाक्रम को पश्चिम बंगाल की राजनीति में महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में देखा जा रहा है, जिसने तृणमूल कांग्रेस के भीतर चल रहे मतभेदों को एक बार फिर सार्वजनिक कर दिया है।

डी.के. शिवकुमार बने कर्नाटक के 34वें मुख्यमंत्री

13 मंत्रियों ने भी ली शपथ

नई दिल्ली/बेंगलुरु। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और आठ बार के विधायक डी.के. शिवकुमार ने बुधवार को कर्नाटक के 34वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की। इसके साथ ही निवर्तमान मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से नेतृत्व परिवर्तन की प्रक्रिया पूरी हो गई। शपथ ग्रहण समारोह से पहले डी.के.

शिवकुमार ने अपनी मां गौरम्मा के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। लोक भवन में आयोजित समारोह में उनके साथ 13 अन्य विधायकों ने भी मंत्री पद की शपथ ली। मंत्रिमंडल में जी. परमेश्वर को उपमुख्यमंत्री बनाया गया है। इसके अलावा यतींद्र सिद्धारमैया, यू.टी. खादर, एम.बी. पाटिल, के.जे. जॉर्ज, के.एच. मुनियप्पा, सतीश जारकीहोली, रामलिंगा रेड्डी, कृष्णा बायरेगौड़ा, प्रियंका खड़गे, ईश्वर खंड्रे, बायराथी सुरेश और शरण प्रकाश पाटिल ने मंत्री पद की शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी सहित पार्टी शासित राज्यों के कई मुख्यमंत्री और वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

ईरान-अमेरिका तनाव के बीच कुवैत एयरपोर्ट पर ड्रोन हमला, भारतीय नागरिक की मौत

नई दिल्ली। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते सैन्य तनाव का असर अब खाड़ी क्षेत्र में भी दिखाई देने लगा है। बुधवार को कुवैत इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुए ड्रोन हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई। घटना के बाद कुवैत प्रशासन ने एहतियातन देश का हवाई क्षेत्र अस्थायी रूप से बंद कर दिया है।

कुवैत स्थित भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि एयरपोर्ट पर हुए हमले में एक भारतीय नागरिक की जान चली गई है। दूतावास ने मृतक के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की बात कही है।

जानकारी के अनुसार, ड्रोन ने कुवैत इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 यात्री भवन को निशाना बनाया। हमले के तुरंत बाद कुवैती नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने सभी उड़ानों का संचालन अस्थायी रूप से रोकते हुए हवाई क्षेत्र बंद करने का निर्णय लिया।

कुवैत सिविल एविएशन ने अपने

एयरस्पेस बंद, इंडिगो ने उड़ानें कीं निलंबित

बयान में कहा कि सुरक्षा कारणों से सभी हवाई यातायात को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है तथा कई उड़ानों को वैकल्पिक हवाई अड्डों की ओर मोड़ा गया है। घटना के बाद भारत की प्रमुख एयरलाइन इंडिगो ने भी कुवैत आने-जाने वाली अपनी सभी उड़ानों को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। एयरलाइन ने कहा कि यात्रियों और क्रू की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यह कदम उठाया गया है।

इंडिगो ने अपने बयान में कहा कि क्षेत्र की परिस्थितियों पर लगातार नजर रखी जा रही है और संबंधित विमानन प्राधिकरणों के साथ समन्वय बनाए रखा गया है। हालात सामान्य होने और सुरक्षित हवाई मार्ग उपलब्ध होने के बाद ही उड़ान सेवाएं दोबारा शुरू की जाएंगी। ड्रोन हमले के बाद पूरे खाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजर अब ईरान-अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव और उसके संभावित प्रभावों पर टिकी हुई है।

जैसलमेर में पाकिस्तानी सिम कार्ड पर पूर्ण प्रतिबंध

जयपुर। राजस्थान के जैसलमेर जिला प्रशासन ने राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गंभीर कारणों का हवाला देते हुए सीमावर्ती इलाकों में पाकिस्तानी सिम कार्ड के इस्तेमाल और पास रखने पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। जिला कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट अनुपमा जोरवाल ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 के तहत यह आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार, जैसलमेर के सीमावर्ती क्षेत्रों में किसी भी पाकिस्तानी सिम कार्ड का उपयोग, उसे अपने पास रखना या उसके माध्यम से किसी तरह का संचार स्थापित करना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्रयागराज में कारोबारी परिवार के चार लोगों की सिर कुचलकर हत्या

प्रयागराज, एजेंसी। संगमनगरी प्रयागराज के साउथ मलाका क्षेत्र में एक कारोबारी परिवार के चार सदस्यों की हत्या से सनसनी फैल गई। मृतकों में कारोबारी वीरेंद्र कुमार वैश्य (70), उनकी पत्नी अनीता वैश्य (65), बेटी मीनाक्षी (45) और बेटा अभिषेक (40) शामिल हैं। चारों के शव घर के अलग-अलग कमरों में खून से लथपथ हालत में मिले।

मंगलवार को मकान से दुर्गंध आने पर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। बाहर से बंद मकान का ताला तोड़कर अंदर पहुंची पुलिस को पहली मंजिल पर वीरेंद्र और अनीता के शव मिले। बगल के कमरे में मीनाक्षी का शव पड़ा था, जबकि देर शाम तलाशी के दौरान घर से जुड़ी एक दुकान से अभिषेक का शव बरामद हुआ। चारों के सिर पर गंभीर चोटों के निशान मिले हैं।

प्रारंभिक जांच में पुलिस संपत्ति विवाद को हत्या का संभावित कारण मान रही है। मृतक वीरेंद्र के पास साउथ मलाका में करीब 200 वर्ग गज का मकान और 14 दुकानें थीं, जिनमें अधिकांश किराए पर थीं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

केंद्रीय मंत्री शाह आज से त्रिपुरा दौरे पर, अवैध घुसपैठ पर होगा कड़ा प्रहार

बीएसएफ सहित अन्य एजेंसियों के साथ बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के प्रयासों के बीच केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 4 और 5 जून को त्रिपुरा के दौरे पर जा रहे है। प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत वह सीमा सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की समीक्षा करने और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) सहित अन्य एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर जमीनी हालात का आकलन करने वाले है। बताया जा रहा हैं कि दौरे के दौरान सीमा प्रबंधन, अवैध घुसपैठ, तस्करी और अन्य सीमा पार गतिविधियों को रोकने के उपायों पर विशेष चर्चा होगी।

इस बीच पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के कुलतली क्षेत्र में पुलिस ने 18 संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। इसमें छह बच्चे भी शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में इन लोगों को पकड़ा है। प्रारंभिक पूछताछ में उनके बांग्लादेशी नागरिक होने की जानकारी सामने आई है। अधिकारियों का कहना है कि सभी के दस्तावेजों और पहचान की विस्तृत जांच की जा रही है। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बंगाल प्रशासन ने हाल के दिनों में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की पहचान और सत्यापन की प्रक्रिया तेज की है। इसके तहत विभिन्न जिलों में होल्डिंग सेंटर बनाए गए हैं, जहां आवश्यक कानूनी औपचारिकताओं के दौरान संबंधित लोगों को रखा जा सकता है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार सीमावर्ती इलाकों में निगरानी बढ़ाने और स्थानीय स्तर पर सूचना तंत्र को मजबूत करने के निर्देश दिए गए हैं।

बात दें कि त्रिपुरा भारत के उन राज्यों में शामिल है जिसकी लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा बांग्लादेश से लगती है। राज्य की करीब 856 किलोमीटर सीमा सुरक्षा एजेंसियों के लिए हमेशा से महत्वपूर्ण रही है। हालांकि अधिकांश हिस्सों में सीमा पर बाड़ लगाई जा चुकी है, लेकिन कुछ क्षेत्रों की भौगोलिक परिस्थितियों के कारण सुरक्षा चुनौतियां बनी रहती हैं। इसी वजह से केंद्र सरकार सीमा निगरानी को और प्रभावी बनाने पर जोर दे रही है।

केंद्र सरकार ने सीमा सुरक्षा के लिए आधुनिक तकनीकों के उपयोग को भी प्राथमिकता दी है। ड्रोन, रडार, हाई-रिजॉल्यूशन कैमरे और अन्य इलेक्ट्रॉनिक निगरानी उपकरणों के माध्यम से सीमावर्ती क्षेत्रों की निगरानी क्षमता बढ़ाई जा रही है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि तकनीक आधारित निगरानी से अवैध घुसपैठ, तस्करी और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों पर अधिक प्रभावी नियंत्रण संभव होगा।

इस बीच 8 से 11 जून के बीच नई दिल्ली में भारत और बांग्लादेश के अधिकारियों के बीच सीमा प्रबंधन से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर उच्च स्तरीय वार्ता प्रस्तावित है। बैठक में सीमा सुरक्षा, अवैध आव्रजन, मानव तस्करी, तस्करी रोकथाम और द्विपक्षीय सहयोग जैसे विषयों पर चर्चा होने की संभावना है। दोनों देशों के बीच सीमा प्रबंधन को और मजबूत बनाने तथा समन्वय बढ़ाने के प्रयासों को बैठक से नई गति मिलने की उम्मीद है।

अहमदाबाद में अवैध बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ बड़ा अभियान, 290 संदिग्ध हिरासत में

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत अहमदाबाद पुलिस और क्राइम ब्रांच ने बड़े पैमाने पर संयुक्त कार्रवाई की। चंदोला, गुलाबनगर, खोडियारनगर सहित शहर के कई इलाकों में देर रात चलाए गए विशेष तलाशी अभियान के दौरान बड़ी संख्या में संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया गया। क्राइम ब्रांच के संयुक्त पुलिस आयुक्त शरद सिंघल के अनुसार अभियान के दौरान कुल 290 संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लिया है। इसमें से 131 लोगों को विभिन्न स्थानों से गिरफ्तार किया, जबकि करीब 160 अन्य संदिग्धों से पूछताछ जारी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सभी व्यक्तियों के दस्तावेजों, पहचान और नागरिकता संबंधी रिकॉर्ड की गहन जांच हो रही है। जांच पूरी होने के बाद कानूनी प्रावधानों के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई पर प्रतिक्रिया देकर गुजरात के उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि राज्य सरकार अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ सख्त रुख अपना रही है। उन्होंने बताया कि अहमदाबाद के अलावा सूरत, राजकोट और वडोदरा सहित राज्य के कई शहरों में भी विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस, क्राइम ब्रांच, स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) और अन्य सुरक्षा एजेंसियां मिलकर संदिग्ध इलाकों में लगातार निगरानी और तलाशी अभियान चला रही हैं। संघवी ने कहा कि रात्रिकालीन अभियान के दौरान बड़ी संख्या में इसतरह के लोगों की पहचान की गई, जिनके दस्तावेजों की जांच आवश्यक है। राज्य सरकार का उद्देश्य अवैध घुसपैठ और गैरकानूनी रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों की पहचान कर कानून के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित करना है। अधिकारियों के मुताबिक यह अभियान केवल एक दिन की कार्रवाई तक सीमित नहीं रहेगा। आने वाले दिनों में भी विभिन्न शहरों और संवेदनशील इलाकों में सत्यापन और जांच अभियान जारी रहेगा।

आजमगढ़ में पाक समर्थित संदिग्ध की गिरफ्तारी : राजभर का सपा पर सीधा हमला

आजमगढ़ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले से आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) द्वारा संदिग्ध पाक समर्थित आतंकी की गिरफ्तारी के बाद राज्य सियासी उबाल आ गया है। इस मामले पर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष और पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने समाजवादी पार्टी (सपा) पर तीखा हमला बोलकर एटीएस की कार्रवाई की सराहना की है। यूपी एटीएस ने आजमगढ़ के खुदाददपुर गांव से मोहम्मद शेख नामक संदिग्ध को गिरफ्तार किया। शेख पर पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी और खुफिया एजेंसी आईएसआई (आईएसआई) से जुड़े आतंकी नेटवर्क के लिए काम करने का गंभीर आरोप है। एटीएस के मुताबिक, पाकिस्तान में बैठे आका सोशल मीडिया और मैसेजिंग एप के द्वारा मोहम्मद शेख को कट्टरपंथी बना रहे थे। वह आतंकी नेटवर्क के गुर्गों के संपर्क में था और लोकल युवाओं का ब्रेनवाश कर रहा था। जांच एजेंसी ने खुलासा किया कि शेख को दूसरे राज्य की एक महिला नेता को धमकी देने का एक टेस्ट मिशन भी सौंपा गया था। एटीएस ने संदिग्ध के पास से एक 9 एमएम पिस्टल, चार कारतूस और मोबाइल फोन बरामद किया है। शेख के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), शस्त्र अधिनियम और गैरकानूनी गतिविधि निवारण अधिनियम (यूएपीए) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। इस आंतकी की गिरफ्तारी को सपा से जोड़ते हुए राजभर ने आरोप लगाया, ''दुर्भाग्यपूर्ण है कि आतंकियों को उस क्षेत्र से पकड़ा जा रहा है, जो कि सपा का गढ़ कहा जाता है। इसका मतलब है कि सपा नेता आजमगढ़ में आतंकियों को संरक्षण देते हैं। हालांकि, मंत्री ने अपने दावे के समर्थन में कोई सबूत पेश नहीं किया। गौरतलब है कि आजमगढ़ पूर्वी उत्तर प्रदेश में सपा का एक प्रमुख गढ़ माना जाता है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के चचेरे भाई धर्मेंद्र यादव वर्तमान में यहां से सांसद हैं और पिछले विधानसभा चुनाव में पार्टी ने जिले की सभी 10 सीटें जीती थीं। लखनऊ के वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि मामले की विस्तृत जांच की जा रही है और इसतरह के अंतरराष्ट्रीय मामलों में संवेदनशील दृष्टिकोण आवश्यक है। उनका कहना है कि गहन जांच के बाद ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकता है, क्योंकि कानूनी कार्रवाई जारी है।

सोनम वांगचुक कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थन में

नई दिल्ली (एजेंसी)। जाने-माने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) की मांगों और विचारधारा का समर्थन कर दिया है। उन्होंने घोषणा की है कि यदि 5 जून तक केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा नहीं दिया, तब वे 6 जून को जंतर-मंतर पर सीजेपी के प्रस्तावित प्रदर्शन में शामिल होऊंगा। वांगचुक ने वीडियो संदेश जारी कर इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उन्होंने सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दिपके से बात की है और बातचीत के बाद उन्हें लगा कि दिपके की मंशा गलत नहीं है, बल्कि वे एक देशप्रेमी हैं और व्यवस्था में बदलाव चाहते हैं। दिपके, जो इस समय अमेरिका में हैं, उन्होंने भी 1 जून को सोशल मीडिया के माध्यम से 6 जून को दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन करने की घोषणा की थी। दिपके ने बताया है कि वे 6 जून को भारत लौटकर और एयरपोर्ट से सीधे पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन जाकर प्रदर्शन की इजाजत मांगूगा। उन्होंने लोगों से एयरपोर्ट पर उनसे मिलने और प्रदर्शन में शामिल होने की अपील भी की है।

कश्मीर में आतंकी नेटवर्क पर बड़ा प्रहार, छह जिलों में एक साथ छापेमारी

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी नेटवर्क और उनके स्लीपर सेल के खिलाफ सुरक्षा एजेंसियों ने अभियान तेज कर दिया है। बुधवार को जम्मू-कश्मीर पुलिस की आतंकवाद-रोधी जांच इकाई काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) ने घाटी के छह जिलों में एक साथ व्यापक छापेमारी कर संदिग्ध गतिविधियों की जांच को नई गति दी। यह कार्रवाई पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी संगठनों और उनके स्थानीय नेटवर्क से जुड़े एक दशक पुराने मामले के सिलसिले में की गई। अधिकारियों के अनुसार हाल ही में प्राप्त खुफिया सूचनाओं, तकनीकी विश्लेषण और चल रही जांच के आधार पर आठ संदिग्ध ठिकानों की पहचान की गई थी। इन्हीं सूचनाओं के आधार पर बुधवार तड़के श्रीनगर और बांदीपोरा में दो-दो स्थानों तथा कुपवाड़ा, अनंतनाग, कुलगाम और बारामूला में एक-एक स्थान पर एक साथ छापेमारी की गई। सुरक्षा एजेंसियों के मुताबिक यह मामला वर्ष 2015 में दर्ज किया गया था और इसका संबंध पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी संगठनों, उनके स्लीपर सेल नेटवर्क तथा जम्मू-कश्मीर में युवाओं की भर्ती, कट्टरपंथी विचारधारा के प्रसार और आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने से है। जांच में यह भी सामने आया है कि कुछ संदिग्ध गोपनीय संचार माध्यमों के जरिए पाकिस्तान में बैठे आतंकी संचालकों के संपर्क में थे।

दोस्तों के साथ ट्रैकिंग पर गई युवती 5 दिन से लापता

सेना व राहत टीमें कर रही तलाश

उत्तरकाशी (एजेंसी)। उत्तरकाशी में ट्रैकिंग के लिए गई नैनीताल की युवती का पांच दिन से कोई पता नहीं चला है। बबीता पांडे की तलाश के लिए सेना, पुलिस और वन विभाग की संयुक्त टीमें लगातार अभियान चला रही हैं। ड्रोन के जरिए दयारा बुग्याल ट्रेक के दुर्गम क्षेत्रों को छाना जा चुका है, लेकिन अब तक कोई सुराग हाथ नहीं मिला है। बबीता के भाई हर्षित पांडे ने बताया कि उसकी बहन दो दोस्तों हरमनपाल और हरमनप्रीत के साथ गढ़वाल घूमने निकली थी। पहले वे हर्षिल गए और फिर दयारा बुग्याल की ट्रैकिंग पर निकले। 29 मई की रात को वे सभी रास्ते में गोई नामक स्थान पर रुके थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दोनों दोस्तों ने परिजनों को बताया कि अगली सुबह 4 बजे बबीता टेंट में नहीं थी और फोन करने पर उसका मोबाइल स्विच ऑफ आ रहा था। भाई का कहना है कि उसकी बहन उन दोनों के साथ गई थी, इसलिए सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी उन्हीं दोनों दोस्तों की थी। लापता बबिता नैनीताल जिले के रामनगर (चिल्किया) की रहने वाली है। वह अपने परिवार की सबसे बड़ी संतान और दो भाइयों हर्षित और तनुज की इकलौती बहन है। बबिता दिल्ली से एमबीए कर रही हैं और पढ़ाई के साथ-साथ पार्ट-टाइम नौकरी कर रही थी। उनके दोनों भाई रामनगर में पर्यटन व्यवसाय से जुड़े हैं। अभी उनकी मां और बड़ा भाई हर्षित उत्तरकाशी में खोजबीन के लिए गए हैं, जबकि घर पर उनके छोटे भाई तनुज, दादी और दिव्यांग पिता हैं।

योगी के मंत्री राजभर का विपक्ष पर निशाना......इंडिया गठबंधन में नहीं है कोई दम

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने विपक्षी इंडिया गठबंधन पर तीखा हमला बोलकर कमजोर और प्रभावहीन बताया है। विपक्षी दलों की प्रस्तावित बैठक से पहले उन्होंने कहा कि गठबंधन में शामिल दल अपने-अपने राज्यों तक ही सीमित प्रभाव रखते हैं और राष्ट्रीय स्तर पर कोई मजबूत राजनीतिक ताकत खड़ी करने में सफल नहीं हुए हैं। योगी के मंत्री राजभर ने कहा कि इंडिया गठबंधन में शामिल नेताओं के पास अपने राज्यों में भले ही राजनीतिक आधार हो, लेकिन दूसरे राज्यों में उनका प्रभाव बेहद कम है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी का प्रभाव पश्चिम बंगाल तक सीमित है, जबकि कांग्रेस भी कई राज्यों में अपना जनाधार खो चुकी है। इसके बाद में अलग-अलग राज्यों के क्षेत्रीय दलों के एक मंच पर आने मात्र से कोई मजबूत राजनीतिक विकल्प तैयार नहीं हो जाता। उनके अनुसार यही कारण है कि इंडिया गठबंधन अपेक्षित प्रभाव पैदा करने में असफल रहा है। राजभर की यह टिप्पणी तब आई है, जब सूत्रों के मुताबिक इंडिया ब्लॉक के नेता 8 जून को नई दिल्ली में गठबंधन की बैठक आयोजित करने की तैयारी कर रहे हैं। इस बैठक में विभिन्न विपक्षी दलों के वरिष्ठ नेताओं के शामिल होने की संभावना है।

बताया जा रहा है कि तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी भी बैठक में हिस्सा ले सकते हैं। इस बीच पश्चिम बंगाल की राजनीति भी लगातार चर्चा में बनी हुई है। हाल ही में तृणमूल कांग्रेस ने अपने नेताओं पर कथित हमलों के विरोध में कोलकाता में प्रदर्शन किया था। पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी ने विरोध कार्यक्रम का नेतृत्व किया। प्रदर्शन से पहले उन्होंने डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की और वरिष्ठ नेताओं के साथ मार्च में शामिल हुईं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आगामी बैठकों और राज्यों में बदलते राजनीतिक समीकरणों के बीच विपक्षी एकता और गठबंधन की मजबूती आने वाले समय में राष्ट्रीय राजनीति का महत्वपूर्ण विषय बनी रहेगी।

12 और 13 जून को राष्ट्रपति के उत्तराखंड दौरे की तैयारियां तेज, जिलाधिकारी ने अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश

देहरादून (शिखर समाचार)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के प्रस्तावित दो दिवसीय उत्तराखंड भ्रमण को लेकर देहरादून जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। राष्ट्रपति 12 जून को देहरादून स्थित राष्ट्रपति निवास पहुंचेंगी तथा 13 जून को भारतीय सैन्य अकादमी में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के बाद दिल्ली के लिए रवाना होंगी।

राष्ट्रपति के प्रस्तावित दौरे की तैयारियों की समीक्षा के लिए जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने बुधवार को संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में राष्ट्रपति के आगमन से लेकर प्रस्थान तक सभी व्यवस्थाओं को त्रुटिरहित और सुव्यवस्थित बनाए रखने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने राष्ट्रपति निवास में विद्युत आपूर्ति, पेयजल, दूरसंचार व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं को वैकल्पिक व्यवस्था के साथ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए प्रत्येक व्यवस्था का पूर्व परीक्षण कर लें, जिससे किसी प्रकार की असुविधा उत्पन्न न हो। बैठक में सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जिलाधिकारी ने निर्धारित भ्रमण मार्गों पर सभी आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने, यातायात संचालन को सुचारु बनाए रखने तथा संबंधित स्थलों की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के प्रस्तावित दौरे के दौरान किसी भी स्तर पर चूक अथवा लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और सभी अधिकारी अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता तथा संवेदनशीलता के साथ निर्वहन करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) केके मिश्रा, पुलिस अधीक्षक जया बलूनी, नगर दंडाधिकारी प्रत्यूष सिंह सहित सभी उप जिलाधिकारी तथा प्रोटोकॉल से जुड़े अधिकारी उपस्थित रहे।

खालिस्तानी संगठन ने दी अंबाला कोर्ट, नगर निगम, रेलवे स्टेशन उड़ाने की डेडलाइन

अंबाला (एजेंसी)। पिछले कुछ महीनों से अंबाला में भी सरकारी संस्थानों और स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकियां मिल रही हैं। अब खालिस्तान नेशनल आर्मी नाम के संगठन की तरफ से एक धमकी भरा ईमेल आया है, जिसमें अंबाला शहर नगर निगम, अंबाला कोर्ट और अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन को बम से उड़ाने की बात कही है। इस मेल के बाद से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।

बता दें जिले में एक बार फिर दहशत है। इस बार आतंकियों की तरफ से 6 जून को इन सरकारी और सार्वजनिक जगहों पर बम से उड़ाने की डेडलाइन दी गई है। धमकी मिलने के बाद से ही पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद है। सुरक्षा व्यवस्था को कड़ा कर दिया गया है, लेकिन सवाल ये है कि आखिर ये मेल कहां से आ रहे हैं? इन्हें कौन भेज रहा है और इसके पीछे किसकी गहरी साजिश है?

अंबाला पुलिस अब तक इन ईमेल्स के पीछे के मास्टरमाइंड का पर्दाफाश करने में नाकाम रही है। हर बार की तरह इस बार भी पुलिस के पास सिर्फ एक ही जवाब है कि जांच चल रही है और आरोपी जल्द पकड़ लिए जाएंगे। पुलिस का कहना है कि कोर्ट परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम हैं और नगर निगम में भी अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। वहीं रेलवे स्टेशन की सुरक्षा की जिम्मेदारी जीआरपी को सौंपी गई है। राज्य और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों से लगातार संपर्क साधा जा रहा है, ?लेकिन लोगों के मन में सवाल है कि जब तक धमकी देने वाले सलाखों के पीछे नहीं पहुंच जाते, तब तक यह सुरक्षा के खोखले दावे कितने सुरक्षित हैं? 6 जून की तारीख नजदीक है, ऐसे में पुलिस की टेक्निकल टीम के लिए यह समय के खिलाफ एक बड़ी रेस है।

कोयला घोटाला मामला: कोर्ट ने नवीन जिंदल, पीसी पारेख के खिलाफ किया समन जारी

-अब कोर्ट में मामले की अगली सुनवाई 17 जुलाई को करेगी

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली की एक विशेष कोर्ट ने सोमवार को उद्योगपति नवीन जिंदल, पूर्व कोयला सचिव पी सी पारेख और अन्य आरोपियों के खिलाफ दायर आरोप-पत्र पर संज्ञान लेते हुए उन्हें समन जारी किया है। कोर्ट ने आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी से जुड़ी धाराओं और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत आरोपों पर सुनवाई शुरू करने का फैसला किया है। स्पेशल जज सुनेना शर्मा ने नवीन जिंदल, जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड, पी सी पारेख, राकेश कुमार जिंदल, राम किशोर, एस के अग्रवाल और जिंदल स्ट्रिप्स लिमिटेड को 17 जुलाई को कोर्ट में मौजूद रहने का निर्देश दिया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि यह कोयला ब्लॉक आवंटन मामलों से जुड़ी सबसे विस्तृत और भारी-भरकम आरोप-पत्रों में से एक है। मामले की जांच सीबीआई ने की है, जिसने आरोप लगाया है कि कोयला ब्लॉक आवंटन और खनन पट्टे से जुड़े नियमों का उल्लंघन किया गया है। सीबीआई के मुताबिक 1996 में छत्तीसगढ़ के गारे पाल्मा 4/1 कोयला ब्लॉक का आवंटन जिंदल स्ट्रिप्स लिमिटेड को 0.6 मिलियन टन प्रतिवर्ष क्षमता वाले स्पंज आयरन प्लांट के लिए किया गया था। एजेंसी का आरोप है कि ब्लॉक में कोयले का भंडार निर्धारित जरुरत से काफी ज्यादा था, जिसके बावजूद आवंटन किया गया।

जांच एजेंसी ने आरोप लगाया कि खनन पट्टे के लिए केंद्र सरकार की ओर से 705 हेक्टेयर क्षेत्र को मंजूरी दी गई थी, लेकिन पट्टा मंजूरी सीमा से ज्यादा क्षेत्र में निष्पादित किया गया। बाद में 2005 में स्क्रीनिंग समिति ने कथित अनियमितता को नियमित करते हुए स्वीकृत क्षेत्र से अतिरिक्त भूमि शामिल करने का प्रस्ताव भी दिया। मामले के दस्तावेजों के मुताबिक मार्च 2004 में जेएसपीएल ने कोयला ब्लॉक से उत्पादन क्षमता 2 मिलियन टन प्रतिवर्ष से बढ़ाकर 6 मिलियन टन प्रतिवर्ष करने की अनुमति मांगी थी। इस दौरान कोयला मंत्रालय ने पट्टे की सीमाओं और अतिरिक्त उत्पादन से जुड़ी विसंगतियां पाई थीं और कंपनी से इस संबंध में स्पष्टीकरण मांगा था। अब कोर्ट में मामले की अगली सुनवाई 17 जुलाई को होगी।

दिल्ली-एनसीआर सहित कई राज्यों में आंधी-ओलावृष्टि की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के कई हिस्सों में मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां लगातार अनुकूल बनी हुई हैं। हालांकि, इस बीच उत्तर, मध्य और पूर्वी भारत के राज्यों में अगले कुछ दिनों तक मौसम में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर समेत कई राज्यों के लिए आंधी-तूफान, तेज हवाओं और ओलावृष्टि की गंभीर चेतावनी जारी की है। इसके विपरीत, बिहार के लोगों को आने वाले दिनों में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप झेलना पड़ सकता है।

मौसम विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली, एनसीआर और हरियाणा में मौसम काफी खराब रहने की आशंका है। यहां 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से भीषण आंधी-तूफान आने की संभावना है, जिसकी स्पीड बढ़कर 70 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। इसके साथ ही हल्की से मध्यम बारिश और बिजली कड़कने के आसार हैं। उत्तर प्रदेश में भी गरज-चमक और 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाओं के साथ बारिश होने का अनुमान है। पहाड़ी राज्यों की बात करें तो जम्मू-कश्मीर में मौसम का रौद्र रूप देखने को मिल सकता है। यहां 50-60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार वाली आंधी के साथ ओलावृष्टि की चेतावनी जारी की गई है और अगले कुछ दिनों तक बारिश का दौर जारी रहेगा। हिमाचल प्रदेश में भी गरज-चमक और तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है। इसके उलट बिहार के विभिन्न इलाकों में लू चलने की गंभीर चेतावनी जारी की गई है। हालांकि, कुछ दिनों बाद यहां बारिश से राहत मिलने की उम्मीद है। वहीं झारखंड और ओडिशा में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना है, लेकिन इस दौरान मौसम काफी गर्म और उमस भरा रहेगा।

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में भी अगले पांच दिनों तक आंधी-बारिश का दौर जारी रहने वाला है। मध्य प्रदेश में ओलावृष्टि के साथ ही 50-60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चलने का अनुमान है। छत्तीसगढ़ में भी आंधी-तूफान और गरज-चमक के साथ हल्की बौछारें पड़ने की चेतावनी दी गई है। उधर, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली, यूपी, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में पहले अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी होगी, जिसके बाद आंधी और बारिश के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी और लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी। हालांकि, इसके बाद पारा एक बार फिर चढ़ने की उम्मीद है।

भारत ने कहा- सीमा विवाद सुलझाने में किसी तीसरे की जरुरत नहीं

-नेपाली पीएम के सीमा विवाद वाले बयान पर भारत का सख्त रुख

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह के एक विवादास्पद बयान ने भारत-नेपाल सीमा विवाद को एक बार फिर गरमा दिया है। नेपाल के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री ने संसद में दावा किया कि केवल भारत ने ही नहीं, बल्कि नेपाल ने भी भारतीय जमीन पर अतिक्रमण किया है। इसके साथ ही उन्होंने इस ऐतिहासिक विवाद को सुलझाने के लिए भारत और नेपाल के अलावा चीन और ब्रिटेन जैसे तीसरे पक्षों की मध्यस्थता का सुझाव भी दे डाला। भारत के विदेश मंत्रालय ने इस पर तुरंत और कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए किसी भी बाहरी हस्तक्षेप को सिरे से खारिज कर दिया है।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने साफ किया कि भारत और नेपाल के बीच की सीमा एक संवेदनशील और पूरी तरह से द्विपक्षीय मुद्दा है। इसमें चीन या ब्रिटेन जैसे किसी तीसरे देश की कोई भूमिका नहीं हो सकती और सभी अनसुलझे मामलों को केवल आपसी कूटनीतिक बातचीत से ही सुलझाया जाएगा। भारत के अनुसार, दोनों देशों के बीच लगभग 98 प्रतिशत सीमा का सीमांकन पहले ही सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है। शेष बचे हिस्सों और नो-मैन्स लैंड पर अतिक्रमण की समस्याओं को हल करने के लिए दोनों देशों के पास पहले से ही मजबूत द्विपक्षीय तंत्र मौजूद हैं।

इस पूरे विवाद की असल जड़ कोई राजनीतिक या सैन्य कब्जा नहीं, बल्कि गंडक नदी का भौगोलिक व्यवहार है, जिसे नेपाल में नारायणी नदी कहा जाता है। यह नदी बिहार के पश्चिम चंपारण और नेपाल के सुस्ता क्षेत्र के बीच प्राकृतिक सीमा तय करती है। समय के साथ गंडक नदी अपना बहाव और रास्ता बदलती रहती है, जिससे जमीनी सीमाएं प्रभावित होती हैं। नदी के इस रुख के कारण स्थानीय नागरिकों में जमीन को लेकर भ्रम पैदा होता है और कई बार एक देश के लोग अनजाने में दूसरे देश की सीमा में खेती करने लगते हैं।

प्रधानमंत्री बालेन शाह के इस बयान पर खुद नेपाल के भीतर विपक्षी दलों और पूर्व राजनयिकों ने भारी आपत्ति जताई, जिसके बाद नेपाली विदेश मंत्रालय को सफाई देनी पड़ी। नेपाल ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री का इरादा किसी जानबूझकर किए गए सैन्य कब्जे से नहीं था, बल्कि उनका इशारा नदी के रास्ता बदलने के कारण नो-मैन्स लैंड यानी दशगजा क्षेत्र में उपजी तकनीकी और व्यावहारिक विसंगतियों की तरफ था। वर्तमान में नेपाल-भारत सीमा कार्य समूह संयुक्त रूप से इन क्षेत्रों की मैपिंग और जांच कर रहा है। भारत ने दृढ़ता से स्पष्ट किया है कि इस तकनीकी समस्या का स्थाई समाधान किसी अंतरराष्ट्रीय मंच पर नहीं, बल्कि दोनों देशों के संयुक्त कूटनीतिक प्रयासों से ही संभव है।

जनगणना-2027 : शीतल वर्मा की अध्यक्षता में नगर निगम मुख्यालय पर हुई समीक्षा बैठक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर निगम गाजियाबाद स्थित सभागार कक्ष में जनगणना-2027 की तैयारियों के संबंध में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता श्रीमती शीतल वर्मा, आईएएस, निदेशक एवं मुख्य प्रधान जनगणना अधिकारी द्वारा की गई। बैठक में जनपद गाजियाबाद के विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों, चार्ज अधिकारियों तथा जनगणना कार्य से जुड़े अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। बैठक के दौरान जनपद गाजियाबाद के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में 3 जून 2026 तक सीएमएमएस पोर्टल पर जनगणना-2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत संपादित कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा उपरांत अध्यक्ष द्वारा जनगणना कार्य को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण कराने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने निर्देशित किया कि जनगणना के प्रथम चरण का कार्य निर्धारित अंतिम तिथि 20 जून 2026 से पूर्व पूर्ण कराने के लिए सभी अधिकारी विशेष प्रयास करें। ऐसे प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों पर विशेष निगरानी रखी जाए, जिनके कार्य समय पर पूर्ण न होने की

संभावना हो, ताकि सभी कार्य निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराए जा सकें। सभी चार्ज अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वह प्रतिदिन सीएमएमएस पोर्टल पर प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों द्वारा भरे जा रहे आंकड़ों का परीक्षण करें तथा यह सुनिश्चित करें कि अपलोड किया गया डेटा पूर्णतः सही, शुद्ध एवं त्रुटिरहित हो। नगर निगम क्षेत्र के लिए विशेष निर्देश जारी करते हुए अपर नगर आयुक्त एवं संबंधित चार्ज अधिकारियों से कहा गया कि वे आरडब्लए एवं एओए पदाधिकारियों के साथ बैठकें आयोजित कर विशेष अभियान चलाएं, जिससे प्रत्येक मकान एवं परिवार तक प्रगणकों की पहुंच सुनिश्चित हो सके और कोई भी परिवार अथवा भवन सर्वेक्षण से वंचित न रह जाए। साथ ही प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों के मोबाइल नंबर स्थानीय पदाधिकारियों के साथ साझा किए जाएं, ताकि जनगणना कार्य में अपेक्षित सहयोग प्राप्त हो सके। अध्यक्ष ने निर्देशित किया कि जनगणना कार्य के दौरान प्रगणक एवं सुपरवाइजर जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से सर्वेक्षण संबंधी गतिविधियों के फोटोग्राफ अथवा सेल्फी लेकर सामाजिक माध्यमों पर साझा करें, जिससे आमजन में जनगणना के प्रति जागरूकता बढ़े। बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि कार्य पूर्ण होने पर संबंधित प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों से कवरेज प्रमाण-पत्रप्राप्त कर सुरक्षित रखा जाए तथा पोर्टल पर नजरी नक्शा अपलोड कराना भी सुनिश्चित किया जाए।

मेरठ रेंज में वर्ष 2026 में अब तक 194 इनामी अभियुक्त गिरफ्तार

मेरठ (शिखर समाचार)
मेरठ रेंज में अपराधियों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति के तहत लगातार प्रभावी कार्रवाई जारी है। पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) मेरठ रेंज कलानिधि नैथानी ने बताया कि अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी क्रम में मेरठ परिक्षेत्र के चारों जनपदों की पुलिस द्वारा प्रभावी सूचना संकलन, सतत निगरानी और सक्रिय पुलिसिंग के माध्यम से इनामी तथा वांछित अपराधियों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने और अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से मेरठ परिक्षेत्र पुलिस ने वर्ष 2026 में अब तक कुल 194 इनामी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। गिरफ्तार किए गए इनामियों में 50 हजार रुपये के 19, 25 हजार रुपये के 120, 20 हजार रुपये के 17, 15 हजार रुपये के 10, 10 हजार रुपये के 27 तथा 5 हजार रुपये का

एक इनामी अभियुक्त शामिल है।

जनपदवार गिरफ्तारी का विवरण

मेरठ जनपद में कुल 77 इनामी अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। इनमें 50 हजार रुपये के 3, 25 हजार रुपये के 71 तथा अन्य श्रेणी के 3 इनामी शामिल हैं। बुलंदशहर जनपद में कुल 76 इनामी अभियुक्त गिरफ्तार किए गए। इनमें 50 हजार रुपये के 11, 25 हजार रुपये के 25, 20 हजार रुपये के 4, 15 हजार रुपये के 9 तथा 10 हजार रुपये के 27 इनामी शामिल हैं।

बागपत जनपद में कुल 26 इनामी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हुई। इनमें 50 हजार रुपये के 3 तथा 25 हजार रुपये के 23 इनामी शामिल हैं। हापुड़ जनपद में कुल 15 इनामी अभियुक्त गिरफ्तार किए गए। इनमें 50 हजार रुपये के 2, 25 हजार रुपये का 1 तथा 20 हजार रुपये के 12 इनामी अभियुक्त शामिल हैं। डीआईजी मेरठ रेंज ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि जो इनामी अपराधी अभी भी फरार हैं, उनके संबंध में कोई भी सूचना तत्काल पुलिस को दें ताकि उनकी शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने सभी जनपद प्रभारियों को निर्देश दिए कि कुख्यात अपराधियों पर घोषित इनाम की राशि बढ़ाने की कार्रवाई करें तथा रेंज के सभी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और पुलिस अधीक्षक शेष फरार इनामियों की गिरफ्तारी की प्रगति की प्रत्येक सप्ताह स्वयं समीक्षा करें।

उन्होंने कहा कि मेरठ रेंज पुलिस अपराध और अपराधियों के विरुद्ध इसी प्रकार सख्ती से अभियान जारी रखेगी तथा क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे।

शहरवासियों को आवारा कुत्तों के आतंक से राहत दिलाने की पहल, नसबंदी और रेबीज टीकाकरण अभियान शुरू

हापुड़ (शिखर समाचार)। शहर में बढ़ती आवारा कुत्तों की समस्या और रेबीज संक्रमण की आशंका को देखते हुए नगर पालिका परिषद हापुड़ ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। नगर पालिका द्वारा शहर में आवारा कुत्तों की संख्या नियंत्रित करने तथा रेबीज की रोकथाम के लिए यह जिम्मेदारी जीव दया फाउंडेशन को सौंपी गई है। कायादेश मिलने के बाद संस्था ने विभिन्न वार्डों और मोहल्लों में अभियान चलाकर आवारा कुत्तों को पकड़ने, उनकी नसबंदी कराने तथा रेबीज रोधी टीकाकरण करने का कार्य शुरू कर दिया है। संस्था के अनुसार अभियान का उद्देश्य कुत्तों की संख्या में मानवीय तरीके से नियंत्रण करना और शहर को रेबीज मुक्त बनाना है। इसके साथ ही लोगों के बीच जागरूकता फैलाने के लिए विशेष अभियान भी चलाया जा रहा है, क्योंकि अक्सर नागरिकों के मन में यह धारणा रहती है कि पकड़े गए कुत्तों को किसी दूसरे क्षेत्र में छोड़ दिया जाएगा। जीव दया फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि कुत्तों को पकड़ने के बाद उनकी नसबंदी और टीकाकरण किया जाता है तथा कानूनी प्रावधानों के अनुसार उन्हें उसी क्षेत्र में वापस छोड़ा जाता है, जहां से उन्हें पकड़ा गया था। उन्होंने बताया कि यह प्रक्रिया किसी संस्था की इच्छा पर नहीं, बल्कि देश में लागू पशु कल्याण संबंधी नियमों और सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप की जाती है। नियमों के तहत किसी भी स्थानीय निकाय को कुत्तों को एक स्थान से पकड़कर दूसरे इलाके में विस्थापित करने की अनुमति नहीं है। संस्था का कहना है कि नसबंदी के बाद कुत्तों का व्यवहार

अपेक्षाकृत शांत हो जाता है और रेबीज रोधी टीकाकरण होने से संक्रमण फैलने की संभावना भी काफी कम हो जाती है। इससे न केवल आम नागरिकों की सुरक्षा बढ़ती है, बल्कि पशु कल्याण के उद्देश्य भी पूरे होते हैं। जीव दया फाउंडेशन ने शहरवासियों से अपील की है कि जब संस्था की टीम उनके क्षेत्र में पहुंचे तो वे किसी भी प्रकार के भ्रम या अफवाह पर ध्यान न दें और अभियान में सहयोग करें। संस्था का मानना है कि जनसहयोग से ही हापुड़ को रेबीज मुक्त, सुरक्षित और स्वच्छ शहर बनाया जा सकता है। नगर पालिका और संस्था को उम्मीद है कि इस अभियान से आवारा कुत्तों की समस्या पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित होगा और लोगों को राहत मिलेगी।

करोड़ों की लूट का 48 घंटे बाद भी नहीं खुला राज, 10 पुलिस टीमें जांच में जुटीं

150 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, व्यापारियों ने दी आंदोलन की चेतावनी

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ देहात क्षेत्र के गिरधारी नगर निवासी टिम्बर कारोबारी नरेन्द्र अग्रवाल के घर हुई करोड़ों रुपये की सनसनीखेज लूट की घटना के 48 घंटे बाद भी पुलिस के हाथ कोई ठोस सफलता नहीं लग सकी है। हालांकि घटना के खुलासे के लिए पुलिस की दस टीमें लगातार प्रयास कर रही हैं और विभिन्न स्थानों पर लगे लगभग 150 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की गहन जांच की जा रही है।

जानकारी के अनुसार चार सशस्त्र बदमाशों ने नरेन्द्र अग्रवाल के घर में घुसकर परिवार के सदस्यों को हथियारों के बल पर बंधक बना लिया था। इसके बाद बदमाश करोड़ों रुपये मूल्य के आभूषण और नकदी लूटकर फरार हो गए थे। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है और व्यापारियों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी

थी। बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए कई स्थानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस राष्ट्रीय राजमार्ग-9 तथा आसपास के क्षेत्रों में लगे करीब 150 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि बदमाशों की गतिविधियों और उनके भागने के रास्तों का पता लगाया जा सके।

पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने बताया कि घटना के शीघ्र खुलासे के लिए दस पुलिस टीमें लगाई गई हैं। संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है और विभिन्न बिंदुओं पर जांच आगे बढ़ाई जा रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि जल्द ही बदमाशों को गिरफ्तार कर घटना का पदार्फाश किया जाएगा।

इस बीच दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री कैप्टन विकास गुप्ता तथा भारतीय जनता पार्टी व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष विनीत शारदा ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने अपर पुलिस महानिदेशक और पुलिस अधीक्षक से दूरभाष पर वार्ता कर मामले का शीघ्र खुलासा करने और अपराधियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की।

उधर इस घटना को लेकर व्यापारी वर्ग में भारी आक्रोश व्याप्त है। व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान के जिलाध्यक्ष अरुण अग्रवाल, सचिन जिंदल, संयुक्त व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष ललित अग्रवाल तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष संजय डाबर समेत कई व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही घटना का खुलासा नहीं हुआ तो बाजार बंद कर आंदोलन शुरू किया जाएगा।

व्यापारियों का कहना है कि जिले में लगातार बढ़ती आपराधिक घटनाएं चिंता का विषय हैं और व्यापारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस को प्रभावी कार्रवाई करनी चाहिए। घटना के खुलासे में हो रही देरी से व्यापारियों में असुरक्षा की भावना लगातार बढ़ रही है।

अवैध कमाई पर प्रशासन का बड़ा प्रहार, गैंगस्टर अतीक अहमद की 168 करोड़ की संपत्ति कुर्क

बिजनौर (शिखर समाचार)। संगठित अपराध और अवैध रूप से अर्जित संपत्तियों के खिलाफ प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गैंगस्टर अतीक अहमद की करीब 168 करोड़ 13 लाख 32 हजार 600 रुपये मूल्य की अचल संपत्ति को कुर्क कर लिया है। जिलाधिकारी जसजीत कौर के निर्देश पर तहसील धामपुर क्षेत्र में यह कार्रवाई की गई, जिससे अपराध जगत और भू-माफियाओं में हड़कंप मच गया है। जिलाधिकारी ने बताया कि गिरोहबन्द एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1986 की धारा 14(1) के तहत जिला मजिस्ट्रेट जालौन द्वारा पारित आदेश के अनुपालन में तहसील एवं पुलिस प्रशासन की संयुक्त टीम ने ग्राम याकूबपुर स्थित विभिन्न गाटा संख्याओं में दर्ज कुल 5 .951 हेक्टेयर भूमि को कुर्क कर सील कर दिया। कुर्क संपत्ति में निर्मित ओमर इंटरनेशनल स्लॉटर हाउस का भवन भी शामिल है। कार्रवाई के बाद संपत्ति को रिसीवर एवं प्रशासक के रूप में उप जिलाधिकारी धामपुर के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस अभिलेखों के अनुसार अभियुक्त अतीक अहमद पुत्र मोहम्मद उमर के विरुद्ध जालौन और बिजनौर में गैंगस्टर एक्ट सहित कुल पांच आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। जांच में सामने आया कि संगठित गिरोह ने फर्जी और कूटरचित दस्तावेजों के माध्यम से अवैध गतिविधियों को अंजाम दिया तथा उसी अवैध कमाई से उक्त भूमि खरीदकर स्लॉटर हाउस का निर्माण कराया गया। फोरेंसिक जांच में भी धोखाधड़ी से जुड़े महत्वपूर्ण साक्ष्यों की पुष्टि हुई है। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश में अपराधियों की अवैध संपत्तियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है। जनपद जालौन और बिजनौर पुलिस के बेहतर समन्वय तथा विशेष टीम की सक्रियता के चलते इस बड़ी कार्रवाई को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया।

डासना में एक हेक्टेयर सरकारी भूमि से अवैध मदरसा ध्वस्त, 1.23 करोड़ की वसूली के आदेश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के अनुपालन में जनपद में सरकारी भूमि को कब्जामुक्त कराने के अभियान के तहत जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग ने संयुक्त रूप से बड़ी कार्रवाई करते हुए डासना क्षेत्र में ग्राम सभा की भूमि पर बने एक अवैध मदरसे को ध्वस्त कर दिया।

प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार ग्राम डासना के खसरा संख्या 1548ख में दर्ज लगभग एक हेक्टेयर ग्राम सभा भूमि पर जामिया अरबिया इशातुल इस्लाम नामक मदरसा अवैध रूप से संचालित किया जा रहा था। परिसर में सात बड़े कमरे, दो शौचालय, एक विद्युत कक्ष, दो टिनशेड युक्त कमरे,

बाउंड्रीवाल तथा अन्य निमार्णाधीन संरचनाएं मौजूद थीं। संयुक्त कार्रवाई के दौरान पूरे अवैध निर्माण को ध्वस्त कर भूमि को कब्जामुक्त कराया गया।

राजस्व विभाग की रिपोर्ट के आधार पर उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 की धारा-67 के तहत वाद संचालित किया गया था। तहसीलदार (न्यायिक) एवं असिस्टेंट कलेक्टर प्रथम श्रेणी, गाजियाबाद द्वारा पारित आदेश में संबंधित संस्था को भूमि से बेदखल करने के साथ 1.23 करोड़ रुपये

का हजार्ना वसूलने के निर्देश दिए गए थे। प्रशासन का कहना है कि आदेश के बावजूद कब्जा नहीं हटाया गया और वर्ष 2025 तक मदरसे का संचालन जारी रहा। इस मामले में संचालक फारूख बेग, निवासी दिल्ली, के विरुद्ध संबंधित धाराओं में प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई है।

एडिशनल पुलिस कमिश्नर राज करन नैय्यर तथा डीसीपी ग्रामीण सुरेन्द्र नाथ तिवारी ने बताया कि अवैध निर्माण और बिना अनुमति संचालित गतिविधियों के संबंध में नियमानुसार विधिक कार्रवाई की गई है।

जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ ने कहा कि जनपद में सरकारी भूमि को कब्जामुक्त कराने तथा राजस्व को नुकसान पहुंचाने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे मामलों में नियमानुसार वसूली के साथ-साथ कठोर दंडात्मक कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी।

कार्रवाई के दौरान जिला प्रशासन, राजस्व विभाग और पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, पर्याप्त पुलिस बल तथा बड़ी संख्या में मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

दीवार काटकर कन्फेक्शनरी की दुकान में चोरी, लाखों रुपये का सामान और नकदी ले उड़े चोर

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना पिलखुवा क्षेत्र में चोरों ने एक कन्फेक्शनरी की दुकान को निशाना बनाते हुए दीवार काटकर अंदर प्रवेश किया और हजारों रुपये की नकदी समेत करीब एक लाख रुपये मूल्य का सामान चोरी कर लिया। घटना का पता बुधवार सुबह दुकान मालिक के पहुंचने पर चला, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पीड़ित ने मामले में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार गांव कस्तला कासिमाबाद निवासी हरीश चौहान की मोनाड विश्वविद्यालय के निकट कन्फेक्शनरी की दुकान है।

हरीश चौहान ने बताया कि मंगलवार देर रात अज्ञात चोर दुकान की पिछली दीवार का एक हिस्सा काटकर अंदर घुस गए। चोरों ने दुकान में रखा सिगरेट के पैकेट, मुद्रक यंत्र, कुरकुरे, नमकीन, शीतल पेय पदार्थ तथा गल्ले में रखी नकदी चोरी कर ली। चोरी किए गए सामान की कुल कीमत लगभग एक लाख रुपये बताई जा रही है। बुधवार सुबह जब हरीश चौहान दुकान खोलने पहुंचे तो दीवार कटी हुई देखकर उनके होश उड़ गए। दुकान के भीतर सामान बिखरा पड़ा था और कई वस्तुएं गायब थीं। इसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए। घटना से क्षेत्र के व्यापारियों में भी चिंता का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए रात्रि गश्त बढ़ाई जानी चाहिए, ताकि ऐसी वारदातों पर रोक लग सके। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अतुल चौहान ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। आसपास लगे निगरानी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और संदिग्ध व्यक्तियों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। जल्द ही घटना का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

तपती दोपहरी में शरबत सेवा बनी राहगीरों का सहारा

खतौली (शिखर समाचार)। भीषण गर्मी और तेज धूप से राहत दिलाने के उद्देश्य से कस्बे में विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं समाजसेवियों द्वारा शीतल पेय वितरण का कार्य लगातार किया जा रहा है। इसी क्रम में जीटी रोड स्थित जैन कीर्ति स्तंभ के निकट यूनियन बैंक के पास राहगीरों को रूह अफजा शरबत पिलाया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में राहगीरों ने रुककर शरबत का सेवन किया और कुछ समय विश्राम कर गर्मी से राहत महसूस की। कार्यक्रम के आयोजक सरदार आर. पी. सिंह ने बताया कि जनसेवा की भावना से यह कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इससे पूर्व भी वह इसी स्थान पर राहगीरों के लिए शीतल पेय वितरण की सेवा कर चुके हैं और भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्य जारी रहेंगे। गर्मी के मौसम में इस प्रकार की सेवा लोगों के लिए काफी लाभदायक साबित हो रही है। राहगीरों ने आयोजन की सराहना करते हुए इसे मानवता और समाजसेवा का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। इस अवसर पर भारत संचार निगम लिमिटेड के सेवानिवत्त अधिकारी ओ. पी. मीणा, डॉ. के. एस. भौज्ञान, राजबीर सिंह, नितिन, अनिल जैन सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे और उन्होंने भी सेवा कार्य में सहयोग प्रदान किया।

शाहपुर पुलिस ने युवाओं को साइबर अपराधों के प्रति किया जागरूक

शाहपुर/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। कस्बा शाहपुर पुलिस चौकी प्रभारी राहुल कुमार ने देर शाम चौकी परिसर के बाहर स्थानीय युवाओं को साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक किया। इस दौरान उन्होंने बढ़ते ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामलों, फर्जी कॉल, ओटीपी साझा करने के खतरों तथा सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। राहुल कुमार ने बताया कि वर्तमान समय में साइबर ठग बैंक अधिकारी, बिजली विभाग के कर्मचारी अथवा ग्राहक सेवा प्रतिनिधि बनकर लोगों को फोन करते हैं और उनसे ओटीपी, एटीएम पिन, बैंक खाता अथवा आधार संबंधी गोपनीय जानकारी प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। उन्होंने युवाओं से अपील की कि किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करें, लालच देने वाले संदेशों से सावधान रहें तथा अपनी निजी जानकारी किसी भी व्यक्ति के साथ साझा न करें। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति साइबर ठगी का शिकार होता है तो उसे तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज करानी चाहिए अथवा निकटतम थाने में सूचना देनी चाहिए, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान मौजूद पुलिसकर्मियों ने भी युवाओं के सवालों के जवाब दिए और साइबर सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए। स्थानीय नागरिकों ने पुलिस की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से आम लोगों को साइबर अपराधियों के नए-नए तरीकों की जानकारी मिलती है और वे सतर्क रह सकते हैं। पुलिस का उद्देश्य कस्बे के प्रत्येक नागरिक को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक बनाना तथा उन्हें डिजिटल ठगी से सुरक्षित रखना है। इस अवसर पर पवन कुमार, किताब सिंह, जितेंद्र सिंह, अश्वनी कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी भी उपस्थित रहे।

बहन से छेड़छाड़ का विरोध करने पर भाइयों पर हमला, चाकू मारकर किया घायल

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ क्षेत्र के एक मोहल्ले में बहन से कथित छेड़छाड़ का विरोध करने पर दबंग युवकों द्वारा उसके भाइयों के साथ मारपीट करने और एक भाई को चाकू मारकर घायल करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 31 मई की रात वह अपने दोनों भाइयों के साथ घर के बाहर सीढ़ियों पर बैठी हुई थी। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाला भूरा कुरैशी वहां पहुंचा और उसके साथ अभद्रता तथा छेड़छाड़ करने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने अपने साथी अजीम कुरैशी, जुबैर कुरैशी और आमिर को बुला लिया। आरोप है कि चारों युवकों ने मिलकर दोनों भाइयों पर हमला कर दिया। इस दौरान एक भाई को चाकू मारकर घायल कर दिया गया तथा उनके साथ मारपीट की गई। घटना के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। थाना प्रभारी निरीक्षक मनीष चौहान ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

योगी से बोले रविकिशन: नंगे पैर पैदल गोरखपुर चला जाऊं

सीएम मुस्कुराते हुए बोले- बारिश के बाद निकलिएगा; पसीना आ रहा, लेकिन भाषण दिए जा रहे

गोरखपुर(एजेंसी)। सीएम योगी ने बुधवार को गोरखपुर सांसद रवि किशन की चुटकी ली। उन्होंने कहा- भले ही रवि किशन आपको मुफ्त में फिल्म न दिखाते हों, लेकिन आपके बीच जरूर आते हैं। इस भीषण गर्मी में भी रवि किशन मुझसे कह रहे थे कि अगर आप कहें, तो मैं गीडा से गोरखपुर तक नंगे पैर पदयात्रा निकाल लूं। मैंने कहा कि अभी नहीं, बरसात होने दो, उसके बाद निकालिएगा। उनके अंदर काम करने का जज्बा है। नहीं तो कहते कि इतनी गर्मी है, मैं क्यों आऊं गोरखपुर। लेकिन वह दायित्वों का निर्वहन करने के लिए आपके बीच में हैं। पसीना आ रहा है, लेकिन भाषण दिए जा रहे हैं।

योगी ने गोरखपुर में फ्लैटेड फैक्ट्री का शुभारंभ किया। सीएम ने बताया- यह ऐसा मॉडल है, जहां एक ही परिसर में एमएसएमई क्षेत्र से जुड़े 100 से अधिक उद्योग संचालित किए जा सकते हैं। यह गीडा के कर्मचारियों के लिए आवास योजना भी है। इसके तहत 100 परिवारों के लिए आवास की व्यवस्था की गई है।

सीएम योगी ने कहा- विकास सबका होगा, सुरक्षा सबको मिलेगी और सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाया जाएगा। अगर कोई व्यक्ति दबंगई के बल पर गरीबों के अधिकार छीनने, व्यापारियों को धमकाने या बेटियों की सुरक्षा और सम्मान से खिलवाड़ करने का प्रयास करेगा, तो उसे सरकार छोड़ेगी नहीं।

वह पाताल में भी छिप जाएगा, तो वहां से भी उसे बाहर लाकर सजा दी जाएगी। ऐसे लोगों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें कठोर दंड दिया जाएगा। गीडा से 50 हजार युवाओं को रोजगार मिला सीएम ने कहा- आज उत्तर प्रदेश सुरक्षा के एक नए मॉडल के रूप में सामने आया है। बेहतर कानून-व्यवस्था का ही परिणाम है कि प्रदेश में बड़े पैमाने पर निवेश आया और लाखों युवाओं को रोजगार मिला।

गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) में पिछले 9 वर्षों के दौरान स्थापित उद्योगों के माध्यम से अकेले करीब 50 हजार युवाओं को रोजगार मिला है।इनमें पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार, नेपाल और देश के विभिन्न हिस्सों से आए युवा शामिल हैं। अगर प्रदेश में सुरक्षा और कानून-व्यवस्था का बेहतर माहौल न होता, तो इतने बड़े स्तर पर उद्योगों की स्थापना और रोजगार सृजन संभव नहीं हो पाता।

सीएम ने कहा- नए उद्योगों के साथ गीडा में जब पूरी बुकिंग हो चुकी है फैक्ट्रियां लग चुकी है। तो इसका विस्तार होने के बाद अब 7000 एकड़ में गीडा का विस्तार धुरियापार क्षेत्र में भी तेजी के साथ आगे बढ़ा है। सीमेंट और पेंट की फैक्ट्री आ रही है। वहां पर भी सीएनजी का निर्माण भी हो रहा है। यहां के पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस वे से लखनऊ की दूरी को आसान कर दिया है।

पाकिस्तानी आतंकी शहजाद भट्टी के 3 फॉलोवर अळर रडार पर

शाहबाद(एजेंसी)। पाकिस्तानी आतंकी शहजाद भट्टी को फॉलो करने वाले एक युवक और दो नाबालिगों को ATS ने रडार पर ले लिया है। ATS ने लंबी पूछताछ के बाद उनके मोबाइल जब्त कर लिए हैं। तीनों के सोशल मीडिया अकाउंट खंगाले जा रहे हैं।

युवक ने 15 दिन पहले पाकिस्तानी आतंकी शहजाद भट्टी के इंस्टाग्राम पर एक भड़काऊ पोस्ट पर कमेंट किया था। उसके दो नाबालिग दोस्तों ने लाइक किया था। इसी मामले को लेकर अळर ने मुरादाबाद में दोनों नाबालिगों को बुलाकर लंबी पूछताछ की। युवक बीकॉम में पढ़ाई कर रहा है। जबकि दोनों नाबालिगों में एक एक 8वीं, जबकि दूसरा 10वीं का छात्र है। नाबालिगों का कहना है हमने गलती से पोस्ट को लाइक किया था। वहीं उनके परिजनों का कहना है हमारे बच्चों से गलती हो गई, बच्चों का किसी आपत्तिजनक गतिविधि से कोई संबंध नहीं है।पुलिस सूत्रों के अनुसारझ्र जांच में सामने आया कि शाहबाद के एक मोहल्ले के रहने वाले 19 वर्षीय जुनैद ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से पाकिस्तानी आतंकी शहजाद भट्टी को फॉलो कर रखा था। करीब 15 दिन पहले उसने शहजाद भट्टी के एक भड़काऊ पोस्ट पर कमेंट किया। उसके दो नाबालिग दोस्तों ने इसी पोस्ट पर और जुनैद के कमेंट पर लाइक किया।28 मई को छक्त्र की एक टीम तीनों के घर पहुंची और छानबीन की। जुनैद और उसके 15 वर्षीय साथी को पूछताछ के लिए मुरादाबाद स्थित अळर कार्यालय बुलाया गया। 29 मई को जुनैद और उसका नाबालिग दोस्त मुरादाबाद पहुंचे।

ATS ने जुनैद से करीब 40 मिनट और उसके नाबालिग दोस्त से 20 मिनट पूछताछ की। अधिकारियों ने सोशल मीडिया अकाउंट, फॉलोअर्स, चैट, ऑनलाइन संपर्क और मोबाइल इस्तेमाल को लेकर कई सवाल किए। इसके बाद दोनों के मोबाइल फोन जब्त करते हुए उन्हें छोड़ दिया गया। अळर ने चेतावनी दी अगर छानबीन के दौरान कुछ आपत्तिजनक मिला तो पूछताछ के लिए दोबारा बुलाया जाएगा।

15 दिन पहले मैंने गलती से शहजाद भट्टी के पोस्ट को लाइक किया था। कोई कमेंट नहीं किया था। मैंने उसे फॉलो नहीं किया है। मैं जानता भी नहीं कि वो है कौन? मेरे दोस्तों ने मेरे कमेंट पर लाइक कर दिया।

'कितने असद को मारेगे, हमारे भी हथियार हैं तैयार

सूर्या हत्याकांड के बाद मेरठ में भड़काऊ पोस्ट, गिरफ्तार होते ही कान पकड़कर गिड़गिड़ाया

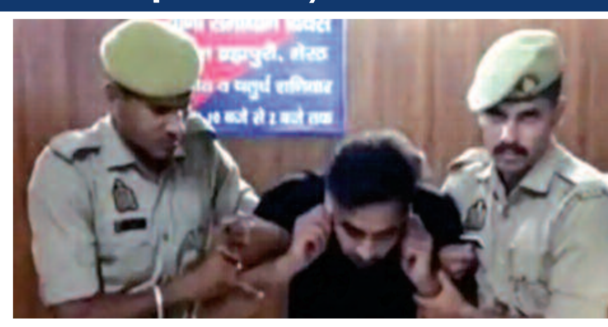

मेरठ(एजेंसी)। गाजियाबाद के सूर्या हत्याकांड को लेकर जहां पूरे क्षेत्र में चौतरफा निंदा हो रही है, वहीं कुछ लोग इस घटना के सहारे माहौल बिगाड़ने की कोशिश करते नजर आ रहे हैं। इसी बीच मंगलवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ, जिसे लेकर नया विवाद खड़ा हो गया। वायरल वीडियो महज 14 सेकेंड का है, जिसमें शुरूआत में पीयूष मिश्रा द्वारा लिखित गीत आरंभ है प्रचंड की पंक्तियां सुनाई देती हैं। वीडियो में गाजियाबाद में मारे गए सूर्या की तस्वीर के साथ आरोपी असद की फोटो भी दिखाई गई है। साथ ही एक अन्य फ्रेम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तस्वीर भी नजर आती है। हो गया एनकाउंटर, थैंक यू योगी जी जैसे संदेश वीडियो के अलग-अलग हिस्सों में भड़काऊ और आपत्तिजनक टेक्स्ट भी लिखा हुआ है। इसमें सबसे पहले लिखा दिखाई देता है-हो गया एनकाउंटर, उसके बाद थैंक यू योगी जी और फिर मिल गया इंसाफ जैसे संदेश शामिल हैं। इसके बाद वीडियो का माहौल और अधिक तनावपूर्ण हो जाता है। वीडियो में एक युवक सफेद कुर्ता-पायजामा पहने तेजी से चलता दिखाई देता है। बैकग्राउंड में नसीरुद्दीन शाह का एक डायलॉग भी चलता है—रास्ते में जो भी आएगा, उसकी भी जुबान बंद करनी होगी, रुपयों से नहीं तो गोली से। इसके बाद वह युवक हाथ में छुरा लेकर उसे धार लगाते हुए दिखाई देता है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने तुरंत संज्ञान लिया। जांच में पता चला कि यह वीडियो ब्रह्मपुरी क्षेत्र के हरिनगर अंगूर वाली गली निवासी अमन पुत्र अशरफ का है, जिसने इसे सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। थाने में कान पकड़कर मांगी माफी गिरफ्तारी के बाद अमन को ब्रह्मपुरी पुलिस थाने लाया गया, जहां वह हाथ जोड़कर अपनी गलती स्वीकार करता नजर आया। पुलिस ने उससे सख्ती से पूछताछ की और बाद में उसका जुलूस भी निकाला गया। इस दौरान वह कान पकड़कर चलता दिखाई दिया, जबकि दो पुलिसकर्मी उसे दोनों तरफ से पकड़े हुए थे।

लखनऊ में मामा ने भांजे की हत्या की

लखनऊ (एजेंसी)। आइसक्रीम पॉर्लर संचालक की रिश्ते के मामा ने हत्या कर दी। उसका शव केले के खेत में फेंक दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। आरोपी मामा को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।घटना इटौंजा थाना क्षेत्र के अकबरपुर गांव की है। मृतक सचिन सिंह (22) साल इंद्रपुरी कॉलोनी, मड़ियांव का रहने वाला था। सोमवार रात करीब 9 बजे अपने रिश्ते के मामा ब्रजेश सिंह के साथ उसके गांव अकबरपुर आया था।मंगलवार सुबह सचिन सिंह का शव ब्रजेश के केले के खेत में मिला। मौके से शराब की बोतल भी बरामद हुई। पुलिस की पूछताछ में आया है कि दोनों ने साथ में शराब पार्टी की। इस दौरान किसी बात पर हुए विवाद के बाद मामा ने भांजे का गला घोंटकर हत्या कर दी। हालांकि, हत्या की वजह अब तक स्पष्ट नहीं हुई।सचिन सिंह जानकीपुरम के यादव चौराहे पर आइसक्रीम पार्लर चलाता था। परिजनों ने बताया कि सोमवार रात करीब 9 बजे रिश्ते का मामा ब्रजेश सिंह सचिन को अपने साथ अपने घर ले गया। मंगलवार सुबह करीब 8 बजे ब्रजेश सिंह के बड़े भाई पौरूष सिंह को गांव के एक युवक ने बताया कि ब्रजेश ने सचिन की हत्या कर दी है।परिजनों ने बताया कि पौरूष सिंह ने क्क्रट रोड काशीराम कॉलोनी में रहने वाले अपने मामा सतेंद्र सिंह (सचिन के नाना भी हैं) को घटना की जानकारी दी। सतेंद्र सिंह ने इसकी जानकारी राम शंकर सिंह को दी। बेटे की हत्या की खबर सुनकर राम शंकर सिंह सत्येंद्र सिंह यानी अपनी ससुराल पहुंचे। वहां से परिजनों के साथ मड़ियांव थाने गए और पूरा घटनाक्रम बताया। सत्येंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस और परिजनों के साथ वह लोग अकबपुर में ब्रजेश सिंह के केले के खेत में पहुंचे। वहां सचिन का शव मिला। शरीर पर नेक्कर और बनियान थी। गले पर रस्सी से कसाने का निशान था। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया। मौके पर फॉरेंसिक टीम बुलाकर साक्ष्य जुटाए। इटौंजा से पकड़ा गया आरोपी ब्रजेश सत्येंद्र सिंह ने बताया कि ब्रजेश घर से भाग गया था।

प्रयागराज में करोड़पति परिवार के 4 लोगों की हत्या

पुलिस दरवाजा तोड़कर अंदर पहुंची, गत्ते पर लिखा था- बंटी, बबली और बहू ने मारा

प्रयागराज (एजेंसी)। करोड़पति परिवार के चार लोगों की हत्या कर दी गई। इनमें पति-पत्नी और उनके बेटा-बेटी शामिल हैं। घर बाहर से बंद था और ताला लगा हुआ था। मंगलवार दोपहर घर से बदबू आने पर पड़ोसियों को शक हुआ। पड़ोसियों ने दरवाजा खटखटाया, आवाज लगाई। लेकिन, कोई जवाब नहीं मिला। तब पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस गेट तोड़कर अंदर पहुंची। एक कमरे में वीरेंद्र कुमार वैश्य (70), उनकी पत्नी अनीता (65) की लाश मिली। पास ही दूसरे कमरे में बेटी मीनाक्षी (40) की लाश पड़ी हुई थी। तीनों के सिर पर गहरे जख्म थे। आसपास काफी खून फैला था, जो सूख चुका था। बेटे अभिषेक (38) की लाश ग्राउंड फ्लोर पर बनी दुकान में मिली, जो बाहर से बंद थी। पहले अभिषेक के लापता होने की जानकारी आई थी। तब उसी पर शक गया था कि वह तीनों को मारकर फरार हो गया है।पुलिस ने बताया- जिस कमरे में दंपती के शव मिले, वहां एक गत्ता पड़ा था। उस पर लिखा मिला, ह्वबंटी, बबली और बहू ने मारा।ह्व अब परिवार में एक ही बेटा बचा है। वह धोखाधड़ी के केस में इस समय कौशांबी जेल में बंद है। वारदात साउथ मलाका में हीवेट रोड चौराहे की है। वीरेंद्र कुमार वैश्य का हीवेट रोड चौराहे पर दो मंजिला मकान है। निचले हिस्से में 14 दुकानें हैं। 13 दुकानें किराए पर हैं। ऊपरी हिस्से में वह परिवार के साथ रहते थे। परिवार में पत्नी, बेटी-बेटे के अलावा एक छोटा बेटा अश्विनी था, जो कौशांबी जेल में बंद है।

एक दुकान बेटी मीनाक्षी चलाती थी। वह गिफ्ट से जुड़े सामान बेचती थी। उसी दुकान पर वीरेंद्र वैश्य भी बैठा करते थे। बेटा अभिषेक फ्लोर क्लीनिंग के काम से जुड़ा था। मीनाक्षी और अभिषेक की शादी नहीं हुई थी। मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे पड़ोसियों ने घर से बदबू आने पर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि निचली मंजिल से ऊपर जाने का रास्ता खुला था, लेकिन ऊपरी मंजिल का गेट बाहर से बंद था। पुलिस ने ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया। अंदर एक कमरे में वीरेंद्र कुमार और उनकी पत्नी के शव पड़े मिले, जबकि दूसरे कमरे में उनकी बेटी मीनाक्षी का शव मिला। इसके बाद फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वॉड को मौके पर बुलाया गया। जांच के बाद पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।इसके बाद पुलिस ने पूरे मकान की तलाशी ली। घर के नीचे बनी दुकानों की जांच के दौरान ग्राउंड फ्लोर पर स्थित एक दुकान से एक और शव बरामद हुआ। बाद में उसकी पहचान परिवार के बेटे अभिषेक के रूप में हुई। सूचना पर पुलिस कमिश्नर जोगेंद्र सिंह और एडिशनल सीपी लॉ एंड ऑर्डर डॉ. अजय पाल शर्मा भी मौके पर पहुंचे।स्थानीय लोगों ने बताया कि वीरेंद्र कुमार वैश्य को आखिरी बार रविवार को देखा था। इसके बाद से न तो वह दिखाई दिए और न ही उनकी पत्नी और बेटी को किसी ने देखा। जिस दो मंजिला मकान में वारदात हुई, वह करीब 8,000 वर्गफुट क्षेत्रफल में बना हुआ है। संपत्ति की नुमानित कीमत 10 से 15 करोड़ रुपए है। मौके पर पहुंचे रिश्तेदार अतिन सरवानी ने कहा कि वीरेंद्र कुमार वैश्य उनके रिश्ते में फूफा लगते थे। परिवार का लोगों से ज्यादा मेलजोल नहीं था। वे अपने काम से ही मतलब रखते थे। कमरे में लिखा मिला- 'बंटी, बबली और बहू ने मारा' एडिशनल सीपी लॉ एंड ऑर्डर डॉ. अजय पाल शर्मा ने बताया कि दुकान से मिला चौथा शव काफी फूल चुका है। परिजनों ने इसकी पहचान अभिषेक के रूप में की है। मौत के कारण की पुष्टि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी।जिस दुकान से शव बरामद हुआ, उस पर बाहर से ताला लगा हुआ था। जांच के दौरान एक और अहम तथ्य सामने आया है। जिस कमरे में दंपति के शव मिले, वहां एक बोर्ड पर लिखा मिला, बंटी, बबली और बहू ने मारा। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि बंटी-बबली और बहू कौन हैं। उनका इस मामले से क्या संबंध है। पुलिस जांच में सामने आया है कि मृतक व्यापारी के छोटे बेटे अश्विनी ने कीडगंज की रहने वाली रितु के साथ लिव-इन में रहने लगा।। दोनों पर कई लोगों से धोखाधड़ी करने के आरोप में मुकदमे दर्ज हुए थे।

संक्षिप्त डायरी

लखनऊ में इंजेक्शन लगने के बाद मासूम की मौत

लखनऊ (एजेंसी)। फैजुल्लागंज स्थित पुराना दाऊदनगर निवासी छह वर्षीय मासूम सौम्या विश्वकर्मा की इंजेक्शन लगाए जाने के बाद मौत हो गई। परिजनों के अनुसार बच्ची को बुखार था, जिसके चलते वे उसे एक क्लीनिक पर लेकर गए थे, जहां डॉक्टर द्वारा इंजेक्शन लगाया गया। इसके बाद बच्ची की तबीयत बिगड़ गई।परिजनों का आरोप है कि इलाके के एक झोलाछाप डॉक्टर द्वारा दिए गए इलाज और दवा के कारण बच्ची की हालत गंभीर हो गई। घटना के बाद गुस्साए परिजनों ने क्लीनिक के बाहर हंगामा किया। पुलिस ने मामले में शव का पोस्टमार्टम कराकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुराना दाऊदनगर निवासी अनूप विश्वकर्मा पुताई मजदूर है। जबकि पत्नी गुड़िया गृहणी हैं। 10 साल का बेटा शिवम कक्षा छह का छात्र है। मामा कौशल ने बताया भांजी सौम्या को बीते कुछ दिनों से बुखार आ रहा था। सोमवार सुबह बुखार तेज हो गया।मां गुड़िया बच्ची को लेकर घर के नजदीक मेडिकल स्टोर पहुंची। मेडिकल स्टोर का संचालन खुद को डॉक्टर बताता था। उसने बच्ची की सेहत की जांच की। एक इंजेक्शन लगाया। तीन खुराक दवा दी। फीस के नाम पर 100 रुपए वसूले।घर पहुंचने के बाद मां ने बेटी को दवा की एक खुराक दी। कुछ ही समय बाद बच्ची की तबीयत बिगड़ने लगी। उसका शरीर नीला पड़ने लगा और शरीर पर चकत्ते दिखाई देने लगे। उसे पेट में तेज दर्द होने लगा। हालत बिगड़ती देख परिजन उसे आनन-फानन में दूसरे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां कुछ देर बाद मासूम सौम्या की मौत हो गई।पिता ने मेडिकल स्टोर संचालक पर गलत इंजेक्शन लगाने का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि झोलाछाप के गलत इलाज से बेटी की सांसें थमी हैं। नाराज परिवारीजन शव लेकर मेडिकल स्टोर पहुंचे। हंगामा शुरू कर दिया। माहौल बिगड़ता देख झोलाछाप मेडिकल स्टोर बंद कर फरार हो गया। हंगामे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह परिवारीजनों को समझाया। इंसाफ का भरोसा दिलाया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।परिजनों का आरोप है कि झोलाछाप हर प्रकार की बीमारी का इलाज करता था। स्थानीय लोगों ने बताया कि झोलाछाप मेडिकल स्टोर का संचालन करता था। उसमें मरीजों को इलाज मुहैया कराता था। स्टोर में बैठने के दौरान झोलाछाप के गले में हमेशा आला पड़ा रहता था। ताकि लोग उसे डॉक्टर समझे। इलाज कराएं। वह सभी को हमेशा खुद को डॉक्टर बताता था। डिग्री पूछने पर चुप्पी साध लेता था।

अमेठी में आईपीएल की तर्ज पर एपीएल टूनार्मेंट

अमेठी (एजेंसी)। आईपीएल की तर्ज पर अमेठी प्रीमियर लीग (एपीएल) क्रिकेट टूनार्मेंट का आयोजन किया जाएगा। कांग्रेस सांसद किशोरीलाल शर्मा ने गौरीगंज के एक निजी होटल में इसकी औपचारिक घोषणा की। यह प्रतियोगिता 15 से 25 जून तक डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में होगी, जिसमें जिले की 6 टीमें हिस्सा लेंगी। इसमें अमेठी और आसपास के जिलों के खिलाड़ी भी शामिल होंगे। टूनार्मेंट के सभी मैच डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में खेले जाएंगे। प्रतियोगिता में शामिल होने वाले खिलाड़ियों की नीलामी पहले ही हो चुकी है। सांसद किशोरीलाल शर्मा ने बताया कि इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की छुपी हुई क्रिकेट प्रतिभाओं को बड़ा मंच प्रदान करना है। एपीएल के माध्यम से गांव-देहात के युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा।टूनार्मेंट में जिले के विभिन्न ब्लॉकों और क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाली कुल 6 टीमें भाग लेंगी। फाइनल मुकाबला 25 जून को खेला जाएगा। आयोजक राजेश तिवारी ने जानकारी दी कि यह पूरी प्रतियोगिता देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न राजीव गांधी को समर्पित होगी। उन्होंने बताया कि राजीव गांधी का अमेठी से गहरा नाता रहा है और खेलों को बढ़ावा देने में उनका विशेष योगदान था।एपीएल को लेकर जिले के युवा खिलाड़ियों में काफी उत्साह देखा जा रहा है। चयन प्रक्रिया पहले ही पूरी की जा चुकी है। आयोजकों का दावा है कि यह टूनार्मेंट अमेठी में क्रिकेट का नया माहौल तैयार करेगा और कई प्रतिभावान खिलाड़ी यहां से निकलकर प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगे। यह प्रतियोगिता जिले में पहली बार आयोजित हो रही है।

पर्यटक से लूट करने वाले आरोपी मुठभेड़ में गिरफ्तार

आगरा (एजेंसी)। ताजमहल के हाई सिक्योरिटी जोन के पास रविवार को आंध्र प्रदेश की पर्यटक के साथ चेन लूट की वारदात हुई थी। गुंटूर निवासी माधवीलता ताजमहल घूमने के बाद अपनी सहेलियों के साथ कैंट रेलवे स्टेशन की ओर जा रही थीं। शिल्पग्राम के पास रुकने के दौरान बाइक सवार बदमाशों ने उनके गले से सोने की चेन छीन ली थी।इस वारदात के बाद ताजमहल क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हुए थे। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कई सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली, जिसके आधार पर बदमाशों की पहचान की गई।इनर रिंग रोड पर हुई मुठभेड़ एसीपी ताज सुरक्षा मयंक तिवारी के मुताबिक मंगलवार रात करीब 11 बजे पुलिस इनर रिंग रोड गढ़ी देवरी के पास चेकिंग कर रही थी। तभी बाइक पर सवार दो संदिग्ध नजर आए। पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो वे भागने लगे। भागते समय बाइक फिसल गई और पकड़े जाने के डर से बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने दोनों को घेर लिया।

आबकारी आयुक्त ने मेरठ प्रभार की समीक्षा बैठक में दिए सख्त निर्देश, पीओएस प्रणाली से शत प्रतिशत बिक्री सुनिश्चित करने पर जोर

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश डॉ. आदर्श सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार, गौतमबुद्धनगर में मेरठ प्रभार के समस्त आबकारी अधिकारियों एवं जनपदों में तैनात आबकारी निरीक्षकों की विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागीय कार्यों की विस्तार से समीक्षा करते हुए राजस्व वृद्धि, मदिरा बिक्री में पारदर्शिता तथा आबकारी नियमों के प्रभावी अनुपालन को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

बैठक में निर्देशित किया गया कि सभी जनपदों के फुटकर अनुज्ञापनों पर बिक्री पूर्ण रूप से पीओएस मशीनों के माध्यम से सुनिश्चित की जाए। साथ ही सभी थोक अनुज्ञापनों, बीआईओ, बॉन्ड, बार अनुज्ञापनों तथा प्रीमियम विक्रय केंद्रों पर प्राप्त होने वाली समस्त मदिरा को स्टॉक-इन कर पीओएस प्रणाली के माध्यम से ही बिक्री की जाए। आयुक्त ने स्पष्ट किया कि यदि किसी स्तर पर इसका अनुपालन नहीं पाया गया तो संबंधित आबकारी निरीक्षक एवं अनुज्ञापन धारक के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

आबकारी आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपदों में संचालित सभी बीआईओ तथा बीडब्ल्यूएफएल-2ए, 2बी और 2सी इकाइयों पर अन्य राज्यों से आने वाली मदिरा के स्टॉक का नियमित निरीक्षण किया जाए तथा प्रभावी नियंत्रण बनाए रखा जाए। साथ ही संबंधित सीमा शुल्क बॉन्ड से मदिरा की निकासी निर्धारित नियमों एवं प्रावधानों के अनुरूप सुनिश्चित की जाए।

बैठक में मेरठ प्रभार के अंतर्गत कंपोजिट दुकानों से मॉडल शॉप में परिवर्तित की गई सभी दुकानों का संचालन नियमानुसार सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। इसके अलावा सभी जनपदों में संचालित फुटकर मदिरा दुकानों की निर्धारित न्यूनतम प्रत्याभूत मात्रा, कंपोजिट दुकानों में अंग्रेजी मदिरा के न्यूनतम राजस्व गारंटी तथा बीयर की त्रैमासिक न्यूनतम राजस्व गारंटी की समयबद्ध निकासी सुनिश्चित कराने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया। आबकारी आयुक्त ने कहा कि देशी मदिरा की दुकानों पर देशी मदिरा के अतिरिक्त किसी अन्य प्रकार की मदिरा परोसने अथवा पिलाने की शिकायत मिलने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने नोएडा एवं गाजियाबाद जनपदों के सभी बड़े वाणिज्यिक केंद्रों में प्रीमियम रिटेल वेंड अनुज्ञापन स्थापित करने के प्रयास तेज करने के निर्देश दिए। साथ ही कम-अल्कोहल बार एवं कम अल्कोहल प्रीमियम रिटेल वेंड अनुज्ञापनों के व्यापक प्रचार प्रसार पर भी बल दिया गया तथा यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि वहां किसी भी स्थिति में अन्य राज्यों की मदिरा का उपभोग न हो।

बैठक में मॉडल शॉपों तथा सभी कंपोजिट दुकानों पर बीआईओ ब्रांड के अतिरिक्त भारतीय निर्मित प्रीमियम ब्रांडों की अधिकतम उपलब्धता सुनिश्चित कराने के निर्देश भी दिए गए। इसके अतिरिक्त बड़े खुदरा बाजारों एवं हाइपर मार्केटों में नए प्रीमियम रिटेल वेंड स्थापित करने के लिए आवश्यक कार्यवाही तेज करने को कहा गया।

समीक्षा बैठक में संयुक्त आबकारी आयुक्त मेरठ जोन, उप आबकारी आयुक्त मेरठ प्रभार, जिला आबकारी अधिकारी गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, मेरठ, बागपत, हापुड़ एवं बुलंदशहर सहित मेरठ प्रभार के अंतर्गत संचालित सभी आसवनी इकाइयों में तैनात सहायक आबकारी आयुक्त, प्रवर्तन शाखा के अधिकारी तथा सभी आबकारी निरीक्षक उपस्थित रहे। बैठक में विभागीय कार्यों की प्रगति, राजस्व लक्ष्य एवं प्रवर्तन गतिविधियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को शासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शी एवं प्रभावी कार्यप्रणाली अपनाने के निर्देश दिए गए।

घर का ताला तोड़कर 35 लाख रुपये के सामान पर हाथ साफ, व्यापारियों ने की शीघ्र खुलासे की मांग

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर कस्बे में चोरों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। मंगलवार और बुधवार की दरम्यानी रात चोरों ने एक मकान का ताला तोड़कर लगभग 35 लाख रुपये मूल्य के जेवरात और नकदी चोरी कर ली। इसके अलावा दो अन्य स्थानों पर भी चोरी और चोरी के प्रयास की घटनाएं सामने आई हैं। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं लगातार बढ़ रही चोरी की वारदातों से नाराज व्यापारियों ने बैठक कर पुलिस से शीघ्र खुलासे और प्रभावी कार्रवाई की मांग की है। मोहल्ला सराय नैन सिंह निवासी प्रमोद गुप्ता ने बताया कि वह मंगलवार शाम अपने पुत्र के पास ग्रेटर नोएडा गए थे। घर पर ताला लगाकर जाने के बाद जब बुधवार सुबह वापस लौटे तो मुख्य द्वार का ताला टूटा मिला। घर के भीतर प्रवेश करने पर पूरा सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था और अलमारी के ताले भी टूटे हुए थे। यह दृश्य देखकर उनके होश उड़ गए। पीड़ित के अनुसार चोर घर से चार सोने की चूड़ियां, एक हार सेट, तीन सोने की चेन, सात सोने की अंगूठियां,

चांदी के 45 सिक्के, लगभग 18 तोला सोना तथा ढाई लाख रुपये नकद समेत करीब 35 लाख रुपये मूल्य का सामान चोरी कर ले गए। इसी रात चोरों ने नई अनाज मंडी स्थित नरेंद्र गोयल की दुकान का ताला तोड़ने का भी प्रयास किया। हालांकि वे सफल नहीं हो सके। पूरी घटना वहां लगे निगरानी कैमरों में कैद हो गई है, जिसके आधार पर पुलिस जांच कर रही है।

इसके अतिरिक्त रबूपुरा रोड स्थित साहिल की दुकान के बाहर खड़ी उनकी गाड़ी को भी चोर ले गए। बताया जाता है कि चोरी के दौरान गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गई और जंगल क्षेत्र में जा घुसी। इसके बाद चोर वाहन को वहीं छोड़कर फरार हो गए। बाद में वाहन बरामद कर लिया गया। गौरतलब है कि इससे पहले भी कस्बा निवासी अमित के घर में करीब पांच दिन पूर्व लगभग 20 लाख रुपये की चोरी हुई थी। स्थानीय लोगों के अनुसार पिछले एक महीने के भीतर कस्बे में चोरी की दर्जनों घटनाएं हो चुकी हैं, जिससे नागरिकों और व्यापारियों में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। लगातार बढ़ रही आपराधिक घटनाओं को लेकर नई अनाज मंडी में व्यापारियों की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में व्यापारियों ने पुलिस गश्त बढ़ाने, चोरी की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा हालिया वारदातों का शीघ्र खुलासा करने की मांग की। व्यापारियों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए तो अपराधियों के हौसले और बढ़ सकते हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटनास्थलों के आसपास लगे निगरानी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान कर जल्द ही आरोपितों की गिरफ्तारी का प्रयास किया जाएगा।

ग्राम अस्तौली में विकास कार्यों का निरीक्षण, टोरिफाइड चारकोल परियोजना को लेकर ग्रामीणों से संवाद

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के प्रधान महाप्रबंधक (परियोजना) संदीप चन्द्रा ने बुधवार को वर्क सर्किल-8 के अधिकारियों के साथ ग्राम अस्तौली का भ्रमण कर वहां की आधारभूत सुविधाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सड़क, नाली, सीवर, जलापूर्ति सहित अन्य व्यवस्थाओं की स्थिति का जायजा लिया गया। इसके बाद ग्रामीणों के साथ बैठक कर ग्राम में विकास एवं अनुरक्षण कार्यों से जुड़ी समस्याओं तथा आवश्यकताओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में ग्राम अस्तौली की भूमि पर एनटीपीसी विद्युत निगम द्वारा विकसित की जा रही 900 टीपीडी क्षमता की निमार्णाधीन टोरिफाइड चारकोल परियोजना के संबंध में भी विचार विमर्श किया गया। इस दौरान वरिष्ठ प्रबंधक नागेन्द्र सिंह, पर्यावरण अभियंता आर.के. ओझा, केपीएमजी के सलाहकार, अरुण भाटी, पहलवान, धनपाल भाटी, प्रेमी तथा कुलदीप भाटी सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

ग्राम में संवाद कार्यक्रम के उपरांत प्रधान महाप्रबंधक निमार्णाधीन टोरिफाइड चारकोल प्लांट परिसर पहुंचे, जहां उन्होंने ग्रामीणों की समस्याओं और आशंकाओं को सुना। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए कहा कि परियोजना का विकास अंतरराष्ट्रीय मानकों एवं पर्यावरणीय प्रोटोकॉल के अनुरूप किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्लांट का निर्माण कार्य प्रारंभ होने की तिथि से लगभग छह माह के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। प्रधान महाप्रबंधक ने स्पष्ट किया कि प्लांट में आने वाले कूड़े के परिवहन के लिए उपयोग की जाने वाली प्रत्येक

गाड़ी पूरी तरह ढकी हुई होगी। साथ ही प्लांट परिसर में प्रवेश के बाद कूड़े का उपचार एक बंद हॉल के भीतर आधुनिक तकनीक से किया जाएगा, जिससे किसी प्रकार की दुर्गंध या हानिकारक गैस का उत्सर्जन नहीं होगा। उन्होंने कहा कि परियोजना के संचालन में पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय निवासियों के स्वास्थ्य एवं सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाएगा।

बैठक में एनटीपीसी विद्युत निगम के अधिकारियों के साथ उनकी कार्यदायी संस्था मैकाबर बीके प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने ग्रामीणों को परियोजना की तकनीकी विशेषताओं और उससे होने वाले संभावित लाभों की जानकारी देते हुए उनकी शंकाओं का समाधान किया। ग्रामीणों ने भी विकास कार्यों और परियोजना से संबंधित अपने सुझाव एवं अपेक्षाएं अधिकारियों के समक्ष रखीं।

डीएम ने सीएचसी शामली का किया निरीक्षण, व्यवस्थाएं सुधारने के दिए निर्देश

शामली (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी आलोक यादव ने बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) शामली का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों का निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए तथा मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने आपातकालीन कक्ष, बाह्य रोगी विभाग, एक्स-रे कक्ष, टीकाकरण कक्ष, प्रसव कक्ष, पैथोलॉजी प्रयोगशाला, स्वास्थ्य एटीएम मशीन, शीत श्रृंखला कक्ष तथा शौचालयों का निरीक्षण किया। उन्होंने शौचालयों की नियमित साफ-सफाई सुनिश्चित करने, मरीजों के उपचार की सतत निगरानी रखने तथा पैथोलॉजी प्रयोगशाला में खराब यूपीएस को तत्काल ठीक कराने के निर्देश दिए। साथ ही स्वास्थ्य केंद्रों पर संसाधनों की कमी होने पर उनकी मांग शीघ्र भेजने को कहा। इसके बाद जिलाधिकारी ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का भी निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न जांच सुविधाओं और अभिलेखों की समीक्षा करते हुए परिसर की साफ-सफाई बनाए रखने तथा बाउंड्री वॉल की मरम्मत कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी अनिल कुमार, जिला कार्यक्रम प्रबंधक आशुतोष श्रीवास्तव सहित स्वास्थ्य एवं पशुपालन विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

चारधाम यात्रा में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, व्यवस्थाओं पर कड़ी नजर रखे प्रशासन : जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान

देहरादून (शिखर समाचार)। चारधाम यात्रा और पर्यटन सत्र के चरम पर पहुंचने के बीच जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने यात्रा व्यवस्थाओं की व्यापक समीक्षा करते हुए सभी विभागों को मुख्यमंत्री के निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, स्वच्छता, पेयजल आपूर्ति और यातायात प्रबंधन को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखा जाए तथा किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बुधवार को आयोजित समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने चारधाम यात्रा मार्ग के प्रमुख पड़ावों पर उप जिलाधिकारियों एवं क्षेत्राधिकारियों द्वारा संयुक्त निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पंजीकरण केंद्रों और प्रतीक्षा स्थलों पर यात्रियों के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा यात्रा मार्गों पर साफ सफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने नगर निगम, मसूरी देहरादून विकास प्राधिकरण, स्मार्ट सिटी परियोजना, एफएम रेडियो तथा सामाजिक माध्यमों के जरिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने पर बल देते हुए कहा कि श्रद्धालुओं को समय पर सही और प्रमाणिक जानकारी उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है। जिलाधिकारी ने चारधाम यात्रा के सुचारू संचालन के लिए निर्देश दिए कि रात्रि 10 बजे के बाद केवल आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति से जुड़े वाहनों को ही आवागमन की अनुमति दी जाए, जिससे यात्रा मार्गों पर यातायात का दबाव कम हो और श्रद्धालुओं को सुगम यात्रा का लाभ मिल सके। उन्होंने अधिकारियों

को निर्देशित किया कि यात्रा मार्गों पर स्वच्छ पेयजल, आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता, शौचालयों की नियमित सफाई तथा संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी सुनिश्चित की जाए। साथ ही खाद्य पदार्थों में मिलावट, निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली, विद्युत आपूर्ति, मार्ग प्रकाश व्यवस्था तथा स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतर निगरानी करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में प्रभावी यातायात प्रबंधन, आवश्यक वस्तुओं के मूल्य नियंत्रण, पंजीकरण केंद्रों पर भीड़ प्रबंधन, वाहनों की उपयुक्तता जांच तथा परिवहन विभाग की जांच व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर भी चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि यात्रा से जुड़े सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने भ्रामक और फर्जी वीडियो प्रसारित कर लोगों में भ्रम फैलाने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के निर्देश देते हुए कहा कि चारधाम यात्रा से जुड़े तथ्यों की सही जानकारी आमजन तक पहुंचाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। साथ ही प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों के प्रभावी प्रचार-प्रसार को भी प्राथमिकता देने को कहा गया। जिलाधिकारी ने कहा कि सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सुगम चारधाम यात्रा सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। इसके लिए सभी विभाग पूरी गंभीरता और जवाबदेही के साथ कार्य करें तथा श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में कोई कमी न रहने दें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) के.के. मिश्रा, अपर जिलाधिकारी प्रशासन स्मृता परमार, पुलिस अधीक्षक जया बलूनी, नगर मजिस्ट्रेट प्रत्यूष सिंह, उप जिलाधिकारी अपूर्वा सिंह, विनोद कुमार, अपूर्वा ढौंडियाल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एम.के. शर्मा सहित चारधाम यात्रा से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

अंडर-20 एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता निपम चौहान सम्मानित

शामली (शिखर समाचार)। हांगकांग में आयोजित अंडर-20 एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर देश और क्षेत्र का नाम रोशन करने वाली पावटी कलां निवासी खिलाड़ी निपम चौहान को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर दीपांशु वशिष्ठ ने अपने कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में निपम चौहान को 21 हजार रुपये की नकद प्रोत्साहन राशि प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दीपांशु वशिष्ठ ने कहा कि निपम चौहान ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के बल पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए देश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि उनकी यह उपलब्धि क्षेत्र के युवाओं, विशेषकर बेटियों के लिए प्रेरणास्रोत है। ऐसी प्रतिभाएं समाज में सकारात्मक संदेश देती हैं और अन्य

खिलाड़ियों को भी आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं।

निपम चौहान ने सम्मान मिलने पर आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उन्हें भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि वह आने वाले समय में भी देश के लिए अधिक से अधिक पदक जीतकर राष्ट्र का मान बढ़ाने का प्रयास करेंगी। सम्मान समारोह के दौरान खेल प्रेमियों, गणमान्य नागरिकों तथा समाचार माध्यमों के प्रतिनिधियों ने भी निपम चौहान का उत्साहवर्धन किया और उनकी उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की। उपस्थित लोगों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों का इस प्रकार अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में सफलता प्राप्त करना पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। कार्यक्रम का वातावरण उत्साह और सम्मान से ओत-प्रोत रहा तथा सभी ने निपम चौहान के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

रेड लाइट चौराहे पर गोल चक्कर निर्माण की मांग को लेकर भाकियू ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

शामली (शिखर समाचार)। भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों ने बुधवार को जिलाधिकारी से मुलाकात कर मेरठ करनाल मार्ग पर शामली स्थित रेड लाइट चौराहे पर गोल चक्कर निर्माण कराने की मांग उठाई। साथ ही राष्ट्रीय राजमार्गों पर किसानों की सुविधा के लिए बंद किए गए मार्गों को दोबारा खोले जाने की मांग भी की। भाकियू के जिलाध्यक्ष सांता प्रधान के नेतृत्व में पहुंचे पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि गोहरनी भैंसवाल मार्ग के बाईपास क्षेत्र में आए दिन गंभीर सड़क दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिससे जान माल का भारी नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा वहां यूटर्न का निर्माण कराया जा रहा है, जिससे किसान

संतुष्ट नहीं हैं। किसान नेताओं ने मांग की कि उक्त स्थान पर यूटर्न के स्थान पर गोल चक्कर और यातायात संकेतक (रेड लाइट) स्थापित किए जाएं तथा यातायात पुलिस की नियमित तैनाती की जाए, ताकि दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण लगाया जा सके।

इसके अलावा भाकियू पदाधिकारियों ने जनपद की तीनों चीनी मिलों थानाभवन, शामली और ऊन पर किसानों का बकाया गन्ना भुगतान शीघ्र दिलाए जाने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि शामली चीनी मिल द्वारा किसानों का भुगतान अत्यंत धीमी गति से किया जा रहा है, जिससे किसानों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

इस अवसर पर कपिल खाटियान, मोहित शर्मा, साहस चौधरी, अंकित चौधरी, अनिल कुमार, संजीव राठी, कुलदीप पंवार, आकाश कुमार सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

घर बैठे ऑनलाइन मिलेगी प्रमाणित खतौनी, सिर्फ 15 रुपये में डाउनलोड करें प्रति

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) नपद के भूमिधारकों और आम नागरिकों के लिए राजस्व विभाग ने एक महत्वपूर्ण सुविधा शुरू की है। अब नागरिक घर बैठे ऑनलाइन माध्यम से खतौनी की प्रमाणित प्रति प्राप्त कर सकेंगे। यह व्यवस्था उत्तर प्रदेश राजस्व परिषद द्वारा ई-गवर्नेंस को बढ़ावा देने तथा राजस्व सेवाओं को अधिक पारदर्शी, सरल और सुलभ बनाने के उद्देश्य से लागू की गई है। अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) मंगलेश दुबे ने बताया कि इच्छुक आवेदक राजस्व विभाग की आधिकारिक वेबसाइट bor.up.nic.in पर जाकर खतौनी की प्रमाणित प्रति डाउनलोड कर सकते हैं। इसके लिए वेबसाइट पर उपलब्ध "खतौनी की नकल" विकल्प का चयन करना होगा। इसके बाद जनपद, तहसील और ग्राम का चयन कर संबंधित गाटा संख्या का विवरण देखा जा सकेगा। उन्होंने बताया कि प्रमाणित खतौनी प्राप्त करने के लिए ऑनलाइन भुगतान की सुविधा भी उपलब्ध है। आवेदक क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, यूपीआई अथवा क्यूआर कोड के माध्यम से मात्र 15 रुपये का भुगतान कर किसी भी गाटे की प्रमाणित खतौनी डाउनलोड कर सकता है। अपर जिलाधिकारी ने कहा कि नई व्यवस्था लागू होने के बाद नागरिकों को तहसील के कंप्यूटर केंद्र या जन सेवा केंद्रों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। यह सेवा चौबीसों घंटे उपलब्ध रहेगी, जिससे लोग किसी भी समय और किसी भी स्थान से प्रमाणित खतौनी प्राप्त कर सकेंगे। इससे समय और धन दोनों की बचत होगी तथा राजस्व सेवाओं में पारदर्शिता और सुगमता को बढ़ावा मिलेगा।

एक करोड़ 80 लाख रुपये की मांग का आरोप, पत्नी समेत छह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी क्षेत्र के मायचा गांव निवासी एक युवक ने अपनी पत्नी समेत छह लोगों के खिलाफ कथित रूप से मानसिक उत्पीड़न, धन उगाही के लिए दबाव बनाने और झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि मायचा गांव निवासी हैप्पी अपने परिवार के साथ रहते हैं। हैप्पी और उनके भाई सागर का विवाह 2 दिसंबर 2019 को नवादा गांव निवासी दो सगी बहनों, काजल और मनीषा, के साथ हुआ था। परिवार का कहना है कि विवाह बिना दहेज के संपन्न हुआ था तथा उपहार स्वरूप दोनों बहुओं को आभूषण और अन्य कीमती सामान दिए गए थे। आरोप है कि विवाह के बाद मनीषा ने अपने पति के साथ वैवाहिक संबंध रखने से इनकार कर दिया, जिससे परिवार में विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई। परिजनों ने कई बार समझाने का प्रयास किया, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं हुआ। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि काजल अपनी बहन का समर्थन करती रही, जिसके कारण लंबे समय तक परिवार में तनाव बना रहा। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि बाद में दोनों बहनों ने परिवार से एक करोड़ 80 लाख रुपये की मांग करनी शुरू कर दी। मांग पूरी न करने पर विभिन्न थानों में झूठे मुकदमे दर्ज कराकर बदनाम करने और गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी देने का आरोप लगाया गया है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि दोनों महिलाओं के परिजनों ने कथित रूप से असामाजिक तत्वों के माध्यम से परिवार पर दबाव बनवाया और धन की मांग को लेकर लगातार मानसिक उत्पीड़न किया। प्राथमिकी के अनुसार, 29 मई को हैप्पी के पिता हरिराम पर कथित रूप से इतना मानसिक दबाव बनाया गया कि वे अत्यधिक तनाव में आ गए। आरोप है कि इसी कारण उन्होंने 30 मई को विषाक्त पदार्थ खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर पत्नी समेत छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। अधिकारियों का कहना है कि सभी आरोपों की निष्पक्ष जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जमीनी बंटवारे के विवाद में पति पत्नी से मारपीट, महिला समेत चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

दादरी (शिखर समाचार)। बादलपुर कोतवाली क्षेत्र के दुजाना गांव में जमीन के बंटवारे को लेकर हुए विवाद में पति-पत्नी के साथ गाली-गलौज और मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर घटना के लगभग तीन सप्ताह बाद एक महिला समेत चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। दुजाना गांव निवासी पायल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि परिवार के लोगों के साथ जमीन के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा है। आरोप है कि 8 मई को वह अपने पति दीपक के साथ जमीन के बंटवारे की बात कर रही थीं। इसी दौरान हिस्सा देने की मांग करने पर परिवार के कुछ लोग भड़क गए और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने पायल और उनके पति दीपक के साथ मारपीट की, जिससे दोनों घायल हो गए। शोर शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और बीच बचाव कर मामला शांत कराया। इसके बाद घायलों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। पीड़िता की तहरीर पर बादलपुर कोतवाली पुलिस ने मदन सिंह, मोहित, अनुज और भारती के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है तथा जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

महिला पर हॉकी और तमंचे से हमला, दो नामजद समेत पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज

दादरी (शिखर समाचार)। बादलपुर कोतवाली क्षेत्र में एक महिला के साथ मारपीट, धमकी और मोबाइल तोड़फोड़ का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर दो नामजद और तीन अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने बताया कि जनपद कासगंज निवासी ज्योति कुमारी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया है कि वह 21 मई को गाजियाबाद रेलवे स्टेशन से बिसनोली गांव जा रही थी। आरोप है कि जीडीएस कॉलोनी के पास पहुंचते ही बाइक सवार नकाबपोश युवकों तथा उनके साथ मौजूद कुछ अन्य अज्ञात लोगों ने उसे रोक लिया। पीड़िता के अनुसार आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए उस पर हॉकी से हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गई। उसने आरोप लगाया कि एक आरोपी के पास तमंचा और दूसरे के पास चाकू था। हमलावरों ने उसका मोबाइल फोन भी छीनकर तोड़ दिया। विरोध करने पर आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि अनुज और धर्मेंद्र ने कहा कि यदि उसने समझौता नहीं किया तो उसे जान से मार दिया जाएगा। घटना के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायल महिला को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। पीड़िता ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी पहले भी उसके साथ अभद्र व्यवहार कर चुके हैं और जान से मारने की धमकी दे चुके हैं। उपचार के बाद महिला ने धर्मेंद्र, अनुज तथा तीन अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ बादलपुर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है तथा आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

संपादकीय

कर्नाटक में नई सत्ता, नई उम्मीदें और नई चुनौतियां

कर्नाटक की राजनीति में 3 जून 2026 का दिन एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में दर्ज हो गया है। लंबे समय से चल रही राजनीतिक चर्चाओं, संगठनात्मक बैठकों और नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच आखिरकार डी.के. शिवकुमार ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण कर ली। संविधान की प्रति हाथ में लेकर शपथ लेने वाले शिवकुमार ने अपने पहले ही कदम से यह संदेश देने का प्रयास किया कि उनकी सरकार संवैधानिक मूल्यों और लोकतांत्रिक परंपराओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी। उनके साथ 13 मंत्रियों ने भी पद एवं गोपनीयता की शपथ ली, जबकि वरिष्ठ कांग्रेस नेता जी. परमेश्वर को उपमुख्यमंत्री बनाया गया। यह घटनाक्रम केवल सत्ता परिवर्तन नहीं है, बल्कि कर्नाटक की राजनीति में एक नए दौर की शुरूआत भी है।

पिछले कुछ वर्षों में कर्नाटक कांग्रेस के भीतर नेतृत्व को लेकर लगातार चर्चाएं होती रही थीं। वर्ष 2023 में कांग्रेस की ऐतिहासिक जीत के बाद मुख्यमंत्री पद को लेकर दो प्रमुख नेताओं सिद्धारमैया और डी.के. शिवकुमार के बीच संतुलन बनाए रखना पार्टी नेतृत्व के लिए बड़ी चुनौती था। अब जब शिवकुमार को मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है, तब यह स्पष्ट हो गया है कि कांग्रेस ने नेतृत्व परिवर्तन को एक सुनियोजित राजनीतिक रणनीति के तहत अंजाम दिया है। यह निर्णय केवल सत्ता का हस्तांतरण नहीं बल्कि संगठन और सरकार दोनों में संतुलन स्थापित करने का प्रयास भी माना जा रहा है।

नई मंत्रिपरिषद में यतींद्र सिद्धारमैया और प्रियांक खरगे जैसे नेताओं को स्थान मिला है। इससे यह संकेत मिलता है कि कांग्रेस अनुभवी नेतृत्व के साथ-साथ नई पीढ़ी को भी आगे बढ़ाने की नीति पर काम कर रही है। हालांकि विपक्ष इस फैसले को परिवारवाद से जोड़कर आलोचना कर सकता है, लेकिन लोकतंत्र में किसी भी निर्णय की अंतिम कसौटी उसका परिणाम होता है। जनता को इससे अधिक मतलब नहीं कि मंत्री किस परिवार से आता है, बल्कि इससे है कि वह अपने विभाग में कितना प्रभावी और जवाबदेह साबित होता है।

मुख्यमंत्री बनने के बाद डी.के. शिवकुमार के सामने सबसे बड़ी चुनौती राजनीतिक नहीं बल्कि प्रशासनिक होगी। एक कुशल संगठनकर्ता और चुनावी रणनीतिकार के रूप में उनकी पहचान पहले से स्थापित है, लेकिन अब उन्हें एक सफल प्रशासक के रूप में स्वयं को सिद्ध करना होगा। मुख्यमंत्री पद केवल राजनीतिक प्रभाव का नहीं बल्कि प्रशासनिक क्षमता, दूरदर्शिता और निर्णय लेने की योग्यता का भी परीक्षण करता है। जनता अब भाषणों और नारों से आगे बढ़कर परिणाम चाहती है।

कर्नाटक देश की सबसे विकसित और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण राज्यों में गिना जाता है। बेंगलुरु सूचना प्रौद्योगिकी, स्टार्टअप, अनुसंधान और नवाचार का राष्ट्रीय केंद्र है। देश-विदेश की बड़ी कंपनियां यहां निवेश करती हैं और लाखों युवाओं को रोजगार मिलता है। इसके बावजूद राज्य कई गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है। बेंगलुरु में बढ़ता यातायात संकट, जल संकट, अव्यवस्थित शहरी विकास और आधारभूत ढांचे की कमियां लंबे समय से चिंता का विषय बनी हुई हैं। नई सरकार के सामने इन चुनौतियों का समाधान निकालना सबसे बड़ी प्राथमिकता होगी। ग्रामीण कर्नाटक की स्थिति भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। किसानों की आय, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, कृषि लागत में कमी, जल संरक्षण और ग्रामीण रोजगार जैसे मुद्दे लगातार सरकारों के सामने चुनौती बने हुए हैं। यदि नई सरकार केवल राजनीतिक समीकरणों और सत्ता संतुलन में उलझी रही तो जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना मुश्किल होगा।

~ मौलिक चिंतन ~

किसी से अपेक्षा न रखें और किसी की उपेक्षा न करें, तो आप सबके प्रिय रहेंगे।

© विनय संकोची

डिजिटल आक्रामकता के जाल में फंसा बचपन

दिलीप कुमार पाठक

आजकल घरों में शाम के वक्त एक खामोश नजारा दिखाई देता है। पूरा परिवार एक ही कमरे में, एक ही सोफे पर साथ बैठा होता है, लेकिन आपस में कोई बातचीत नहीं होती। सब के सब चुपचाप अपने-अपने मोबाइल की स्क्रीन में खोए रहते हैं। माता-पिता भी इस बात से बड़े खुश और बेफिक्र रहते हैं कि उनका बच्चा बाहर धूप या धूल-मिट्टी में नहीं घूम रहा है, बल्कि घर के अंदर आराम से सुरक्षित बैठा है। लेकिन क्या कभी हमने ठंडे दिमाग से बैठकर यह सोचने की कोशिश की है कि स्क्रीन में अपनी आंखें गड़ाए बैठा हमारा यह मासूम बच्चा अंदर ही अंदर किस मानसिक दौर से गुजर रहा है? कहीं उसके नन्हें दिमाग पर नकारात्मक असर तो नहीं हो रहा?

हर साल 4 जून को पूरी दुनिया में आक्रामकता के शिकार मासूम बच्चों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है। पुराने जमाने में जब इस दिन की चर्चा होती थी, तो बच्चों पर अत्याचार का सीधा सा मतलब लड़ाई-झगड़े, युद्ध, दंगे या फिर फैक्ट्रियों में होने वाली बाल-मजूदरी से लगाया जाता था। लेकिन आज के इस आधुनिक और डिजिटल युग में मासूमों के खिलाफ होने वाली हिंसा का पूरा चेहरा ही बदल चुका है। अब यह आक्रामकता सड़क पर शोर नहीं मचाती। अब यह हिंसा बिना किसी आवाज के, इंटरनेट के महीन रास्तों से रेंगती हुई सीधे हमारे घरों के भीतर और हमारे बच्चों के दिमाग पर सीधा हमला कर रही है। जरा रुककर गंभीरता से सोचिए। आपका बच्चा आपके ठीक सामने बैठा हो सकता है, लेकिन मुमकिन है कि ठीक उसी वक्त उसका कोमल मन किसी बहुत गहरे तनाव या डर में डूब रहा हो। ऑनलाइन गेम खेलते समय किसी अनजान शख्स द्वारा दी गई गंदी गालियां, सोशल मीडिया पर दोस्तों द्वारा उड़ाया गया उसका कोई भद्दा मजाक, या फिर इंटरनेट के समंदर में छिपे किसी अपराधी की गंदी नजर। यह डिजिटल आक्रामकता ऐसी होती है जो बाहर से शरीर पर दिखाई नहीं देती, इसलिए इसके जख्म और भी ज्यादा गहरे होते हैं। यह अदृश्य हमला बच्चे के आत्मविश्वास को भीतर ही भीतर खोखला कर देता है। सबसे ज्यादा डरावना तो यह है कि इंटरनेट के इस गंदे खेल में कोई तीसरा देखने वाला गवाह नहीं होता, सिवाय उस एक सहमे हुए और अकेले पड़ चुके बच्चे के।

वैश्विक संस्था यूनिसेफ की एक हालिया रिपोर्ट साफ कहती है कि दुनिया में इंटरनेट इस्तेमाल करने वाला हर तीसरा इंसान असल में एक बच्चा है। और इससे भी ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि इनमें से एक बहुत बड़ी आबादी ऑनलाइन किसी न किसी रूप में मानसिक या भावनात्मक प्रताड़ना का शिकार होती है। हम अपनी व्यस्त जिंदगी में बच्चों को रोने से रोकने या उन्हें शांत बैठाने के लिए खिलौने की जगह मोबाइल थमा देते हैं। यह डिजिटल झुनझुना शुरू-शुरू में तो हमें बड़ी राहत देता है, लेकिन धीरे-धीरे यही मोबाइल बच्चे और माता-पिता के बीच बातचीत का रास्ता हमेशा के लिए बंद कर देता है। जब बच्चा इंटरनेट की किसी बड़ी मुसीबत या ब्लैकमेलिंग में फंसता है, तो वह लोक-लाज और डर के मारे अपने मम्मी-पापा को कुछ नहीं बता पाता। वह अंदर ही अंदर घुटता रहता है, उसका स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है और वह खुद को एक अंधेरे कमरे में बंद कर लेता है। अब वह समय आ गया है जब हमें इस बढ़ते हुए खतरे को गहराई से समझना होगा। यह कोई ऐसी सामाजिक समस्या नहीं है जो केवल पुलिस की मुस्तैदी या सरकार के कड़े कानून बना देने भर से ठीक हो जाएगी। इस बीमारी के इलाज की शुरूआत हमारे अपने घर के भीतर से ही होगी। बच्चों को महंगे स्मार्टफोन या गैजेट्स लाकर देने से कहीं ज्यादा जरूरी है उन्हें अपना कीमती वक्त देना। अपने बच्चों के बदलते हुए बर्ताव पर हमेशा नजर रखिए। अगर आपका हंसता-खेलता बच्चा अचानक गुमसुम रहने लगा है, बात-बात पर गुस्सा कर रहा है या आपसे अपना फोन छिपाने लगा है, तो उसे डांटने या मारने की गलती बिल्कुल मत कीजिए। उसके पास बैठिए, प्यार से हाथ थामिए, उससे खुलकर बातें कीजिए और उसे यह भरोसा दिलाइए कि दुनिया की चाहे जो भी मुसीबत हो, उसके मम्मी-पापा हमेशा उसके साथ खड़े हैं। इस देश के बचपन को सुरक्षित और सुंदर बनाने की जिम्मेदारी हम सबकी है। आइए, इस डिजिटल दौर में अपने बच्चों के सबसे अच्छे और सच्चे दोस्त बनें। उनके हाथ से कुछ देर के लिए फोन छीनकर उन्हें पास के मैदान में खेलने के लिए भेजें, रात को सोने से पहले उनसे गप्पें मारें और उन्हें खुलकर हंसने का असली मौका दें। जब तक हम उनके लिए घर में एक सुरक्षित और भरोसेमंद माहौल नहीं बनाएंगे, तब तक स्क्रीन के पीछे का यह रोना कभी बंद नहीं होगा। हमारे देश का उज्ज्वल भविष्य मोबाइल की इस छोटी सी स्क्रीन में घुट-घुट कर जीने के लिए नहीं, बल्कि खुले आसमान के नीचे खुलकर जिंदगी जीने के लिए है।

कमजोर मानसून तो महंगाई का लगेगा तड़का, अर्थव्यवस्था होगी प्रभावित

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

मौसम विभाग द्वारा 29 मई को जून से सितंबर मानसून के दौरान 10 प्रतिशत कम बरसात का पूर्वानुमान बेहद चिंताजनक का कारण बन गया है। इससे पहले जारी पूर्वानुमान में 8 प्रतिशत कम बरसात की संभावना व्यक्त की गई थी। लगभग दस साल बाद देश में कमजोर मानसून के हालात रहने की संभावना है। अर्थव्यवस्था के लिए यह इसलिए और भी अधिक चिंतनीय हो जाता है कि एक और अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच सीजफायर के आसार नहीं दिख रहे हैं और इसके कारण भारत सहित दुनिया के अधिकांश देश कच्चे तेल और गैस की समस्या से दो चार हो रहे हैं और इसका सीधा असर महंगाई बढ़ना हो रहा है। दूसरी और अब अलनीनों के प्रभाव से इस साल कमजोर मानसून के कारण 10 प्रतिशत कम बरसात होने से हालात और भी गंभीर होने की संभावना बनती जा रही है। करीब दस साल बाद ऐसे हालात बनने जा रहे हैं। खास बात यह है कि उत्तर पूर्व को छोड़कर समूचे देश में कम बरसात की संभावना व्यक्त की गई है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान को इसलिए भी नहीं नकारा जा सकता है कि पिछले सालों में भारतीय मौसम विभाग के पूर्वानुमान लगभग सटीक रहने लगे हैं। मजे की बात यह है कि इस साल गर्मी भी भीषण पड़ रही है और पिछले एक माह में ही जलाशयों में उपलब्ध पानी में तेजी से कमी आई है। एक मोटे अनुमान के अनुसार देश के प्रमुख 166 जलाशयों में कुल भराव क्षमता का 24 प्रतिशत के आसपास ही पानी रह गया है और तेजी से पानी कम होता जा रहा है। दक्षिण भारत के हालात अधिक गंभीर है और वहां लगभग 17 प्रतिशत ही पानी रह गया है। उत्तरी भारत के जलाशयों में 26 तो पश्चिमी भारत के जलाशयों में 28 प्रतिशत के आसपास ही पानी रह गया है। मानसून भी तय समय से बिलंबित हो रहा है। एक बात साफ हो जानी चाहिए कि हमारी अर्थव्यवस्था मानसूनी बरसात पर बहुत कुछ निर्भर करती है। देश में मानसून सीजन में 87 सेमी बरसात होती है। पूर्वानुमानों को माने तो 2018 में 91 प्रतिशत बरसात हुई थी उसके बाद के सालों में मानसून लगभग अच्छा ही रहा है। पिछले सालों में मानसून की स्थिति देखें तो 2023 में मानसून अवश्य कमजोर रहा है अन्यथा देश में मानसूनी वर्षा 100 प्रतिशत के आसापास व इससे अधिक ही रही है। कमजोर मानसून के कारण भूजल स्तर में गिरावट, अधिक पानी पर निर्भर धान, तिलहन और दलहन की फसल प्रभावित होगी और इस कारण से खाद्य महंगाई बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता। इससे आम आदमी की थाली पर असर पड़ेगा और सब्जी, दाल और अनाज सभी के भाव बढ़ने का असर दिखाई देगा। इसी तरह से देश के अनेक हिस्सों में पीने के पानी की दिक्कत आम है। बांधों में तेजी से पानी की कमी और मानसून कमजोर रहने से पानी की कम आवक रहती है तो निश्चित रुप से सिंचाई व पेयजल दोनों के लिए पानी की दिक्कत होगी। जल विद्युत परियोजनाओं में विद्युत उत्पादन पर असर होगा तो कुल मिलाकर अर्थ व्यवस्था को प्रभावित होने से कोई नहीं रोक सकता।

दरअसल देश में एक समय था जब सूखा आम होता था और व्यापक स्तर पर अकाल राहत कार्य संचालित होते थे। हांलाकि देश के हालातों में काफी सुधार हुआ है और अकाल को तो लगभग भूल ही चुके हैं। पर सवाल वहीं का वहीं है कि जल संचयन के जो प्रयास होने चाहिए थे और उनका जिस तरह का प्रभाव पड़ना चाहिए था वह अभी तक सामने नहीं आया है। सरकार के सामने कमजोर मानसून के हालात से निपटने की बड़ी चुनौती आने वाली है। सबसे अधिक तो जल संग्रहण की चुनौती होगी क्योंकि प्राकृतिक जल संग्रहण के रास्ते शहरीकरण की भेंट चढ़ चुके हैं। दीर्घकालीन सोच के साथ ठोस प्रयास नहीं होने से बरसात के पानी का सही तरीके से संग्रहण भी नहीं हो पा रहा है। जितने पानी की साल भर आवश्यकता होती है उससे अधिक बरसाती पानी तो बह जाता है। इसके अलावा पानी का उपयोग और दुरुपयोग दोनों ही बढ़ गए हैं। कम पानी से तैयार होने वाली फसलों की किस्में विकसित करने में हम अभी पूरी तरह से सफल नहीं हो पायें हैं। पांच नदियों के प्रदेश पंजाब तक में पानी का संकट होने लगा है। खेती ही नहीं घरेलू जरुरतों में भी पानी का उपयोग बहुत अधिक बढ़ गया है। टायलेट और कूलरों में पानी की खपत बहुत अधिक बढ़ गई है। जल बचाओ मात्र स्लोगन ही रह गया है और इसका असर दिखाई नहीं देता। इसी तरह से वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम तैयार तो बहुत किये गये हैं पर उनके निर्माण में जिस तरह की लापरवाही बरती गई है वह किसी से छिपी नहीं हैं। क्योंकि वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम कितना सफल रहा है वह सामने हैं। बाहरमासी नदी नालें तो अब कल्पना की बात हो गए हैं बल्कि बरसाती नदियां भी बरसात में एकाध बार ही पूरे वेग से बहती दिखती है। ऐसे में गंभीरता को तो समझा ही जा सकता है।

एक बात साफ हो जानी चाहिए कि मानसून हमेशा सामान्य ही रहेगा यह सोचना अपने आप में गलत होगा। जिस तरह से वातावरण प्रदूषित हो रहा है, जंगल घटते जा रहे हैं, पेड़ पौधे कम हो रहे हैं वह किसी और की देन नहीं हमारे कारण ही हो रहा है। हालात यह हो गए हैं कि सर्दी में सर्दी नहीं और गर्मी में गर्मी को तरसने लगे हैं। यहां तक कि इस बार तो बसंत की प्रतीक्षा ही करते रह गए हैं। जनवरी फरवरी में सर्दी तो फिर मार्च अप्रेल में गर्मी का असर देखा गया। बसंत कब आया और कब गया पता ही नहीं चला। कहने का अर्थ है कि प्रकृति के साथ छेड़छाड़ का परिणाम सामने हैं। प्राकृतिक विपदाएं अधिक होने लगी है। ग्लेसियरों में तेजी से बर्फ पिघल रही है, समयपर बर्फवारी कम होने लगी है। बेमौसम आंधी ओलावृष्टि आम होती जा रही है। खैर यह विषयांतर होगा पर कहीं ना कहीं मानसून को लेकर दीर्घकालीन रणनीति बनानी ही होगी ताकि कमजोर मानसून का जनजीवन और अर्थ व्यवस्था पर व्यापक असर नहीं पड़े। सरकारी और गैरसरकारी स्तर पर इस दिशा में ठोस प्रयास करने होंगे।

दो टूक- टूटते भरोसे के वेंटिलेटर पर देश की परीक्षा व्यवस्था

योगेश कुमार गोयल

ाबसे महत्वपूर्ण है राजनीतिक और प्रशासनिक इच्छाशक्ति। जब तक सरकार इस समस्या को 'राष्ट्रीय आपदा' की तरह नहीं देखेगी, तब तक आधे-अधूरे समाधान ही सामने आएंगे। नीट-यूजी 2026, सीबीएसई ओएसएम विवाद और एसएससी परीक्षा धांधली, ये घटनाएं चेतावनी हैं। यदि अब भी कठोर और स्थायी सुधार नहीं किए गए तो आने वाले समय में हर परीक्षा संदेह के घेरे में होगी। तब सबसे बड़ी त्रासदी यह नहीं होगी कि पेपर लीक हुआ बल्कि यह होगी कि देश के युवाओं का विश्वास पूरी तरह टूट जाएगा।

भारत में परीक्षा अब केवल योग्यता का आकलन नहीं रह गई है बल्कि यह करोड़ों सपनों की निर्णायक कसौटी बन चुकी है लेकिन जब यही कसौटी बार-बार संदिग्ध हो जाए, जब मेहनत और ईमानदारी की जगह 'जुगाड़' और 'माफिया नेटवर्क' हावी हो जाएं, तब यह केवल परीक्षा का संकट नहीं बल्कि राष्ट्र के भविष्य का संकट बन जाता है। पेपर लीक के चलते नीट-यूजी 2026 परीक्षा का रद्द होना, सीबीएसई की ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली पर उठे गंभीर सवाल और एसएससी जीडी परीक्षा में धांधली, ये घटनाएं मिलकर यह साबित करती हैं कि भारत की परीक्षा प्रणाली अब गहरे संस्थागत संकट में फंस चुकी है और भारत की परीक्षा प्रणाली अब वेंटिलेटर पर है। नीट-यूजी 2026 का घटनाक्रम तो इस विफलता की सबसे भयावह तस्वीर पेश करता है। लगभग 22.79 लाख छात्रों की मेहनत, उनके परिवारों के त्याग और वर्षों की तैयारी एक झटके में शून्य हो गई। यह केवल एक परीक्षा का रद्द होना नहीं था बल्कि उस विश्वास का टूटना था, जिस पर पूरी शिक्षा व्यवस्था टिकी हुई है। इससे भी अधिक चिंताजनक तथ्य यह है कि इस बार मामला केवल बाहरी गिरोहों तक सीमित नहीं रहा बल्कि जांच में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के भीतर तक मिलीभगत के आरोप सामने आए। सीबीआई की जांच और संसदीय समिति की पूछताछ में यह संकेत मिले हैं कि प्रश्नपत्र तैयार करने और परीक्षा प्रबंधन से जुड़े कुछ अधिकारियों ने मोटी रकम लेकर चुनिंदा छात्रों तक प्रश्नपत्र पहुंचाने का काम किया। यदि ये आरोप सही हैं तो यह केवल भ्रष्टाचार नहीं बल्कि संस्थागत विश्वासघात है। जिस संस्था को निष्पक्षता की गारंटी देनी थी, वही यदि धांधली का हिस्सा बन जाए तो पूरी व्यवस्था का नैतिक आधार ही खत्म हो जाता है। नीट पेपर लीक की प्रकृति भी सामान्य नहीं थी। 'गेस पेपर' के नाम पर लगभग 150 से अधिक प्रश्नों का हूबहू मिल जाना, परीक्षा से पहले 600 अंकों तक के सवालों का प्रसार, व्हाट्सएप और टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म्स पर खुलेआम प्रश्नपत्र का घूमना, ये सब किसी संयोग का परिणाम नहीं हो सकते। यह एक संगठित, बहुस्तरीय और तकनीकी रूप से सक्षम नेटवर्क का संकेत है, जो परीक्षा प्रणाली की हर कमजोर कड़ी को भेद चुका है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि 2024 में पेपर लीक के बाद भी कोई ठोस सुधार क्यों नहीं हुआ? सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों, जांच समितियों और सिफारिशों के बावजूद 2026 में स्थिति और बदतर कैसे हो गई? इसका सीधा अर्थ है कि समस्या तकनीकी कम और इच्छाशक्ति की अधिक है।

भारत की परीक्षा प्रणाली का ढ़ांचा ही कई स्तरों पर कमजोर है। प्रश्नपत्रों की छपाई से लेकर वितरण तक की प्रक्रिया में निजी एजेंसियों और आउटसोर्स कर्मचारियों की बड़ी भूमिका रहती है। यही वह जगह है, जहां से माफिया नेटवर्क अपनी जड़ें जमाता है। जब प्रश्नपत्र परीक्षा केंद्र तक पहुंचने से पहले ही स्कैन होकर डिजिटल रूप में फैल सकता है तो यह स्पष्ट संकेत है कि सुरक्षा तंत्र केवल कागजों पर मजबूत है, जमीन पर नहीं। दूसरी ओर, कोचिंग उद्योग का अनियंत्रित विस्तार इस संकट को और गहरा कर रहा है। मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाएं अब हजारों करोड़ रुपये का बाजार बन चुकी हैं। इस बाजार में 'सफलता' एक उत्पाद है, जिसे खरीदने के लिए छात्र और अभिभावक किसी भी हद तक जाने को मजबूर हैं। इसी मानसिकता का फायदा उठाकर एजुकेशन माफिया 'सीक्रेट पेपर', '100 प्रतिशत सलेक्शन गारंटी' और ह्यइनसाइडर एक्सेसह्ल जैसे झूठे वादों के जरिए पूरे सिस्टम को खोखला कर रहा है।

यदि नीट प्रकरण परीक्षा प्रणाली की सुरक्षा पर सवाल खड़ा करता है तो सीबीएसई का ओएसएम विवाद मूल्यांकन प्रणाली की विश्वसनीयता पर गंभीर चोट करता है। डिजिटल मूल्यांकन को पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से लागू किया गया था लेकिन इसके परिणाम उलटे दिखाई दिए। पास प्रतिशत में गिरावट, मेधावी छात्रों को अपेक्षा से कम अंक मिलना और स्कैन की गई कॉपियों में भारी गड़बड़ियां, ये सब इस बात के संकेत हैं कि तकनीक को बिना पर्याप्त तैयारी और परीक्षण के लागू किया गया। कई छात्रों ने शिकायत की कि उनकी कॉपियां धुंधली थी, कुछ को गलत उत्तर पुस्तिकाएं मिली और कुछ मामलों में तो पूरी कॉपी ही किसी और की थी। यह स्थिति केवल तकनीकी त्रुटि नहीं मानी जा सकती बल्कि यह सरासर गंभीर प्रशासनिक लापरवाही है। यदि एक छात्र की मेहनत को किसी दूसरे की कॉपी से बदल दिया जाए तो यह केवल गलती नहीं है बल्कि उस छात्र के भविष्य के साथ सीधा खिलवाड़ है। शिक्षा मंत्रालय और बोर्ड भले ही इन खामियों को सीमित मामलों तक बताकर पल्ला झाड़ने की कोशिश करें लेकिन छात्रों में बढ़ता असंतोष इस बात का प्रमाण है कि समस्या व्यापक है।

तीसरी बड़ी घटना, एसएससी कांस्टेबल जीडी परीक्षा में धांधली, इस बात को और स्पष्ट करती है कि यह संकट किसी एक परीक्षा या संस्था तक सीमित नहीं है। उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड जैसे राज्यों में पेपर लीक, तकनीकी खराबी और प्रशासनिक अव्यवस्था के कारण परीक्षा रद्द करनी पड़ी। ग्रेटर नोएडा में यूपी एसटीएफ द्वारा पकड़े गए रैकेट ने इस धांधली के आधुनिक रूप को उजागर किया। प्रॉक्सी सर्वर, स्क्रीन शेयरिंग ऐप्स और डमी कैंडिडेट्स के जरिए परीक्षा में हेरफेर किया जा रहा था। यह पारंपरिक नकल या पेपर लीक से कहीं अधिक खतरनाक है क्योंकि इसमें तकनीक का इस्तेमाल कर पूरी प्रणाली को भीतर से हैक किया जा रहा है। इन तीनों घटनाओं को एक साथ देखें तो एक भयावह तस्वीर उभरती है, एक ऐसी व्यवस्था, जहां प्रश्नपत्र सुरक्षित नहीं, मूल्यांकन विश्वसनीय नहीं और परीक्षा प्रक्रिया पारदर्शी नहीं है। सबसे अधिक पीड़ित वह छात्र है, जो ईमानदारी से मेहनत करता है। ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों छात्र, जिनके माता-पिता ने कर्ज लेकर या जमीन गिरवी रखकर उन्हें कोचिंग दिलाई, आज सबसे ज्यादा निराश हैं। एक परीक्षा रद्द होने का मतलब केवल दोबारा परीक्षा देना नहीं होता बल्कि यह मानसिक तनाव, आर्थिक बोझ और आत्मविश्वास के टूटने का कारण बनता है।

इस पूरे संकट का एक और खतरनाक पहलू है व्यवस्था के प्रति बढ़ता अविश्वास। जब छात्र यह मानने लगें कि सफलता मेहनत से नहीं बल्कि 'सेटिंग' से मिलती है तो यह केवल शिक्षा का नहीं बल्कि सामाजिक नैतिकता का भी पतन है। अब सवाल यह है कि समाधान क्या है? क्या हर बार जांच, गिरफ्तारी और बयानबाजी से काम चल जाएगा? स्पष्ट है कि नहीं। सबसे पहले परीक्षा प्रणाली में पूर्ण डिजिटल और एन्क्रिप्टेड मॉडल लागू करना होगा। प्रश्नपत्रों को परीक्षा से कुछ मिनट पहले तक सुरक्षित सर्वर में रखा जाए और सीधे केंद्रों पर डिजिटल रूप में उपलब्ध कराया जाए। इससे छपाई और परिवहन से जुड़ी कमजोरियां समाप्त होंगी। दूसरा, आउटसोर्सिंग व्यवस्था को सीमित करना होगा। संवेदनशील कार्यों में केवल प्रशिक्षित और जवाबदेह सरकारी कर्मचारियों की नियुक्ति होनी चाहिए। तीसरा, पेपर लीक को संगठित आर्थिक अपराध घोषित कर इसके लिए गैर-जमानती कठोर कानून बनाए जाएं। जब तक अपराधियों को कठोर सजा नहीं मिलेगी, तब तक यह धंधा बंद नहीं होगा। चौथा, साइबर निगरानी को मजबूत करना होगा। टेलीग्राम, डार्क वेब और एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म्स पर सक्रिय नेटवर्क को ट्रैक करने के लिए विशेष एजेंसियां बनाई जानी चाहिए। पांचवां, तकनीक को लागू करने से पहले उसका व्यापक परीक्षण और प्रशिक्षण सुनिश्चित किया जाए। सीबीएसई ओएसएम विवाद ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बिना तैयारी के लागू की गई तकनीक समाधान नहीं बल्कि नई समस्या बन सकती है।

सबसे महत्वपूर्ण है राजनीतिक और प्रशासनिक इच्छाशक्ति। जब तक सरकार इस समस्या को 'राष्ट्रीय आपदा' की तरह नहीं देखेगी, तब तक आधे-अधूरे समाधान ही सामने आएंगे। नीट-यूजी 2026, सीबीएसई ओएसएम विवाद और एसएससी परीक्षा धांधली, ये घटनाएं चेतावनी हैं। यदि अब भी कठोर और स्थायी सुधार नहीं किए गए तो आने वाले समय में हर परीक्षा संदेह के घेरे में होगी। तब सबसे बड़ी त्रासदी यह नहीं होगी कि पेपर लीक हुआ बल्कि यह होगी कि देश के युवाओं का विश्वास पूरी तरह टूट जाएगा। और जिस राष्ट्र के युवा ही अपनी व्यवस्था पर विश्वास खो दें, उसके भविष्य की नींव कितनी कमजोर हो जाती है, यह समझना मुश्किल नहीं है।

कर्नाटक में अन्य और भी कई शानदार और अद्भुत जगहें मौजूद हैं। जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। कर्नाटक की हसीन वादियों में मौजूद अंगुबे एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को पता है।

कर्नाटक की यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग, आप भी जरूर करें एक्सप्लोर

दक्षिण भारत देश का खूबसूरत और प्रमुख हिस्सा माना जाता है। दक्षिण भारत में कर्नाटक एक ऐसा राज्य है, जिसको पर्यटन का मुख्य केंद्र माना जाता है। यह एक ऐसा राज्य है, जहां पर हर दिन हजारों की संख्या में देशी और विदेशी पर्यटक घूमने और मौज-मस्ती के लिए आते हैं। कर्नाटक में गोकर्ण, कूर्ग, बेंगलुरु, हम्पी और मैसूर जैसी फेमस जगहों पर घूमने के लिए सबसे ज्यादा संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं।

हालांकि इन जगहों की खूबसूरती पर्यटकों को बहुत आकर्षित करती है, लेकिन कर्नाटक में अन्य और भी कई शानदार और अद्भुत जगहें मौजूद हैं। जिसके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। कर्नाटक की हसीन वादियों में मौजूद अंगुबे एक ऐसी जगह है, जिसके बारे में बहुत कम लोगों को पता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको अंगुबे की खासियत के बारे में बताने जा रहे हैं। जिन्हें आपको जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

अंगुबे

बता दें कि यह खूबसूरत और मनमोहक हिल स्टेशन कर्नाटक के शिमोगा जिले में पड़ता है। अंगुबे को एक बेहद खूबसूरत गांव के साथ ही यहां का शानदार और छिपा हुआ खजाना भी माना जाता है।

अगुंबे कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से करीब 345 किमी दूर स्थित है। वहीं यह उडुपी से करीब 60 किमी दूर, मंगलूरू से 100 किमी और कर्नाटक के चिकमंगलूर से करीब 112 किमी की दूरी पर मौजूद है।

अंगुबे की खासियत

अंगुबे में ऐसी अनगिनत खासियत है, जो पर्टयकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यह समुद्र तल से करीब 2 हजार से अधिक फीट की ऊंचाई पर स्थित अंगुबे को कर्नाटक का छिपा हुआ खजाना माना जाता है। वहीं यह कर्नाटक का सबसे हसीन और खूबसूरत हिल स्टेशन्स में से एक माना जाता है।

अंगुबे न सिर्फ अपनी खूबसूरती बल्कि शांत और शुद्ध वातावरण के लिए जाना जाता है। इसलिए इसको प्रकृति प्रेमियों के लिए जन्नत भी माना जाता है। अंगुबे को कर्नाटक का चेरापूंजी भी कहा जाता है। क्योंकि यहां पर खूब बारिश होती है। इस हिल स्टेशन की खूबसूरती के आगे हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड भी फीके लगते हैं।

जानिए क्यों है खास

सैलानियों के लिए अंगुबे बेहद ही खास और अद्भुत पर्यटन स्थल है। यह जगह उन लोगों के बीच काफी लोकप्रिय है, जो प्रकृति से प्रेम करते हैं। यह अपने शांत वातावरण के लिए भी जाना जाता है।

अंगुबे हिल स्टेशन न सिर्फ अपनी खूबसूरती बल्कि एडवेंचर के लिए भी जाना जाता है। कई पर्यटक यहां पर हाईकिंग, ट्रैकिंग और कैंपिंग का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं। यहां पर स्थित सबसे ऊंची बिंदू से फोटोग्राफी करना हर किसी का सपना होता है।

अगुंबे सनसेट पॉइंट

जब भी अंगुबे में किसी शानदार जगह घूमने की बात होती है, तो सबसे पहले अंगुबे सनसेट पॉइंट की बात होती है। यह सबसे लोकप्रिय पॉइंट है, जहां से पूरे शहर का खूबसूरत नजारा दिखाई देता है। वहीं यहां से सनसेट और सनराइज का नजारा काफी मनमोहक होता है।

जोगीगुंडी फॉल्स

अंगुबे में स्थित यह जगह जोगीगुंडी फॉल्स बेहद शानदार और अद्भुत खजाने से कम नहीं है। हर दिन दर्जन से अधिक पर्यटकों को यह खूबसूरत वॉटरफॉल आकर्षित करता है। इस वॉटरफॉल के आसपास काफी हरियाली है। बताया जाता है कि इसका पानी एक गुफा से निकलता है और मानसून का समय यहां पर घूमने के लिए सबसे बेस्ट है।

ऐतिहासिक धरोहर और सांस्कृतिक समृद्धि का केंद्र है कपूरथला शहर

कपूरथला ज्यूडिशियल किला भी एक ऐतिहासिक स्थल है, जो इस क्षेत्र के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाता है। इस किले की वास्तुकला और इसे बनाने की शैली अत्यंत रोचक है। किला आज भी अपनी भव्यता और ऐतिहासिक धरोहर को बनाए हुए है।

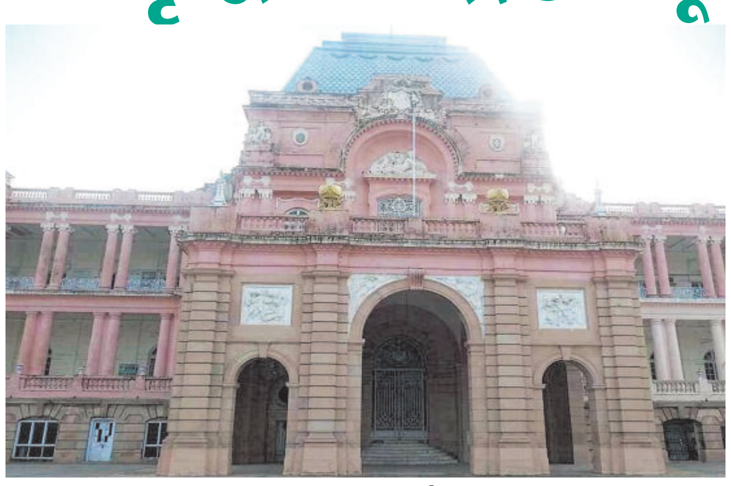

कपूरथला, पंजाब राज्य का एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण शहर है, जो अपनी भव्य वास्तुकला, शाही इतिहास और अद्भुत पर्यटन स्थलों के लिए प्रसिद्ध है। यह शहर न केवल पंजाब, बल्कि पूरे भारत में एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में उभर रहा है। कपूरथला का सांस्कृतिक वैभव, ऐतिहासिक किले, महल और खूबसूरत बगीचे यहाँ आने वाले पर्यटकों को एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करते हैं। आइए जानते हैं कपूरथला के कुछ प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में।

1. कपूरथला महल

कपूरथला का सबसे प्रमुख आकर्षण है कपूरथला महल, जिसे फ्रपंजाबी वर्सायफ्र के नाम से भी जाना जाता है। यह महल फ्रांसीसी वास्तुकला से प्रेरित है और इसकी भव्यता और आकर्षण पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। महल के अंदर शानदार कमरे, खूबसूरत गैलरी और विस्तृत बगीचे हैं। महल की संरचना और इसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि इसे कपूरथला का प्रमुख पर्यटन स्थल बनाती है। यहाँ का बगीचा और झील पर्यटकों को शांति और सौंदर्य का अनुभव कराते हैं।

2. शाही मस्जिद

कपूरथला में स्थित शाही मस्जिद एक ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल है, जो अपनी अद्भुत वास्तुकला और शांत वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। इस मस्जिद को कपूरथला के तत्कालीन शाही परिवार द्वारा बनवाया गया था। मस्जिद का शाही और भव्य रूप पर्यटकों को आकर्षित करता है। यहाँ की आंतरिक सजावट और विस्तृत बगीचों में भ्रमण करते हुए लोग शांति का अनुभव करते हैं।

3. सुंदरबाग

सुंदरबाग, कपूरथला का एक और प्रमुख आकर्षण है। यह बगीचा कपूरथला महल के पास स्थित है और इसकी सुंदरता पर्यटकों को बेहद आकर्षित करती है। यहाँ की हरियाली, फूलों की सुगंध और शांत वातावरण आपको एक अद्भुत अनुभव प्रदान करते हैं। सुंदरबाग में घूमने से पर्यटकों को पंजाब की प्राकृतिक सुंदरता का अहसास होता है।

4. कपूरथला ज्यूडिशियल किला

कपूरथला ज्यूडिशियल किला भी एक ऐतिहासिक स्थल है, जो इस क्षेत्र के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाता है। इस किले की वास्तुकला और इसे बनाने की शैली अत्यंत रोचक है। किला आज भी अपनी भव्यता और ऐतिहासिक धरोहर को बनाए हुए है। किले के चारों ओर फैला हरित क्षेत्र और इसके प्राचीन कक्ष पर्यटकों को बहुत आकर्षित करते हैं।

5. गुलाबबाग

कपूरथला का गुलाबबाग एक शानदार बगीचा है, जो विशेष रूप से अपनी गुलाब की झाड़ियों के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ विभिन्न प्रकार के गुलाबों का संग्रह देखने को मिलता है, जो बाग को एक अद्वितीय सुंदरता प्रदान करते हैं। गुलाबबाग की सैर करते हुए पर्यटक गुलाबों की खूबसूरती और बाग के शांत वातावरण का आनंद लेते हैं। यह स्थान फूलों के शौकिनों के लिए आदर्श है।

6. चरणबीर बाग

चरणबीर बाग कपूरथला का एक ऐतिहासिक बाग है, जो अपने अद्भुत सौंदर्य और शाही संरक्षण के लिए प्रसिद्ध है। इस बाग में कई आकर्षक फूल और पेड़-पौधे हैं, जो पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। बाग में स्थित ऐतिहासिक स्मारक और शाही महल इस स्थान को और भी खास बनाते हैं। यहाँ घूमते हुए पर्यटक प्रकृति के साथ-साथ इतिहास की समृद्धि को भी महसूस कर सकते हैं।

7. फव्वारा

फव्वारा कपूरथला के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। यह एक खूबसूरत और आकर्षक फव्वारा है, जो शहर के बीच स्थित है। इसके आसपास का माहौल और पानी के बहाव का दृश्य पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देता है। यहाँ पर अक्सर लोग आराम करने के लिए आते हैं और शहर की हलचल से दूर शांति का अनुभव करते हैं।

8. शहीदी स्मारक

कपूरथला के शहीदी स्मारक में भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है। यह स्मारक उन वीर शहीदों की याद में बनवाया गया था जिन्होंने देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। यह स्थल इतिहास प्रेमियों के लिए एक महत्वपूर्ण और शिक्षाप्रद स्थल है।

कपूरथला एक ऐसा शहर है, जहाँ ऐतिहासिक धरोहर, शाही महल, धार्मिक स्थल और प्राकृतिक सुंदरता का अद्भुत मिश्रण है। कपूरथला महल, शाही मस्जिद, सुंदरबाग और गुलाबबाग जैसे स्थल इस शहर की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक समृद्धि को दर्शाते हैं। यहाँ आने वाले पर्यटक न केवल पंजाब की लोक कला और संस्कृति से परिचित होते हैं, बल्कि वे यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक धरोहर का भी आनंद लेते हैं। अगर आप इतिहास, वास्तुकला और प्रकृति प्रेमी हैं, तो कपूरथला की यात्रा आपके लिए एक अविस्मरणीय अनुभव साबित हो सकती है।

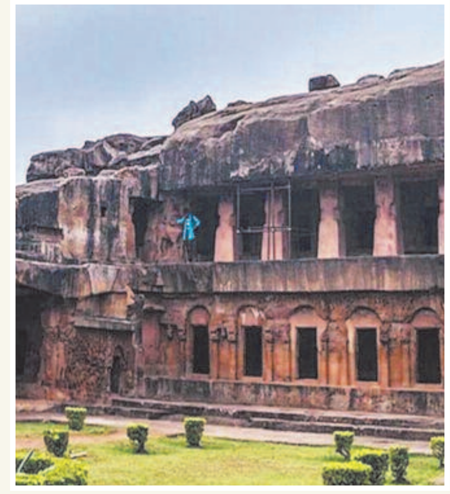

ओडिशा की प्राचीन धरोहर हैं उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ

उदयगिरी गुफाएँ पहाड़ी की ऊपरी चोटी पर स्थित हैं और यहाँ कुल 18 गुफाएँ हैं। इन गुफाओं में से कुछ का उपयोग ध्यान, पूजा, और साधना के लिए किया जाता था, जबकि अन्य गुफाएँ विश्राम स्थल के रूप में बनायीं गई थीं।

ओडिशा राज्य के भुवनेश्वर शहर के निकट स्थित उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ प्राचीन भारतीय कला, संस्कृति और धार्मिकता का अद्भुत उदाहरण हैं। ये गुफाएँ न केवल ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं, बल्कि शिल्पकला और वास्तुकला के दृष्टिकोण से भी अत्यधिक मूल्यवान हैं। उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ जैन धर्म से संबंधित हैं और ये गुफाएँ 2,000 साल पुरानी मानी जाती हैं। इन गुफाओं को देखकर हम प्राचीन भारत की धार्मिक आस्थाओं और उनकी जीवनशैली के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाओं का इतिहास

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाएँ मुख्य रूप से जैन साधुओं द्वारा vst शताब्दी ईसा पूर्व में बनाई गई थीं। इन गुफाओं का निर्माण शासक कुमारगुप्त I के शासनकाल में हुआ था, जो गुप्त साम्राज्य के सम्राट थे। यह गुफाएँ उनके द्वारा प्रोत्साहित किए गए धार्मिक और सांस्कृतिक उद्देश्यों के तहत बनाई गई थीं। उदयगिरी का नाम उदय यानी सूर्योदय से जुड़ा हुआ है, जबकि खंडगिरी का अर्थ है खंडित पर्वत , जो यहाँ की पर्वत श्रृंखलाओं की विशेषता को दर्शाता है।

उदयगिरी गुफाएँ

उदयगिरी गुफाएँ पहाड़ी की ऊपरी चोटी पर स्थित हैं और यहाँ कुल 18 गुफाएँ हैं। इन गुफाओं में से कुछ का उपयोग ध्यान, पूजा, और साधना के लिए किया जाता था, जबकि अन्य गुफाएँ विश्राम स्थल के रूप में बनायीं गई थीं। यहाँ की गुफाओं में जैन धर्म से संबंधित चित्रकला और मूर्तिकला का अद्भुत उदाहरण देखने को मिलता है।

उदयगिरी की गुफाओं में प्रमुख गुफा हाथी गुफा है, जिसका नाम यहाँ की हाथी के आकार की मूर्ति के कारण पड़ा। इसके अलावा, गांधार गुफा भी प्रसिद्ध है, जहां एक बड़ी मूर्ति और शिलालेख पाए जाते हैं। ये गुफाएँ जैन साधुओं द्वारा ध्यान और तपस्या के लिए इस्तेमाल की जाती थीं। यहाँ की दीवारों और छतों पर उकेरी गई मूर्तियाँ और चित्र आज भी उस समय के कला और शिल्प कौशल की गवाही देती हैं।

खंडगिरी गुफाएँ

खंडगिरी गुफाएँ उदयगिरी के पास स्थित हैं और यहाँ कुल 15 गुफाएँ हैं। इन गुफाओं का आकार उदयगिरी की गुफाओं से थोड़ा अलग है, और इनका निर्माण भी जैन साधुओं द्वारा ध्यान और पूजा के उद्देश्य से किया गया था। खंडगिरी गुफाओं की दीवारों पर जैन धर्म के अनुयायियों के जीवन और उनके अनुशासन की छवियाँ उकेरी गई हैं। खंडगिरी की एक प्रसिद्ध गुफा रानी गुफा है, जिसे शाही गुफा भी कहा जाता है। यह गुफा अपनी सुंदर वास्तुकला के लिए जानी जाती है। इसमें एक शाही परिवार की मूर्तियाँ और चित्रकला देखने को मिलती हैं। यहाँ की अन्य गुफाओं में साधारण साधुओं के चित्र और मूर्तियाँ हैं जो उनके जीवन की गाथाएँ बयान करती हैं।

शिल्पकला और मूर्तिकला

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाओं की दीवारों पर उकेरी गई मूर्तियाँ और चित्र शिल्पकला और मूर्तिकला का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। यहाँ पर जैन धर्म से संबंधित कई दृश्य और भगवान महावीर की मूर्तियाँ, जो कि जैन धर्म के प्रमुख तीर्थंकर हैं, देखने को मिलती हैं। गुफाओं में शिलालेख भी पाए जाते हैं, जो उस समय की धार्मिक और सांस्कृतिक जीवनशैली के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं।

इन गुफाओं की शिल्पकला में रचनात्मकता और सूक्ष्मता दिखाई देती है। उदाहरण के लिए, उदयगिरी की हाथी गुफा में उकेरी गई हाथी की मूर्ति और खंडगिरी की रानी गुफा में शाही सजावट इसकी विशेषता हैं।

उदयगिरी और खंडगिरी गुफाओं का धार्मिक महत्व

इन गुफाओं का धार्मिक महत्व बहुत अधिक है, खासकर जैन धर्म के अनुयायियों के लिए। इन गुफाओं में ध्यान और साधना के लिए विशेष स्थान बनाए गए थे। यहाँ की मूर्तियाँ और चित्र जैन धर्म के अनुयायियों के जीवन और उनकी आस्थाओं को व्यक्त करते हैं। इन गुफाओं के माध्यम से हम जैन धर्म के इतिहास, विचारधारा और आस्था को समझ सकते हैं।

बैंकों की कर्ज देने की रफ्तार से मुनाफा बढ़ा और बैड लोन का दबाव भी घटा

एक्सिस बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और आरबीएल बैंक ने अच्छी लोन ग्रोथ दिखाई

नई दिल्ली।

बैंकों के लिए मार्च तिमाही अच्छी रही है। पिछले कुछ समय से माइक्रोफाइनेंस और बिना गारंटी वाले कर्ज को लेकर जो चिंता बनी हुई थी, वह अब कम होती दिख रही है। बैंकों की कर्ज देने की रफ्तार भी अच्छी रही, मुनाफा बढ़ा और बैड लोन का दबाव भी घटा है। कुल मिलाकर बैंकिंग सेक्टर की तस्वीर पहले से काफी बेहतर नजर आ रही है। सेंट्रम की रिपोर्ट के मुताबिक, ज्यादातर बैंकों ने उम्मीद से अच्छे नतीजे दिए हैं। एक्सिस बैंक, एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और आरबीएल बैंक ने अच्छी लोन ग्रोथ दिखाई। वहीं उज्जीवन और सूर्योदय जैसे स्मॉल फाइनेंस बैंकों को माइक्रोफाइनेंस कारोबार में सुधार का फायदा मिला है।

मार्च तिमाही में कर्ज की मांग मजबूत रही। छोटे कारोबार, सर्विस सेक्टर, गोल्ड लोन, वाहन लोन और होम लोन में अच्छी बढ़ोतरी देखने को मिली। यही वजह रही कि बैंकों की लोन बुक तेजी से बढ़ी। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की लोन बुक 21 फीसदी बढ़ी, उज्जीवन एसएफबी की 22 फीसदी और एयू एसएफबी की 19 फीसदी बढ़ी। बैंकों में जमा राशि यानी डिपॉजिट भी अच्छी रफ्तार से बढ़े, जिससे उनकी फंडिंग की स्थिति मजबूत हुई। आमतौर पर ब्याज दरें घटने पर बैंकों की कमाई पर दबाव आता है, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। बैंकों को जमा पर कम ब्याज देना पड़ा, जिससे उनकी कमाई बेहतर रही। फेडरल बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एयू बैंक के मार्जिन में सुधार देखने को मिला। स्मॉल फाइनेंस बैंकों में इक्विटास, उज्जीवन और सूर्योदय ने सबसे ज्यादा सुधार दिखाया। रिपोर्ट का मानना है कि अगर ब्याज दरों में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ तो आने वाले समय में भी बैंकों की कमाई अच्छी रह सकती है। सबसे राहत वाली बात यह है कि बैड लोन बढ़ने की रफ्तार थम गई है। नए फंसे कर्ज कम हुए हैं और बैंकों को बैड लोन के लिए कम पैसा अलग रखना पड़ा है। एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और फेडरल बैंक की एसेट क्वालिटी मजबूत बनी हुई है। वहीं आईडीएफसी फर्स्ट बैंक, आरबीएल बैंक, इक्विटास और उज्जीवन में भी हालात सुधरे हैं। रिपोर्ट का कहना है कि माइक्रोफाइनेंस सेक्टर में जो संकट पिछले कुछ समय से बना हुआ था, उसका सबसे मुश्किल दौर अब पीछे छूटता दिख रहा है। इससे आने वाले महीनों में बैंकों की कमाई और बेहतर हो सकती है।

मारुति सुजुकी और टोयोटा मिलकर कई नए मॉडल करेंगी लॉन्च

नई दिल्ली।

भारतीय बाजार में मारुति सुजुकी और टोयोटा मिलकर कई नए मॉडल लॉन्च करने की तैयारी कर रही हैं। अपकमिंग मॉडलों में इलेक्ट्रिक और पेट्रोल दोनों तरह के विकल्प शामिल होंगे। इनमें लंबी रेंज वाली इलेक्ट्रिक कारों के साथ एक नई माइक्रो एसयूवी भी पेश की जाएगी। मारुति सुजुकी अपनी पहली सात-सीटर इलेक्ट्रिक एमपीवी पर काम कर रही है, जिसे फिलहाल वाईएमसी कोडनेम दिया गया है। इस मॉडल को वर्ष 2026 के अंत तक लॉन्च किए जाने की संभावना है। इसमें वेंटिलेटेड सीट्स, 360 डिग्री कैमरा, पैनोरमिक सनरूफ और लेवल-2 एडास जैसी आधुनिक सुविधाएं मिल सकती हैं। वाहन में 49 किलोवाट-घंटा और 61 किलोवाट-घंटा बैटरी पैक के विकल्प मिलने की उम्मीद है, जो क्रमशः लगभग 440 और 543 किलोमीटर की रेंज प्रदान कर सकते हैं। मारुति के इस मॉडल के बाद टोयोटा भी इसी प्लेटफॉर्म पर आधारित अपना संस्करण बाजार में उतारेगी। हालांकि तकनीकी रूप से दोनों वाहन काफी हद तक समान होंगे, लेकिन डिजाइन और बाहरी स्टाइलिंग में अंतर देखने को मिलेगा। इसके अलावा मारुति सुजुकी ने हाल ही में इग्निस को बंद किया है और उसकी जगह एक नई माइक्रो एसयूवी विकसित की जा रही है। वाई43 कोडनेम वाली यह गाड़ी टाटा पंच और हुंडई एक्सटर जैसी कारों को चुनौती देगी। इसमें नई स्विफ्ट वाला 1.2 लीटर तीन सिलेंडर पेट्रोल इंजन मिलने की संभावना है।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 303, निफ्टी 77 अंक नीचे आया

मुम्बई।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुए।

सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट ईरान-अमेरिका तनाव के कारण दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही आईटी शेयरों में विकवाली हावी रहने से आई है।आज दिग्गज आईटी कंपनी इन्फोसिस, टीसीएस के अलावा टेक महिंद्रा और एचसीएल टेक के शेयर टूट गये। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 303.67 अंक फिसलकर 74,346.17 अंकों पर बंद हुआ। जबकि, एनएसई का निफ्टी 50 इंडेक्स भी 77.95 अंक नीचे आकर 23,405.60 अंकों पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से केवल 11 कंपनियों के शेयर ही ऊपर आये। वहीं अन्य सभी 19 कंपनियों के शेयरों में गिरावट रही। दूसरी ओर निफ्टी की केवल 19 कंपनियों के शेयर ही तेजी के साथ बंद हुए। वहीं 30 शेयर गिरे। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल इंडिगो के शेयर आज सबसे ज्यादा 1.57 फीसदी उछले जबकि, टीसीएस के शेयर सबसे ज्यादा 8.43 फीसदी गिरे। वहीं सेंसेक्स की अन्य कंपनियों की बात करें तो आज आईसीआईसीआई बैंक, ट्रेंट, पावर ग्रिड 1.01 प्रतिशत, कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल, टाटा स्टील के शेयर तेजी के साथ बंद हुए। दूसरी ओर टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक समेत ये नीचे आये। इसके अलावा इन्फोसिस, आईटीसी, एलएंडटी, बजाज फाइनेंस, अडाणी पोर्ट्स, एशियन पेंट्स, बजाज फिनसर्व, टाइटन, बीईएल 0.31, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अल्ट्राटेक सीमेंट, एनटीपीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर, मारुति सुजुकी के शेयर गिरे। इससे पहले आज सुबह बाजार बुधवार को गिरावट के साथ खुला।

आज सुबह सेंसेक्स 800 अंक गिरा, वहीं निफ्टी 23,300 के नीचे खुला।

डॉलर मजबूत, रुपया कमजोर

मुम्बई।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपये में गिरावट दर्ज की गयी। आज सुबह दुनिया की 6 प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दिखाने वाला डॉलर इंडेक्स बढ़कर 99.24 के स्तर पर पहुंच गया। डॉलर की इस मजबूती का प्रभाव भारतीय मुद्रा पर भी पड़ा, वहीं पिछले कारोबारी सत्र में रुपया 0.28 फीसदी की गिरावट के साथ डॉलर के मुकाबले रुपया 95.27 के स्तर पर बंद हुआ था।

सोने में तेजी, चांदी में नरमी

नई दिल्ली।

घरेलू बाजार में बुधवार सुबह जहां सोने की वायदा कीमतों में तेजी आई। वहीं चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी। घरेलू बाजार में आज सुबह सोने के वायदा भाव 1,59,350 रुपये, जबकि चांदी के भाव 2,66,250 रुपये के करीब कारोबार कर रहे हैं। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतें नीचे आयी हैं। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज बढ़त के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्सा) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त अनुबंध 101 रुपये बढ़कर 1,59,447 रुपये के स्तर पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 1,59,346 रुपये था। सोने के वायदा भाव इस साल 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। वहीं चांदी के वायदा भाव की शुरुआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध आज 39 रुपये टूटकर 2,66,668 रुपये पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 2,66,707 रुपये था। ये 2,66,672 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 2,66,066 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। चांदी के भाव 3 लाख रुपये पार कर चुके हैं। चांदी के वायदा भाव इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे थे। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी के वायदा भाव में कमी रही। कॉमेक्स पर पर सोना आज 4,520 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। वहीं इसका पिछला बंद भाव 4,519.90 डॉलर प्रति औंस था। एक समय पर ये 12.80 डॉलर की गिरावट के साथ 4,507.10 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। सोने के भाव ने इस साल 5,586.20 डॉलर के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 75.49 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 75.55 डॉलर था।

कपास आयात शुल्क हटने से भारतीय बाजार में गिरावट, कपड़ा उद्योग को राहत

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने हाल ही में विदेशी कपास पर लगने वाले आयात शुल्क को हटाया है, जिसका उद्देश्य टेक्सटाइल और गारमेंट उद्योग पर बढ़ते दबाव को कम करना था। एक ओर जहां फैसले से कपड़ा उद्योग को राहत मिली है, वहीं दूसरी ओर घरेलू बाजार में भारतीय कपास की मांग और कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। आयात शुल्क हटने के बाद भारतीय कपास की कीमतें तेजी से गिरी हैं। मिल मालिक अब विदेश से सस्ता कपास मंगाना पसंद कर रहे हैं। ताजा जानकारी के अनुसार, कॉटन कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) ने अपनी नई फसल के कपास की कीमत में प्रति गांठ 700 रुपये की कटौती की है। इसके बावजूद, केवल 700 गांठ खरीदने की मांग आई, जो मुख्य रूप से मिल मालिकों की ओर से थी, जो दिखाता है कि घरेलू कपास की खरीदारी काफी धीमी हो गई है।

अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में कपास के वायदा भाव में कुछ उतार-चढ़ाव देखा गया है। आईसीई पर कपास के वायदा भाव में 1.68 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जो लगभग 77.44 सेंट प्रति पाउंड पर रहा। फरवरी की शुरुआत से इसमें 47 फीसदी की तेजी देखी गई थी, हालांकि हाल के दिनों में इसमें थोड़ी गिरावट आई है, लेकिन यह अभी भी भारतीय मिलों के लिए एक आकर्षक विकल्प बना हुआ है।

केंद्र सरकार ने 11 प्रतिशत के आयात शुल्क को 1 जून से 31 अक्टूबर तक के लिए अस्थायी रूप से हटाया है। सरकार का कहना है कि इस फैसले से भारतीय किसानों के हितों का ध्यान रखा गया है, क्योंकि यह नई खरीफ फसल आने तक ही प्रभावी रहेगा। हालांकि, इस फैसले से घरेलू कीमतों में आई कमी ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है, जो अपनी उपज के उचित दाम को लेकर आशंकित हैं। इस कदम से टेक्सटाइल और गारमेंट इंडस्ट्री को सीधा फायदा मिल रहा है। उद्योग से जुड़े संगठनों ने लगातार मांग की थी कि आयात शुल्क के कारण कच्चा माल महंगा हो रहा है, जिससे वे वैश्विक प्रतिस्पर्धा में पिछड़ रहे हैं। भारत में कपड़ा उद्योग 4.5 करोड़ लोगों को रोजगार देता है, और सरकार का यह अस्थाई फैसला उन्हें कुछ हद तक राहत प्रदान कर सकता है।

भारत समेत 60 देशों से आने वाले सामान पर अतिरिक्त शुल्क लगाएगा अमेरिका!

-अमेरिका के प्रस्ताव से भारत की चिंता बढ़ी, व्यापार समझौते पर पड़ेगा असर

नई दिल्ली।

भारत-अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर चल रही बातचीत में अमेरिका ने एक ऐसा प्रस्ताव रखा है जिससे भारत की चिंता बढ़ सकती है। अमेरिका ने भारत समेत 60 देशों से आने वाले सामान पर अतिरिक्त शुल्क लगाने की बात कही है। अमेरिका का कहना है कि इन देशों ने ऐसे सामान के आयात को रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए हैं, जो जबरन मजदूरी से बनाए गए हो। इसी वजह से इन देशों से आने वाले उत्पादों पर अतिरिक्त टैक्स लगाने का प्रस्ताव रखा है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ने कहा है कि भारत उन 54 देशों में शामिल है जिन्होंने ऐसे उत्पादों के आयात पर प्रभावी रोक नहीं लगाई है। इस सूची में चीन, बांग्लादेश, जापान, दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन, वियतनाम और ऑस्ट्रेलिया जैसे कई बड़े देश शामिल हैं।यह प्रस्ताव ऐसे समय आया है जब भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की कोशिश जारी है। अमेरिका के मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच इन दिनों नई दिल्ली में भारतीय अधिकारियों के साथ बातचीत कर रहे हैं। ऐसे में अगर यह प्रस्ताव आगे बढ़ता है तो दोनों देशों के बीच चल रही बातचीत मुश्किल में पड़ सकती है। अब सिर्फ आयात शुल्क और बाजार पहुंच ही नहीं, बल्कि श्रम कानूनों और सप्लाई चेन से जुड़े मुद्दे भी बातचीत का हिस्सा बन सकते हैं।अमेरिका ने कहा है कि जिन देशों में जबरन मजदूरी से बने सामान पर कोई प्रभावी रोक नहीं है, वहां से आने वाले उत्पादों पर 12.5 फीसदी अतिरिक्त शुल्क लगाया जा सकता है। अमेरिका का कहना है कि अगर कुछ देशों में जबरन मजदूरी से बने सामान आसानी से बाजार में पहुंच जाते हैं, तो वहां की कंपनियों की लागत कम हो जाती है।

इससे उन कंपनियों को नुकसान होता है जो श्रम नियमों का पालन करती हैं। अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जैमिसन ग्रीयर ने कहा कि दुनिया के बड़े व्यापारिक साझेदारों का इस मुद्दे पर कार्रवाई नहीं करना स्वीकार नहीं किया जा सकता। इससे अमेरिकी कंपनियों और कामगारों को नुकसान होता है।

टाटा की किफायती कारें है 360 डिग्री कैमरा से लैस

नई दिल्ली।

ग्राहकों की बढ़ती मांग को देखते हुए वाहन निर्माता कंपनियां अब बजट कारों में भी 360 डिग्री कैमरा की सुविधा उपलब्ध करा रही हैं। कारों में यह फीचर ड्राइविंग को सुरक्षित और आसान बनाता है, खासकर पार्किंग, रिवर्सिंग और भीड़भाड़ वाले इलाकों में वाहन चलाते समय। हाल ही में टाटा मोटर्स ने अपनी लोकप्रिय हैचबैक टियागो में 360 डिग्री कैमरा शामिल कर इसे इस सुविधा वाली देश की सबसे सस्ती कारों में शामिल कर दिया है। टाटा टियागो की कीमत 6.99 लाख रुपये से शुरू होती है और इसके क्रिएटिव वेरिएंट से 360 डिग्री कैमरा मिलता है। इसके बाद टाटा पंच का नाम आता है, जिसकी शुरुआती कीमत 7.65 लाख रुपये है। इसमें एडवेंचर वेरिएंट से यह सुविधा उपलब्ध है। पंच का कैमरा सिस्टम शहरों में आसान ड्राइविंग और पार्किंग के लिए उपयोगी माना जाता है। टाटा टिगोर भी इस सूची में शामिल है। इसकी कीमत 7.83 लाख रुपये से शुरू होती है और टॉप वेरिएंट एक्सजेड प्लस लक्स में 360 डिग्री कैमरा दिया गया है। वहीं टाटा अल्ट्रोज के क्रिएटिव वेरिएंट में एचडी 360 डिग्री कैमरा उपलब्ध कराया गया है। इसकी कीमत 8.02 लाख रुपये से शुरू होती है और बेहतर कैमरा क्वालिटी इसकी खासियत मानी जा रही है।

ट्रकों और निर्माण उपकरणों की मांग में सुधार के संकेत, कार-ट्रैक्टर सेगमेंट मजबूत नहीं

नई दिल्ली।

दुनिया भर के ऑटो बाजार में 2026 की शुरुआत मिली-जुली रही है। ट्रकों और निर्माण उपकरणों की मांग में सुधार के संकेत दिख रहे हैं, लेकिन कार और ट्रैक्टर सेगमेंट में तस्वीर उतनी मजबूत नहीं है। ऐसे में जिन भारतीय कंपनियों का कारोबार विदेशों में भी फैला हुआ है, उन्हें इसका फायदा मिल सकता है। नुवामा की रिपोर्ट के मुताबिक समवर्धना मदरसन, बालकृष्ण इंडस्ट्रीज और कुछ अन्य ऑटो कंपोनेंट कंपनियां आने वाले समय में उद्योग की औसत वृद्धि से बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं। इसकी वजह इनकी मजबूत ऑर्डर बुक और अलग-अलग बाजारों में मौजूदगी है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका और यूरोप में भारी ट्रकों की मांग 2026 में बढ़ सकती है। अमेरिका में पुराने ट्रकों को बदलने की जरूरत, माल ढुलाई कारोबार में सुधार और इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स इस मांग को बढ़ावा दे सकते हैं। वहीं यूरोप में भी मजबूत ऑर्डर बुक से बिक्री को सहारा मिलने की उम्मीद है। भारत में हालांकि मध्यम और भारी वाणिज्यिक वाहन बाजार बहुत तेज रफ्तार से बढ़ता नहीं दिख रहा। यहां मांग लगभग स्थिर रह सकती है। अमेरिका में इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च, डेटा सेंटर निर्माण और किराए पर मशीनों की मजबूत मांग निर्माण उपकरण उद्योग के लिए अच्छी खबर है। रिपोर्ट के मुताबिक छोटे ट्रैक्टरों की मांग में कुछ सुधार आ सकता है, लेकिन बड़े ट्रैक्टरों की बिक्री दबाव में रह सकती है। भारत में ट्रैक्टर उद्योग के सामने ऊंचे आधार, कमजोर मानसून की आशंका और सरकारी सब्सिडी की कमी जैसी चुनौतियां बनी हैं। इसलिए यहां बहुत तेज ग्रोथ की उम्मीद नहीं है। कार कंपनियों के लिए 2026 आसान नहीं दिख रहा। यूरोप में बिक्री बढ़ी है, लेकिन अमेरिका और चीन जैसे बड़े बाजारों में कमजोरी देखने को मिली है। बीएमडब्ल्यू, फॉक्सवैगन, ऑडी, जेएलआर और मर्सिडीज जैसी कई बड़ी कंपनियों की बिक्री पर दबाव रहा। हालांकि भारत में तस्वीर थोड़ी बेहतर है। टाटा मोटर्स का अनुमान है कि घरेलू यात्री वाहन उद्योग इस साल करीब 10 फीसदी की बढ़ोतरी हो सकती है।

पश्चिम एशिया में युद्ध जैसे हालात से महंगे हुए ड्राई फूट्स, 25फीसदी तक बढ़ीं कीमतें

ईरान-अफगानिस्तान से होने वाली ड्राई फूट्स सप्लाई पर पड़ा असर

नई दिल्ली।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और युद्ध जैसे हालात के कारण भारत के ड्राई फूट बाजार पर गहरा असर पड़ा है। ईरान और अफगानिस्तान से होने वाली पिस्ता, अंजीर, खजूर और दूसरे ड्राई फूट्स की सप्लाई पर असर हुआ है। इसके चलते कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं। कारोबारियों का कहना है कि यदि यही हालात रहे तो त्योहारों के सीजन में ग्राहकों को ड्राई फूट काफी महंगे दाम पर खरीदने पड़ सकते हैं। पिस्ता की कीमतों में 20 से 25 फीसदी और अंजीर में करीब 10 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। कई प्रमुख ड्राई फूट्स की कीमतें 10 से 25 फीसदी तक बढ़ गई हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक युद्ध के कारण शिपिंग, बीमा और फ्रेट चार्ज बढ़ गए हैं, जो माल पहले कुछ ही दिनों में पहुंच जाता था, अब उसे आने में बहुत ज्यादा समय लग रहा है क्योंकि कई समुद्री रास्ते और बंदरगाह प्रभावित हैं। माल के लंबे समय तक रास्तों में फंसे रहने के कारण ड्राई फूट्स की गुणवत्ता खराब होने का भी डर बना है, क्योंकि इन्हें विशेष स्टोरेज और तापमान की जरुरत होती है।

राहत की बात यह है कि काजू और किशमिश की कीमतों में फिलहाल बड़ी तेजी की संभावना नहीं है, क्योंकि भारत में इनका उत्पादन होता है और इनकी स्थिति फिलहाल संतुलित है। विशेषज्ञों का मानना है कि असली चुनौती अगस्त-सितंबर से शुरू होने वाले त्योहारी सीजन में आएगी।

यदि तब तक सप्लाई सामान्य नहीं हुई, तो बढ़ती मांग के कारण कीमतें और भी बढ़ सकती हैं, जिससे मांग में 10 से 15 फीसदी की गिरावट आ सकती है। कारोबारियों के मुताबिक यदि तनाव आज समाप्त भी हो जाए, तो सप्लाई चेन को पूरी तरह सामान्य होने में 3 से 6 महीने का समय लग सकता है।

लॉन्च से पहले जांचे जाएंगे एआई मॉडल, टेक कंपनियों में मची हलचल

ट्रंप ने एआई से जुड़े राष्ट्रीय सुरक्षा जोखिमों पर नजर रखने जारी किया आदेश

नई दिल्ली।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एआई से जुड़े राष्ट्रीय सुरक्षा जोखिमों पर नजर रखने के लिए एक नया एग्जीक्यूटिव ऑर्डर जारी किया है। इस आदेश के तहत संघीय सरकार को सबसे उन्नत एआई सिस्टम के सार्वजनिक लॉन्च से पहले उनकी समीक्षा करने का ढांचा मिलेगा। इस प्रक्रिया में भाग लेना एआई कंपनियों के लिए स्वैच्छिक रहेगा। नए आदेश में कहा गया है कि एआई की उन्नत क्षमताएं अमेरिका को और मजबूत बना सकती हैं, लेकिन इसके साथ कुछ नए राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी जोखिम भी हैं। ऐसे जोखिमों से निपटने के लिए कई सरकारी विभागों और एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय की जरुरत है।

मीडिया रिपोर्ट में आदेश के मुताबिक सरकार किसी भी उन्नत एआई मॉडल या सिस्टम की सार्वजनिक रिलीज से पहले अधिकतम 30 दिनों तक समीक्षा कर सकेगी। यह समयसीमा तकनीकी क्षेत्र की अपेक्षाओं से कम मानी जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि लंबी समीक्षा प्रक्रिया तेजी से बदलते और प्रतिस्पर्धी एआई उद्योग पर अतिरिक्त बोझ डाल सकती थी। यह आदेश ऐसे समय में आया है जब ट्रंप ने 21 मई को एक समान प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया था। उस समय उनकी चिंता थी कि अत्यधिक नियमन से अमेरिका की तकनीकी प्रतिस्पर्धा और नवाचार की गति पर असर पड़ा सकता है।

हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि नया आदेश पहले प्रस्तावित नीति से कितना अलग है। ट्रंप ने एक नए कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत अत्याधुनिक एआई सिस्टम विकसित करने वाली कंपनियों को स्वेच्छा से अपने उन्नत साइबर मॉडल सरकार के साथ साझा करने का अवसर दिया जाएगा। इसका उद्देश्य देश के अहम बुनियादी ढांचे की सुरक्षा मजबूत करना और सरकारी साइबर रक्षा क्षमताओं को बेहतर बनाना है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रंप ने पिछले महीने टेक उद्योग के शीर्ष अधिकारियों के साथ होने वाला एक ओवल ऑफिस कार्यक्रम रद्द कर दिया था क्योंकि उन्हें आदेश के शुरुआती मसौदे पर आपत्ति थी। इस कार्यक्रम में कई प्रमुख एआई कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होने वाले थे, लेकिन अंततः ट्रंप ने बिना किसी औपचारिक समारोह के आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए।

एमपीसी बैठक में ब्याज दरों में बदलाव की संभावना कम, रेपो रेट 5.25 फीसदी ही रहेगी?

रुपए के कमजोर होने से आयात महंगा हुआ, घरेलू महंगाई पर पड़ सकता है असर

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक की आगामी मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) बैठक में ब्याज दरों में बदलाव की संभावना कम है। बढ़ती महंगाई और वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद आरबीआई रेपो रेट को 5.25 फीसदी पर बरकरार रख सकता है। हालांकि बाजार की नजर इस बात पर रहेगी कि आरबीआई आगे ब्याज दरों को लेकर क्या संकेत देता है। ब्रोकरेज फर्म नुवामा का कहना है कि हाल के दिनों में महंगाई का दबाव बढ़ा है। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़े तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें चढ़ी हैं, जिससे वैश्विक सप्लाई चेन पर असर पड़ा है। वहीं रुपए में कमजोरी आने से आयात महंगा हुआ है, जिसका असर घरेलू महंगाई पर पड़ सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक कई कंपनियों ने कीमतें बढ़ा दी हैं। इसके अलावा इस साल मानसून सामान्य से कमजोर रह सकता है। अनुमान है कि बारिश दीर्घकालिक औसत का करीब 90 फीसदी रह सकती है, जो 2015 के बाद सबसे कम स्तर होगा। अगर ऐसा होता है तो खाद्य महंगाई बढ़ सकती है। देश के बाहरी क्षेत्र की स्थिति भी सहज नहीं है। निर्यात में खास तेजी नहीं दिख रही, जबकि तेल, सोना और इलेक्ट्रॉनिक्स के आयात लगातार बढ़ रहे हैं। दूसरी ओर विदेशी निवेशकों की बिकवाली जारी है और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश कमजोर है। इससे भुगतान संतुलन (बीओपी) पर दबाव बना रह सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक महंगाई बढ़ने के बावजूद अर्थव्यवस्था की रफ्तार को लेकर चिंता बनी हुई है। आर्थिक सुधार अभी सभी क्षेत्रों में समान रूप से नहीं दिख रहा है। निजी निवेश में तेजी नहीं आई है और पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव कंपनियों की लागत बढ़ा सकता है।

इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में फ्लाप रहीं मंधाना

-तीन मैचों में केवल 40 रन बना पायीं

-स्मृति मंधाना के नाम दर्ज हुआ शर्मनाक रिकॉर्ड, पहली बार हुआ ऐसा हाल

टांटन (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले में भी असफल रहीं और 9 गेंदों में 8 रन ही बना पायी।

इसी के साथ ही मंधाना के नाम एक ऐसा अनचाहा रिकार्ड दर्ज हो गया है जिसे वह भूलना चाहेंगी। इस सीरीज में वह केवल 40 रन ही बना पायीं। यह इंग्लैंड के खिलाफ तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज में मंधाना का अब तक का सबसे कम स्कोर है। इस पूरी सीरीज में मंधाना का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। पहले मुकाबले में वह खाता भी नहीं खोल पायीं। दूसरे टी20 में उन्होंने 32 रन जबकि तीसरे और अंतिम मैच में 8 रन बनाये। ये इंग्लैंड के खिलाफ किसी भी तीन टी20 मैचों की सीरीज में उनका अब तक का सबसे कम स्कोर है। इससे पहले उनका इंग्लैंड के खिलाफ न्यूनतम सीरीज स्कोर 57 रन था, जो उन्होंने 2021 में बनाया था।

अंतिम टी20 में मंधाना ऑफ स्पिनर चार्ली डीन का शिकार बनीं। इस विकेट के साथ ही ऑफ स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ मंधाना की कमजोरी एक बार फिर खुलकर सामने आ गई है। चार्ली डीन के खिलाफ टी20 मैचों में मंधाना का रिकॉर्ड बेहद खराब रहा है। उन्होंने डीन के खिलाफ अब तक 59 गेंदें खेली हैं, जिनमें केवल 49 रन बनाए हैं और दो बार अपना विकेट खोया है। यह दिखाता है कि ऑफ स्पिनर मंधाना के लिए लगातार परेशानी का कारण बनी हुई हैं।

पहली बार भारतीय टीम की मेजबानी करेगा अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड

-सितंबर में खेली जाएगी तीन मैचों की सीरीज

मुम्बई (एजेंसी)। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) अपनी घरेलू सीरीज के लिए पहली बार भारत की मेजबानी करने जा रहा है। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की ये टी20 सीरीज इसी साल सितंबर में नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडिमय में खेली जाएगी। हालांकि अभी कार्यक्रम की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है पर माना जा रहा है कि 13, 16 और 19 सितंबर को ये मुकाबले होंगे। एसीबी अपने देश में राजनीतिक अस्थिरता और सुरक्षा चिंताओं के कारण पिछले एक दशक से अपने घरेलू मुकाबले भारत और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों में आयोजित करता आ रहा है। बीसीसीआई और एसीबी के बीच अच्छे संबंध हैं, बीसीसीआई ने पूर्व में भी आयरलैंड, श्रीलंका और जिम्बाब्वे जैसे छोटे बोर्डों की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के लिए कई बार सीरीज खेली हैं

अफगानिस्तान की टीम अभी 6 जून से भारतीय टीम के साथ एक टेस्ट और तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी। वहीं इसके बाद वह भारतीय टीम की मेजबानी करना चाहती है। इसको लेकर दोनों बोर्डों के बीच सहमति बन गयी है और कुछ औपचारिकताओं के पूरे होते ही इसकी आधिकारिक घोषणा कर दी जाएगी।यदि अफगानिस्तान की टीम सितंबर में अरुण जेटली स्टेडियम में टीम इंडिया की मेजबानी करती है, तो दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के कार्यक्रम में बदलाव किया जा सकता है। बीसीसीआई ने एसीबी और दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के बीच इस सीरीज के लिए अफगानिस्तान को घरेलू मैदान की उपलब्धता को लेकर मध्यस्थता की है। वहीं डीडीसीए भी अपनी दिल्ली प्रीमियर लीग टी20 का कार्याक्रमक इसी के अनुसार तैयार कर रहा है। यह पहला अवसर नहीं होगा जब अफगानिस्तान ने भारत के किसी स्टेडियम को अपने घरेलू मैदान के रूप में इस्तेमाल किया हो। इससे पहले, अफगानिस्तान ने 2017 में ग्रेटर नोएडा में आयरलैंड की मेजबानी की थी और फिर 2018 में देहरादून में बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज की मेजबानी की थी।

फैंचाइजी के लिए बेहद महंगे साबित हुए ऋषभ, हर रन लाखों रुपये का पड़ा

मुम्बई (एजेंसी)। लखनऊ सुपर जायंट्स क्रिकेट टीम के कप्तान ऋषभ पंत आईपीएल के 19 वें सत्र में असफल रहे। वह फैंचाइजी के लिए बेहद महंगे साबित हुए। उनके एक-एक रन के लिए उसे लाखों रुपये चुकाने पड़े। ऋषभ कप्तानी के साथ ही बल्लेबाजी में भी विफल रहे। इससे उनकी टीम लखनऊ सुपर जायंट्स का प्रदर्शन बेहद खराब रहा और टीम अंकतालिका में अंतिम स्थान पर रही। एक बल्लेबाज और कप्तान के तौर पर ऋषभ अपनी टीम को कोई लाभ नहीं पहुंचा सके। यहां तक कि उगर उनको मिलने वाली रकम का आंकलन करें तो फैंचाइजी के लिए उनका हर एक रन लाखों रुपये का पड़ा है। ये सामने आया है कि ऋषभ के एक-एक रन की कीमत लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए करीब 8.65 लाख रुपये रही। उन्हें 27 करोड़ रुपये पर रखा गया था। कप्ताने ने 14 मैचों में कुल 312 रन बनाए। इस प्रकार देखा जाये तो उनका प्रति रन 8,65,384 रुपये का रहा है।

पिछले साल आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी में फैंचाइजी ने ऋषभ को 27 करोड़ रुपये में खरीदा था। उस सत्र में, उन्होंने 14 मैचों में केवल 269 रन बनाए थे। इन आंकड़ों के आधार पर, 2025 में उनके प्रत्येक रन की कीमत 10 लाख 3 हजार 717 रुपये से भी अधिक रही थी, जिसने फैंचाइजी के लिए वह काफी महंगे साबित हुए थे।

अगर हम पिछले दो सत्र के प्रदर्शन को एक साथ देखें, तो ऋषभ ने कुल 54 करोड़ रुपये की सैलरी पर 581 रन बनाए हैं। इस प्रकार, उनके हर एक रन की औसत कीमत 9 लाख 29 हजार 432 रुपये प्रति रन बैठती है। यह आंकड़ा लीग के सबसे महंगे खिलाड़ियों में से एक होने के बाद भी उनके बेहद खराब प्रदर्शन को दिखाता है।

उनकी कप्तानी में, टीम 2025 में प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई, और 2026 में भी यही हुआ। वह अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर रही। 2026 में सुपर जायंट्स ने 14 में से सिर्फ 4 मैच जीते, जबकि 2025 में 6 मुकाबले। कुल 28 मैचों में से केवल 10 जीत का खराब रिकॉर्ड उनके कप्तानी छोड़ने का मुख्य कारण बताया है।

मुंबई टी20 लीग: अर्जुन तेंदुलकर ने ऑलराउंड प्रदर्शन कर अपनी टीम को जीत दिलायी

मुम्बई (एजेंसी)। यहां खेली जा रही मुंबई टी20 लीग में अर्जुन तेंदुलकर ने अपने शानदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचा है। इससे पहले आईपीएल में एक ही मैच खेल पाये अर्जुन ने यहां हुए चौथे मुकाबले में 'एआरसीएस अंधेरी' की ओर से खेलते हुए अच्छी गेंदबाजी और बल्लेबाजी कर अपनी टीम को जीत दिलायी। अर्जुन ने इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए छक्का जड़कर अपनी टीम को 14 ओवरों में ही जीत दिला दी। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान श्रेयस अय्यर की सोबो मुंबई फाल्कन्स को 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में में फाल्कन्स की टीम 18.2 ओवर में केवल 126 रन ही बना पायी। एआरसीएस अंधेरी की ओर से शिवम दुबे ने 17 रन देकर 3 विकेट और अजय मिश्रा ने 27 रन देकर 3 विकेट लिए।

इसके बाद एआरसीएस अंधेरी ने 14 ओवर में ही 5 विकेट खोकर 127 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया।

इस मुकाबले में एआरसीएस अंधेरी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए सोबो मुंबई फाल्कन्स को 18.2 ओवर में केवल 126 रनों पर ही समेट दिया। फाल्कन्स की

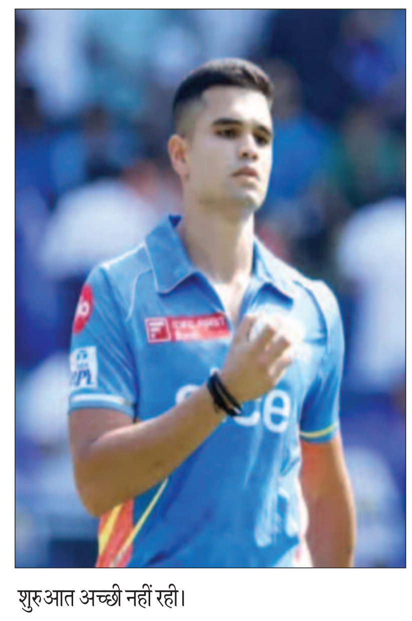

शुरुआत अच्छी नहीं रही।

सलामी बल्लेबाज ईशान मूलचंदानी सिर्फ 4 रन बनाकर आउट हो गये। वहीं कप्तान श्रेयस अय्यर भी केवल 5 रन ही बना पाये। आदित्य तारे ने इसके बाद 39 गेंदों में 6 चौके व 2 छक्कों की मदद से शानदार 59 रन बनाये पर अन्य बल्लेबाज विफल रहे। अर्जुन तेंदुलकर ने 3 ओवर में केवल 21 रन देकर वेदांत गोरे को 4 रनों पर ही पेवेलियन भेज दिया। सोबो मुंबई फाल्कन्स की पूरी टीम 18.2 ओवर में केवल 126 रनों पर ही आउट हो गयी।

जीत के लिए मिले 127 रनों के आसान से लक्ष्य का पीछा करने उतरी एआरसीएस अंधेरी की शुरुआत भी खराब रही। आयुष जेठवा शुन्य पर ही पेवेलियन लौट गये। इसके बाद सलामी बल्लेबाज दिव्यांश सक्सेना ने पारी संभाली और 33 गेंदों में 4 चौके व 3 छक्के लगाकर 50 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। वहीं प्रगनेश ने 26 रन जबकि प्रसाद पवार ने 21 रन बनाये। कप्तान शिवम दुबे 16 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद अर्जुन तेंदुलकर ने तेजी से बल्लेबाजी कर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। उन्होंने दो गेंदों में एक छक्के के साथ नाबाद 7 रन बनाकर टीम को 14 ओवर में ही 5 विकेट पर 127 रनों तक पहुंचा दिया।

नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में भारत के प्रज्ञाननंदा जीते, गुकेश हारे

ओस्लो। यहां आयोजित नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में भारत को मिली जुली सफलता मिली है। जहां भारतीय युवा ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञाननंदा ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए विश्व के नंबर एक खिलाड़ी और मेजबान देश नार्वे के मैग्नस कार्लसन को शिकस्त दी। वहीं भारत के ही डी गुकेश को फ्रांस के अलीरेज़ा फ़िरोजा के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा है। प्रज्ञाननंदा की खिताबी उम्मीदें बनी हुई हैं पर गुकेश की समाप्त हो गयी हैं। प्रज्ञाननंदा ने कार्लसन को क्लासिकल बाजी में उन्हें दूसरी बार मात दी अब उनके इस टूर्नामेंट में पहले भारतीय चैंपियन बनने की उम्मीदें बढ़ी हैं। एलीट डबल राउंड-रॉबिन प्रतियोगिता में इसभारतीय खिलाड़ी ने पहले भी कार्लसन को क्लासिकल बाजी में शिकस्त दी थी। इस जीत से प्रज्ञाननंदा अब 12 अंक लेकर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं दूसरी ओर इस हार से कार्लसन की आठवीं बार नॉर्वे शतरंज खिताब जीतने की उम्मीदें टूटी हैं। अब केवल दो दौर का खेल बचा हुआ है और ऐसे में मौजूदा चैंपियन कार्लसन का जीतना संभव नहीं है। वहीं दूसरी ओर गुकेश की तीसरी हार के साथ ही उनके खिताब जीतने की उम्मीदें तकरीबन खत्म हैं। गुकेश को फ्रांस के अलीरेज़ा फ़िरोजा ने क्लासिकल मुकाबले में हराया। इससे अलीरेज़ा 13 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर पहुंच गये हैं। .गुकेश के अभी केवल आठ अंक हैं और वह अपने अगले दो मैचों में क्लासिकल में जीतने पर भी अधिकतम 14 अंक तक ही पहुंच सकते हैं।

पांड्या सीओई पहुंचे, रोहित का हो रहा इंतजार

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या और अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज से पहले रिहैब के लिए बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) पहुंचने को कहा था। प्राप्त जानकारी के अनुसार पांड्या तो यहां पहुंच गये हैं पर रोहित अब तक नहीं पहुंचे हैं।एकदिवसीय सीरीज के लिए दोनों खिलाड़ी भारतीय दल में शामिली हैं हालांकि इनकी भागीदारी का फैसला फिटनेस पर निर्भर करेगा। एक रिपोर्ट के पांड्या एक हफ्ते से अधिक समय तक अपनी रिकवरी प्रक्रिया पूरी करेंगे, जिसके बाद वह भारतीय टीम के साथ जुड़ेंगे। वहीं आईपीएल के दौरान रोहित भी हैमस्ट्रिंग इंजरी का शिकार हुए थे जबकि पांड्या भी चोट के चलते मुंबई इंडियंस के लिए कुछ मैचों में अनुपस्थित रहे थे। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने इन दोनों खिलाड़ियों को उनकी फिटनेस का आंकलन करने और रिहैब प्रक्रिया से गुजरने के लिए सीओई में बुलाया था। वहां उनकी शारीरिक दक्षता का परीक्षण किया जाएगा। इसमें रिहैब के बाद अगर ये पूरी तरह फिट पाए जाते हैं, तो ही आगामी एकदिवसीय सीरीज में खेलेंगे।रोहित का पूरा ध्यान अगले साल होने वाले एकदिवीसय विश्व कप पर केंद्रित है। वहीं, हार्दिक भी एकदिवसीय और टी20 पर ही ध्यान दे रहे हैं। पांड्या ने पिछले साल मार्च में भारत के लिए आखिरी बार एकदिवसीय मैच खेला था, और उसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की वनडे श्रृंखला 13 जून से शुरू होगी। पहला वनडे धर्मशाला में 13 जून को खेला जाएगा। दूसरा मैच लखनऊ के इकाना स्टेडियम में 17 जून को और तीसरा मैच 20 जून को चेन्नई में खेला जाएगा।

अंडर-18 पुरुष एशिया कप : भारत ने चीनी ताइपे को दी करारी हार, सेमीफाइनल में पहुंचा

काकामिगाहारा (जापान)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने बुधवार को यहां अपने आखिरी पूल ए मैच में चीनी ताइपे को 13-1 से हराकर शानदार प्रदर्शन किया और अंडर-18 एशिया कप 2026 के सेमीफाइनल में जगह बनाई। भारत ने कजाखस्तान, कोरिया और चीनी ताइपे के खिलाफ जीत के साथ अपने पूल मैच खत्म किए जबकि मेजबान जापान से उसे हार का सामना करना पड़ा। इससे टीम को चार मैच में नौ अंक मिले। चीनी ताइपे के खिलाफ टीम ने आक्रामक रूख अपनाया जिसमें आशीष तानी पूर्ति ने हैट्रिक (27वें, 35वें, 42वें मिनट) करके सबसे अच्छा प्रदर्शन किया जबकि गाजी खान (40वें, 44वें), सिद्धार्थ बेन (30वें, 52वें) और राहुल यादव (20वें, 54वें) ने दो-दो गोल किए। करण गौतम (सातवें), प्रेमचंद सोय (11वें), कप्तान केतन कुशवाहा (13वें) और वरिंदर सिंह (50वें) ने भी गोल किए। भारत शुक्रवार को अपना सेमीफाइनल खेलेगा लेकिन टीम के प्रतिद्वंद्वी का फैसला बुधवार को जापान और कजाखस्तान के बीच पूल ए के आखिरी मैच के बाद होगा।

महिला टी20 विश्व कप : ऑस्ट्रेलिया की पेरी तीन मैच खेलते ही बनाएंगी विश्व रिकार्ड

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी एलिस पेरी के पास इसी माह 13 जून से इंग्लैंड में शुरु हो रहे महिला टी20 विश्व कप क्रिकेट में एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम करने का अवसर है। ऑलराउंडर पेरी इस टूर्नामेंट में पहले तीन मैच खेलते ही विश्वकप में 50 मैच खेलने वाली पहली खिलाड़ी बन जाएंगी। इस टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया टीम 13 जून को मैनचेस्टर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलेगी। पेरी साल 2009 से ही ऑस्ट्रेलिया की हर टीम में शामिल रही हैं। पेरी ने अब तक 47 विश्व कप मैच खेले हैं। उन्हें अपने 50 मैच पूरे करने के लिए केवल तीन और मैचों की जरुरत है। ऑस्ट्रेलियाई टीम इस टूर्नामेंट में खिताबी दावेदार के तौर पर उतरेगी। टीम में तेज गेंदबाज डार्सी ब्राउन की जगह बाएं हाथ की नयी गेंदबाज लूसी हैमिल्टन को शामिल किया गया है। जो एक हैरानी भरा कदम है क्योंकि ब्राउन को दो विश्वकप का अनुभव है। ऑस्ट्रेलियाई टीम में बेथ मूनी, एश गार्डनर,

ताहलिया मैकग्रा और मेगन शट जैसी अनुभवी और मैच विजेता खिलाड़ी शामिल हैं। इसके साथ ही फोबे लिचफील्ड और जॉर्जिया वोल जैसी युपा खिलाड़ियों को भी पहली बार टीम में जगह मिली है। ये युवा खिलाड़ी टीम में नई ऊर्जा और उत्साह लाएंगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम को टी20 विश्व कप के लिए ग्रुप 1 में रखा गया है। इसमें उसे दक्षिण अफ्रीका, भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और नीदरलैंड से मुकाबला करना है। टीम इस प्रकार है- सोफी मोलिनक्स (कप्तान), निकोला कैरी, एश गार्डनर, किम गार्थ, लूसी हैमिल्टन, ग्रेस हैरिस, अलाना किंग, फोएबे लिचफील्ड, ताहलिया मैकग्रा, बेथ मूनी, एलिस पेरी, मेगन शट, एनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहम। ट्रैवलिंग रिज़र्व- ताहलिया विल्सन।

फीफा विश्व कप 11 जून से , मेसी और रोनाल्डो का हो सकता है अंतिम टूर्नामेंट

-सबसे अधिक गोल का मिरोस्लाव का रिकार्ड टूटेगा या नहीं देखना होगा

सेन डियागो (एजेंसी)। 11 जून अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में संयुक्त रुप से शुरु हो रहे फीफा विश्व कप फुटबॉल 2026 में अब कुछ ही दिन बचे हैं। इस टूर्नामेंट में एक बार फिर फुटबॉल प्रशंसकों को रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेंगे। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी और पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो जैसे स्टार खिलाड़ियों का ये अंतिम विश्वकप हो सकता है क्योंकि ये दोनो ही 40 साल के करीब पहुंच रहे हैं। है। मेसी की कप्तानी में अर्जेंटीना जहां अपने खिताब का बचाव करने उतरेगी। वहीं ब्राजील सहित अन्य टीमें भी जीत दर्ज करने का पूरा प्रयास करेंगी। फीफा विश्वकप इतिहास में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियो का रिकार्ड इस बार टूटता है कि नहीं ये देखना होगा। अब तक विश्वकप में सबसे अधिक गोल का रिकार्ड जर्मनी के महान स्ट्राइकर मिरोस्लाव क्लोस का है। मिरोस्लाव ने साल 2002 से 2014 तक चार विश्व कप में में कुल 24 मुकाबलों में 16 गोल दागे। इस फुटबॉलर ने साल 2002 और 2006 में पांच-पांच गोल किए, जबकि 2010 में चार और अपने करियर

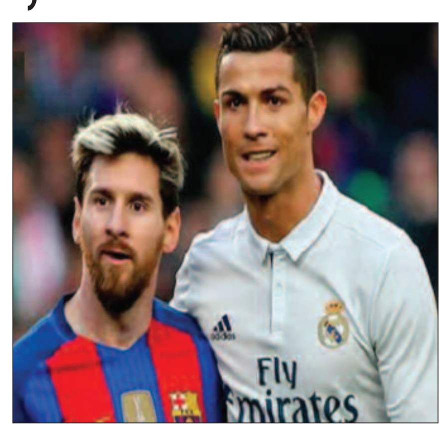

के अंतिम विश्व कप में दो गोल किये।

ब्राजील के रोनाल्डो सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों में दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 1994 से 2006 के बीच विश्व कप में कुल 15 गोल किए। ये गोल उन्होंने केवल 19 मुकाबलों में किये, जो उनकी असाधारण प्रतिभा को दिखाता है। 2002 के विश्व कप में रोनाल्डो ने अकेले आठ गोल दागकर ब्राजील को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी, और उस टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन असाधारण रहा था।

फ्रांस के जस्टन फोंटेन का नाम एक अद्वितीय रिकॉर्ड के साथ जुड़ा है, जिसे तोड़ना आज भी असंभव सा लगता है। उन्होंने 1958 के विश्व कप में सिर्फ छह मुकाबलों में अविश्वसनीय 13 गोल दागकर फुटबॉल जगत को हैरान कर दिया था। यह किसी एक विश्व कप में किसी खिलाड़ी द्वारा किए गए सर्वाधिक गोल का रिकॉर्ड है, जो आज तक कायम है।

आधुनिक फुटबॉल के महानतम खिलाड़ियों में से एक, अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी भी इस सूची में शामिल हैं। 2022 में अपनी कप्तानी में अर्जेंटीना को विश्व चैंपियन बनाने वाले मेसी ने 2006 से 2022 तक विश्व कप में अब तक कुल 13 गोल किए हैं। कतर में खेला गया पिछला विश्व कप बेहद यादगार रहा, जहां उन्होंने सात गोल करके अपनी टीम को खिताब दिलाया और अपने करियर की सबसे बड़ी ट्रॉफी जीती।

फ्रांस के युवा सनसनी किलियन एमबाप्पे ने वह अब तक विश्व कप के 14 मुकाबलों में 12 गोल कर चुके हैं, जिसमें पिछले विश्व कप में उनके आठ गोल शामिल हैं, जिसके लिए उन्हें गोल्डन बूट से नवाजा गया था।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे एकदिवसीय में पाकिस्तान को 41 रन से हराकर सीरीज में 1-1 से वापसी की

लाहौर। जोश इंगलिस और कैमरन ग्रीन की अच्छी बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में मेजबान पाकिस्तान को 41 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली है। वहीं पहले एकदिवसीय में पाक टीम जीती थी। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए इस दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवरों में 9 विकेट खोकर 231 रन बनाये। इंगलिस ने 51 जबकि ग्रीन ने 53 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान पाक टीम 44 ओवर में केवल 190 रनों पर ही आउट हो गयी। इस मैच में टॉस जीतकर पाकिस्तान ने मेहमान टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत बेहद खराब रही, जहां पहली ही गेंद पर ओपनर एलेक्स कैरी शाहीन अफरीदी का शिकार बने और बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। इसके बाद मैथ्यू शॉर्ट 15 और मार्नस लाबुशेन 5 रन बनाकर आउट हो गए। इससे ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 10.4 ओवर में 3 विकेट पर 51 रन हो गया। इसके बाद कप्तान जोश इंगलिस और कैमरन ग्रीन ने पारी को संभाला। इंगलिस ने 74 गेंदों में 51 रनों की कप्तानी पारी खेली, जबकि ग्रीन ने 92 गेंदों में 53 रन बनाए। मैट रेनशॉ ने तेजी से 43 गेंदों में 43 रन और ओलिवर पीक ने 32 गेंदों में 31 रनों का योगदान दिया, जिससे ऑस्ट्रेलियाई टीम निर्धारित 50 ओवरों में 9 विकेट खोकर 231 रन बनाने में सफल रही। पाकिस्तान की ओर से शाहीन अफरीदी ने 3 विकेट जबकि स्पिनर अराफात मिन्हास ने 10 ओवर में 27 रन देकर 2 अहम विकेट लिए। अबरार अहमद और हारिस रऊफ को भी 2-2 विकेट मिले। जीत के लिए 232 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की टीम की शुरुआत भी खराब रही। सलामी बल्लेबाज साहबजादा फरहान 3 और माज सदाकत 0 पर आउट हो गए। अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम भी केवल 16 रन बनाकर अपना विकेट खो बैठे। विकेटकीपर गाजी गोरी ने 37 रन बनाय पर दूसरे छोर से कोई बड़ा साथ नहीं मिल सका। सलमान आगा 7 और अब्दुल समद 2 रन बनाकर आउट हुए। अनुभवी शादाब खान और युवा अराफात मिन्हास ने मिलकर पारी को संभालने का प्रयास किया। कप्तान शादाब खान ने 104 गेंदों में 71 रन बनाए, जिसमें 3 छक्के और 1 चौका शामिल था। अराफात मिन्हास ने भी 33 रन बनाये। पाकिस्तान की पूरी टीम 44 ओवर में महज 190 रनों पर आउट हो गई। वहीं ऑस्ट्रेलिया की तरफ से तेज गेंदबाज नाथन एलिस ने 9 ओवर में 33 रन देकर 4 विकेट लिए, जबकि स्पिनर मैथ्यू शॉर्ट ने 3 विकेट लिए।

अपने डेब्यू मैच में ही स्कॉटलैंड के चार्ली ने बनाया था विश्व रिकॉर्ड

लंदन (ईएमएस)। विश्व क्रिकेट में एक से बढ़कर एक गेंदबाज हुए हैं। इन्हीं में एक एसोसिएट देश स्कॉटलैंड के एक युवा खिलाड़ी चार्ली कैसल भी हैं। चार्ली के नाम अपने डेब्यू एकदिवसीय मैच में एक ऐसा रिकार्ड है जो किसी भी अन्य गेंदबाज के नाम नहीं है। चार्ली विश्व के पहले और एकमात्र ऐसे गेंदबाज बन गए हैं, जिन्होंने अपने पहले ही एकदिवसीय मैच में सात विकेट लिए थे। साल 2024 में ओमान के खिलाफ खेले गए अपने करियर के पहले ही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में इस तेज गेंदबाज के सामने ओमान के बल्लेबाज टिक नहीं पाये। चार्ली से पहले अपने डेब्यू मैच में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी का रिकॉर्ड संयुक्त रूप से दो तेज गेंदबाजों दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा और वेस्टइंडीज के फिडेल एडवर्ड्स के नाम था। इन दोनो ने अपने पहले एकदिवसीय मैच में विरोधी टीम के छह-छह विकेट लिए थे। ये रिकॉर्ड कई साल तब बना रहा जिसे चार्ली ने तोड़ा। इस गेंदबाज ने न सिर्फ इन दोनों दिग्गजों का रिकॉर्ड ध्वस्त किया, बल्कि एक ऐसा नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया जिसे छू पाना आने वाले समय में किसी भी गेंदबाज के लिए बेहद

चुनौतीपूर्ण होगा।चार्ली का यह प्रदर्शन इसलिए भी खास है क्योंकि सीमित ओवरों के क्रिकेट में, जहां अक्सर नियम बल्लेबाजों के पक्ष में होते हैं और बड़े स्कोर आम बात हो गए हैं, वहां एक नए गेंदबाज द्वारा 7 विकेट लेना किसी चमत्कार से कम नहीं है। स्कॉटलैंड जैसे एसोसिएट देश के लिए यह लम्हा बेहद गर्व का था और इस रिकॉर्ड ने यह साबित कर दिया कि क्रिकेट की दुनिया में ऐसी अप्रत्याशित प्रतिभाएं भी मौजूद हैं जो बड़े मंच पर आकर वैश्विक स्तर पर अपनी छाप छोड़ सकती हैं।

फीफा विश्वकप में खेलते नजर आयेंगे भारतीय मूल के ये चार फुटबॉलर

कोलकाता (एजेंसी)। 11 जून से अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में शुरु हो रही फीफा विश्कपकप फुटबॉल को लेकर दुनिया भर की तरह ही भारत में भी फुटबॉल प्रशंसक उत्साहित हैं।

देश में इसके प्रसारण को लेकर गतिरोध समाप्त होने से भी फुटबॉल प्रशंसक टीवी पर मैच देखने को लेकर उत्साहित हैं। इस बार विश्वकप में भारतीय मूल के चार खिलाड़ी भी खेलते नजर आयेंगे। ये सभी अलग-अलग देशों की ओर से उतर रहे हैं। भारतीय प्रशंसक भी इन सभी को खेलते हुए देखने का इंतजार कर रहे हैं।

इस बार कुल 48 टीमें विश्व कप में हिस्सा ले रही हैं। विश्वकप में खेलने वाले भारतीय मूल के ये फुटबॉलर हैं

तहसीन जमशीद : 19 वर्षीय विंगर तहसीन जमशीद, जिनका जन्म दोहा में हुआ, लेकिन उनकी जड़ें केरल के कन्नूर जिले से जुड़ी हैं। उनके माता-पिता मलयाली हैं वह कतर टीम से खेल रहे हैं। तहसीन को कतर की प्रारंभिक टीम में शामिल किया गया है, और केरल के प्रशंसको को पूरी उम्मीद है कि वह अंतिम टीम में भी जगह बना पाएंगे। तहसीन के पिता भी पूर्व फुटबॉलर रह चुके हैं और उन्होंने कतर के लिए अंडर-17 और अंडर-19 स्तर पर खेला है।

सरप्रीत सिंह : न्यूजीलैंड के लिए खेलने वाले सरप्रीत सिंह पर भी सबकी निगाहें होंगी। 27 वर्षीय सरप्रीत एक अटैकिंग मिडफील्डर हैं, जिनके परिवार का संबंध पंजाब के जालंधर से है। वह 2018 से न्यूजीलैंड की सीनियर टीम के लिए खेल रहे हैं और अब तक तीन महत्वपूर्ण गोल दाग चुके हैं।

सैमुअल मुतुसामी : कांगो की टीम में तमिल मूल के खिलाड़ी सैमुअल मुतुसामी को जगह मिली है। 29 वर्षीय यह डिफेंसिव मिडफील्डर पेरिस में जन्मे हैं, उनकी मां कांगो की हैं जबकि पिता तमिल मूल के इंडो-गुआराडेलूपियन हैं। सैमुअल ने 2019 में कांगो के लिए अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया था।

निशान वेलुपिल्ले : इस सूची में चौथा नाम निशान वेलुपिल्ले का है, जो ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल हैं। एक विंगर के रूप में खेलने वाले निशान के पिता तमिलनाडु से जुड़े एक मलेशियाई नागरिक हैं, जबकि उनकी मां एंग्लो-इंडियन हैं। यह बात भारतीय फुटबॉल प्रेमियों के लिए और भी खास है क्योंकि 2006 के बाद यह पहला विश्व कप होगा, जिसमें कोई भारतीय मूल का खिलाड़ी दिखाई देगा।

गौरतलब है कि विश्वकप में अंतिम बार विकास धोरासू ने फ्रांस के लिए खेलकर भारत का नाम रोशन किया था। इन चारों खिलाड़ियों का विश्व कप में शामिल होना भारतीय फुटबॉल के लिए एक नया अध्याय खोलेगा और दुनिया भर के भारतीय फैंस को अपनी जड़ों से जुड़े इन सितारों को समर्थन देने का एक अनूठा अवसर मिलेगा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ
जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। शुभांक-2-5-6

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। शुभांक-3-6-7

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा
कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो
शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-4-7-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे
अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। काम में लगे रहें लाभ होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। शत्रु से सावधान रहें। शुभांक-1-3-5

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते
महत्त्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू
स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-3-4-5

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। पत्नी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक-2-4-7

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी
व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। सच्चाई का सहारा लें कार्यसिद्धि होगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। समय आपके पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा
कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-2-4-6

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 3907

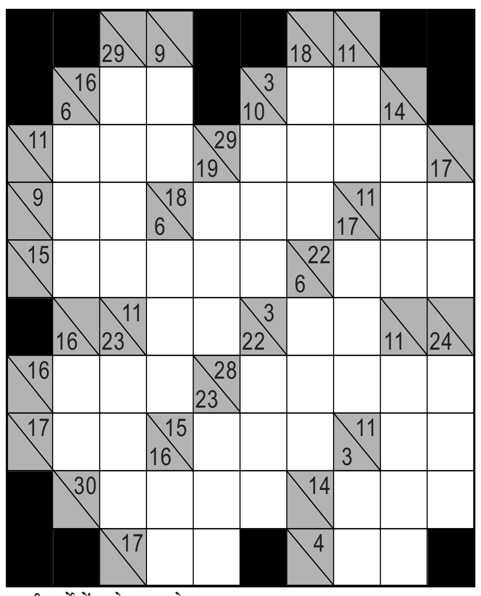

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1 2 3 5 (11); 1 2 4 (7)

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3906 का हल

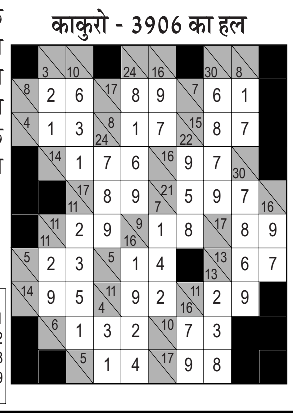

हंसी के फूव्वारें

दो दोस्त आपस में बातें कर रहे थे.

एक ने कहा- 'जब मैं जंगल से होकर जा रहा था, एकाएक मुझे डाकुओं ने घेर लिया. उन्होंने मेरा सब रुपया-पैसा छीन लिया.'

'मगर तुम्हारे पास तो रिवाल्वर थी?' दोस्त ने चकित होते हुए पूछा.

'था तो!'

'फिर ?'

'उस पर डाकुओं की नजर नहीं पड़ी.' दोस्त ने भोलेपन से कहा.

□ □ □

दो अफीमची बातें कर रहे थे.

एक बोला- 'मेरे पिता का मकान इतना ऊंचा था कि एक बार एक बच्चा छत पर से गिरा तो जमीन तक आते-आते वह आदमी बन गया.'

दूसरा अफीमची उससे भी दो कदम आगे था. वह बोला- 'मगर मेरे पिता का मकान तुम्हारे पिता के मकान से भी ऊंचा था. उसकी छत से एक बार एक बन्दर गिरा तो नीचे आते-आते वह आदमी बन गया.'

□ □ □

मालिक- 'सारे मजदूर दो-दो बोरियाँ उठा कर ला रहें हैं, पर तुम एक-एक बोरी ही क्यों ला रहे हो ?'

मजदूर- 'साहब वो सब आलसी हैं इसलिए दूसरा चक्कर लगाने से डरते हैं.'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3907

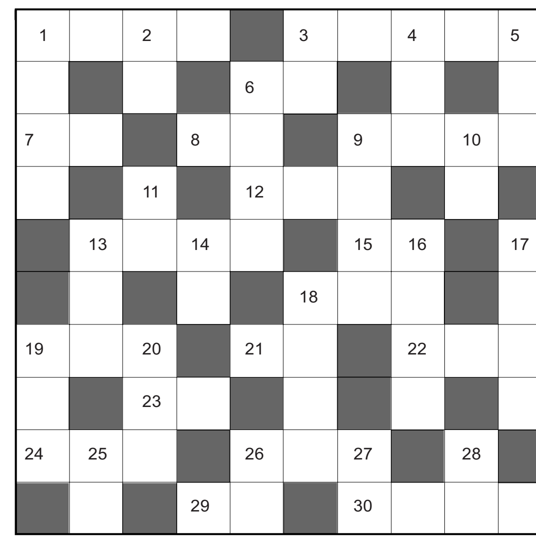

बायें से दायें:-

१. कारगिल युद्ध पर बनी जे. पी. दत्ता की बहु-सितारा फिल्म-२,१,१
३. 'रूप सलोना तेरा' गीत वाली सनी, अक्षय, मनीषा की फिल्म-२,३
६. आमिर, माधुरी दीक्षित की 'खंभे जैसी खड़ी है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'अपना बनाना है' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
८. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश मैं और' गीत वाली फिल्म-२
९. 'रिमझिम के गीत' गीत वाली राजेंद्र कुमार, बबीता की फिल्म-४
१२. 'छोटा कद और पेट बड़ा' गीत वाली संजयदत्त, नम्रता की फिल्म-३
१३. अजय देवगन, मधु, सोनाली की 'किसी के इश्क' गीत वाली फिल्म-४
१५. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम की नायिका कौन थी-२
१८. अक्षय कुमार, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सात सुरों के तार' गीत वाली जैकी, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२१. फरदीन, करीना की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'डैडी कूल कूल' गीत वाली शाहरूख खान, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२३. राजीव कपूर, डिम्पल की 'कोई भी नाम दो' गीत वाली फिल्म-२
२४. अभिनेत्री पूजा भट्ट के पिता-३
२६. दिलीपकुमार, वहीदा रहमान की 'कल के सपने' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'तुझे ना देखूँ तो' गीत वाली जीतेंद्र, कमल सदाना, दिव्या की फिल्म-२
३०. सुमीत सहगल, शिखा की 'पीछे पीछे आजा' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल लगाने की' गीत वाली अक्षय, अमिताभ, राखी, जूही की फिल्म-२,२
२. अतीन भल्ला, संदली की एक फिल्म-२
३. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली फिल्म-२
४. संजयदत्त, काजोल की 'आवाज दो हमको' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली फिल्म-३
६. अजय देवगन, रवीना की 'कितना हसीन चेहरा' गीत वाली फिल्म-४
९. राजेश खन्ना, शबाना आजमी की फिल्म-४
१०. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
११. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज वाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
१३. सनी, बॉबी, उर्मीला की 'कोई नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'तुम आए तो आया' गीत वाली अजय देवगन, पूजा भट्ट की फिल्म-२
१६. 'कहाँ से आई रानी' गीतवाली फिल्म-२,२
१७. 'मैं जब बोलूँ हाँ' गीत वाली जीतेंद्र, नीतूसिंह की फिल्म-४
१८. अशोककुमार, सुमिता की 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'दोस्त दोस्त ना रहा' गीत वाली फिल्म-३
२०. अक्षय, करिश्मा की 'दिल ले गया' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'रजिया सुल्तन' में रजिया सुल्तन की शीर्षक भूमिका किसने की हैं-२
२६. 'तेरा क्या लगता है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'काजल' की नायिका कौन थी-३
२८. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3906

का	ला	प	त्थ	र		को	ह	रा	
र		ड़ो		क्ष	त्रि	य		जा	ल
वॉ		स	ड़	क		ला	वा		म्हे
	जा	न			ज		दा	दा	
दि	ल		ख	ट्टा	मी	ठा		मि	ली
व्या		खे	ल		र		स	नी	
	प		ना	ना		डॉ	न		डो
प	रि	च	य		सु		म	वा	ली
	वा		क	सू	र			रि	
पा	र	स		र्या		वि	श	स	त

सूडोकु -3907

	8	5						
3								
			6				7	4
6			2		4			
1								8
			7		5			3
	4	7			1			
								6
						5	2	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3906 का हल

4	3	9	2	6	8	5	1	7
8	1	6	7	4	5	9	2	3
7	5	2	3	9	1	6	4	8
1	7	5	4	2	6	8	3	9
6	4	3	8	5	9	2	7	1
2	9	8	1	7	3	4	5	6
5	2	1	6	8	7	3	9	4
9	8	7	5	3	4	1	6	2
3	6	4	9	1	2	7	8	5

शब्द पहेली - 3907

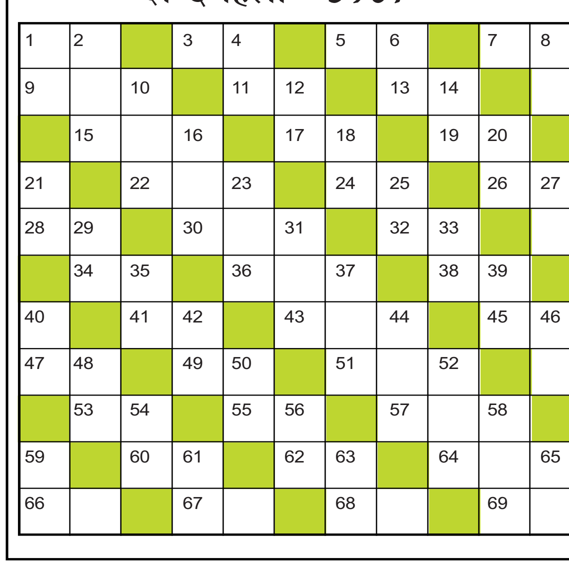

बाएँ से दाएँ

1.उम्मीद,आशा-2
3.जी,चित्त-2
5.भस्म,खाक-2
7.जाल,फंदा-2
9.चिंतन,सोचना-3
11.ठाठ-बाट-2
13.क्रिकेट में बनते हैं-2
15.एक राशि-3
17.काया,बदन-2
19.एक विदेशी शराब-2
22.बोलने का तरीका-3
24.शालीन,सभ्य-2
26.बल,ताकत-2
28.भैंस जैसा एक पशु-2
30.पुत्री की पुत्री-3
32.कोर्ट में प्रस्तुत दावा-2
34.मोटा आटा-2
36.जुड़वा-3
38.आनंदित-2
41.नौकर,गुलाम-2
43.बूंद-3
45.लक्ष्मी,विष्णुप्रिया -2
47.जंगल,कानन-2
49.मेहंदी -2
51.दृष्टि,निगाह-3
53.बुरी आदत -2
55.बुढ़ापा -2
57.नमस्कार,प्रणाम -3
60.खुमार,सरूर -2
62.भीगा हुआ -2
64.पक्षाघात-3
66.चुनौती-2
67.ऋण,उधार -2
68.भूमि,जमीन-2
69.चस्का,बुरी आदत-2

ऊपर से नीचे

1.फलों का राजा-2
2.साजन,बलमा-3
4.खुमार-2
6.खच्चर,गधा-2
8.वहम,संदेह-2
10.अनुकृति-3
12.झुका हुआ-2
14.आदमी-2
16.वास करना-3
18.आकाश-2
20.घमंड-2
21.बदन-2
23.जातिवाद-3
25.पिघले पत्थर-2
27.रोग,-2
29.हाथ,टैक्स-2
31.लवण-3
33.ताकत-2
35.वचन-2
37.प्रयत्न-3
39.स्थिति -2
40.नवीन-2
42.सच्चा-2
44.राजा-3
46.हार-2
48.टौंटी-2
50.गुमान-2
52.पासों का खेल-3
54.काया-2
56.रात्रि-2
58.हुबहू-3
59. समय-2
61.सब्जी-2
63.गाड़ी-2
65.गैस-2

शब्द पहेली -3906 का हल

	स	र	ग	ना		आ	म	रा	य	
फि		न	ज	ला		फि	क	र		त
त	ल		ल	य		स	र		ला	ल
र	ह	ना		क	हा	र		ज	ल	वा
त	र	सा	ना		ति		ज	ल	च	र
			र	ह	म	दि	ल			
ब	ग	दा	द		ता		न	ज	रा	ना
र	म	ल		स	ई	स		प	ह	रा
ग	ला		स	दा		ल	स		त	य
द		ग	ली	चा		वा	न	र		ण
	का	श्त	का	र		र	म	जा	न	

घरेलू प्रदूषण

बचिए, दुश्मन आपके आस-पास है!

प्रदूषण आज संसार की सबसे बड़ी व प्रमुख समस्या है, जिससे पर्यावरण शास्त्री व वैज्ञानिक सभी चिंतित हैं। हमें यह तो मालूम है कि हमारे चारों ओर प्रदूषण विद्यमान है, परंतु हम उस प्रदूषण के प्रति चिंतित नहीं हैं, जो हमारे घर के अंदर है। सबसे ज्यादा प्रदूषित स्थान घरों की चहारदीवारी है, जिसमें हम अपने समय का 85 से 90 प्रतिशत भाग व्यतीत करते हैं। इसलिए अपने घर के अंदर होने वाले प्रदूषण के बारे में जानें और उससे बचने का प्रयास करें।

दैनिक जीवन में इस्तेमाल में कई ऐसी चीजें आती हैं जिन्हें हम आधुनिक जीवन का अनिवार्य अंग मानते हैं। धातुएँ, प्लास्टिक, रसायन व गैस, जो हम नित्य काम में लाते हैं उनसे स्वास्थ्य पर बड़ी क्षति हो रही है।

- रसोई घर में नल जिससे पानी आता है उसके जोड़ों में यदि रांगा है तो वह पानी को विषैला करता है। जिन बर्तनों में कलई करवाते हैं उसमें भी रांगा मिला होता है। पानी को साफ करने के लिए हम फिल्टर लगाते हैं उसमें लगी चलनियों को समय-समय पर बदलते रहना चाहिए अन्यथा इन फिल्टरों में भी कीटाणु पनप सकते हैं।
- रसोईघर में ईंधन के रूप में गैस का प्रयोग आम बात हो गई है। जिन चूल्हों में गैस पूरी तरह न जलती हो उनमें कार्बन मोनो ऑक्साइड गैस निकलती है, जो घातक जहर है। इसलिए रसाईघर का हवादार होना आवश्यक है। साथ ही गैस के चूल्हे की सफाई व रखरखाव भी ठीक होना चाहिए।
- घरों में मच्छर, खटमल, मक्खी व चींटी मारने के लिए जो कीटनाशक उपयोग में लाते हैं उनको सूँघने से कई प्रकार के श्वास रोग हो सकते हैं। यदि ये भोजन में मिल जाएँ तो और भी हानिकारक हो सकते हैं। अत: जहाँ तक संभव हो प्राकृतिक कीटनाशकों का प्रयोग करना चाहिए।
- ऐसा देखा गया है कि अंदर की हवा में बाहर की तुलना में प्रदूषकों की ज्यादा मात्रा पाई गई है। ये प्रदूषक गलीचों, लकड़ी के कैबिनेटों में पाए जाते हैं। जो घर या दफ्तर एकदम बंद रहते हैं जिनमें हवा के आने-जाने की व्यवस्था नहीं होती उनमें सबसे ज्यादा प्रदूषक रहते हैं। विशेष रूप से एक घातक रासायनिक प्रदूषक कार्बन मोनो ऑक्साइड को देश में सबसे बड़ी वायु प्रदूषण समस्या कहा गया है जिससे रातोंरात मृत्यु तक हो सकती है। इस गैस का जहर अंदर घरों में कोयला जलाने से फैल सकता है।
- वे लोग जो टेलीविजन व कम्प्यूटर का अधिक इस्तेमाल करते हैं, इनसे आँखों पर तो बुरा असर पड़ता ही है साथ ही हल्का विकिरण होने से शरीर पर बुरा असर पड़ता है।
- एयर कंडीशनर व फ्रिज से निकलने वाली गैस ओजोन परत को पतला करती है।
- एक और खतरनाक प्रदूषक तंबाकू का धुआँ है। यह कण तथा गैस छोड़ता है। सिगरेट का धुआँ प्रदूषण का बड़ा कारण है। धुएँ के कणों के आकार का बहुत महत्व है, क्योंकि यही दीवारों तथा अन्य स्थानों पर जमा होते हैं। यही श्वास के साथ अंदर जाते हैं और अपने आकार के हिसाब से ही फेफड़ों में प्रवेश करते हैं।

कुल मिलाकर शोध से यह पता चल रहा है कि मनुष्य ज्यों-ज्यों प्रकृति से दूर हो रहा है, प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। प्रयास करें कि जितना हो सके प्रकृति के निकट आएँ।

उपाय : मोहल्ले, कॉलोनियों में पौधारोपण से लेकर उसके वृक्ष बनने तक की जिम्मेदारी उठाएँ।

- किसी के जन्मदिन पर नीम, बबूल, तुलसी आदि के पौधे उपहार में दें।
- घर-आँगन के साथ अपने आसपास का वातावरण स्वच्छ रखें।
- हाशी दाँत के आभूषण, पर के कोट, साँप या अन्य जानवर की खाल से बने पर्स, बैग या बेल्ट का उपयोग न करें।

RATE TARIFF

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	- 50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	- 75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	- 25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	- 20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

जवान के बाद अब सलमान की फिल्म में एक्शन का दम दिखाएंगी नयनतारा

विशेषज्ञों की निगरानी में करेंगी स्टंट

सलमान खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म को लेकर चर्चा में हैं, जिसका निर्देशन वामशी पेडिपल्ली कर रहे हैं। इस फिल्म में सलमान के अपोजिट साउथ की लेडी सुपरस्टार नयनतारा नजर आएंगी। शीर्षक फाइनल नहीं होने के चलते अस्थाई रूप से इस फिल्म को स्ङ्घष्ट59 कहा जा रहा है। फिल्म को लेकर कहा जा रहा है कि इसमें नयनतारा एक्शन पैक्ड अवतार में नजर आएंगी।

दमदार एक्शन करेंगी नयनतारा

इससे पहले नयनतारा को बॉलीवुड फिल्म 'जवान' में शाहरुख खान के साथ देखा गया था। 'जवान' में भी नयनतारा का एक्शन देखने को मिला। उन्होंने अपने स्टंट से दर्शकों को हैरान कर दिया था। अब चर्चा है कि सलमान खान की आगामी फिल्म में भी वे दमदार एक्शन करती दिखेंगी। इससे फिल्म के प्रति दर्शकों में उत्साह बढ़ गया है।

एक्सपर्ट्स की निगरानी में खुद करेंगी स्टंट

मेकर्स की तरफ से फिलहाल इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक नयनतारा इस फिल्म में एक मजबूत और दमदार किरदार निभाती हुई दिखेंगी। बॉलीवुड हंगामा के मुताबिक, नयनतारा एक्टर सलमान खान के साथ एक एक्शन से भरपूर रोल में नजर आएंगी। इसके अलावा, वे एक्सपर्ट्स की देखरेख में अपने स्टंट खुद ही करेंगी। ऐसा लगता है कि उनका किरदार काफी दमदार और अहम होने वाला है।

मनाली में चल रही शूटिंग

इस फिल्म की शूटिंग फिलहाल मनाली में चल रही है, जहां एक महत्वपूर्ण शेड्यूल पर काम हो रहा है। एक्शन सीन्स के साथ-साथ, लीड जोड़ी के बीच की केमिस्ट्री भी चर्चा का विषय बन रही है। ऐसा कहा जा रहा है कि सलमान और नयनतारा के बीच अच्छी बॉन्डिंग हो रही है। सलमान खान और नयनतारा के अलावा, रिपोर्ट्स के मुताबिक राजपाल यादव भी इस फिल्म में एक अहम भूमिका निभाएंगे।

कब रिलीज होगी फिल्म

आने वाले महीनों में इस फिल्म की कास्टिंग को लेकर अनाउंसमेंट्स होने की उम्मीद है। मेकर्स इस फिल्म को ईद 2027 के मौके पर रिलीज करने की तैयारी कर रहे हैं। सलमान खान की फिल्में अक्सर त्योहारों के सीजन में ही रिलीज होती हैं। खासतौर से ईद के मौके पर वे दर्शकों को अपनी फिल्मों की रिलीज के रूप में तोहफा देते रहे हैं। इस फिल्म के अलावा सलमान वॉर ड्रामा फिल्म 'मातृभूमि' में भी नजर आएंगे।

म्यूजिकल ड्रामा फिल्म 'सतरंगा' लाएंगे भूषण

टी-सीरीज एक बार फिर बड़े स्तर की म्यूजिकल फिल्म लेकर आने की तैयारी में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, भूषण कुमार के नेतृत्व वाली कंपनी जल्द ही अपनी नई फिल्म 'सतरंगा' का आधिकारिक ऐलान कर सकती है। इंडस्ट्री सूत्रों के अनुसार, यह फिल्म एक भव्य म्यूजिकल ड्रामा होगी, जिसे बड़े सिनेमाई कैनवास पर तैयार किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि 'सतरंगा' सिर्फ एक पारंपरिक रोमांटिक फिल्म नहीं होगी, बल्कि इसमें संगीत कहानी की सबसे अहम कड़ी बनेगा। फिल्म को एक इमोशनल और विजुअली शानदार अनुभव के तौर पर डिजाइन किया जा रहा है, जहां गाने केवल कहानी का हिस्सा नहीं होंगे, बल्कि पूरी कहानी को आगे बढ़ाने का काम करेंगे। फिल्म की स्क्रिप्ट लगभग पूरी हो चुकी है और अब मेकर्स स्टारकास्ट को अंतिम रूप देने में जुटे हैं। हालांकि, अभी तक किसी कलाकार के नाम का खुलासा नहीं किया गया है।

शिवा ट्रिलॉजी जैसी फिल्म का हिस्सा बनना मेरा सपना

फिल्म इंडस्ट्री में कई कलाकार अब सिर्फ ग्लैमरस किरदारों तक सीमित नहीं रहना चाहते, बल्कि ऐसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनना चाहते हैं, जिनमें अभिनय के साथ भावनात्मक और आध्यात्मिक जुड़ाव भी हो। इसी बीच अभिनेत्री त्रिधा चौधरी ने आईएएनएस से बात करते हुए अपनी दिली इच्छा जाहिर की और कहा कि वह भविष्य में अभिनेता रणवीर सिंह के साथ काम करना चाहती हैं। अगर उन्हें 'शिवा ट्रिलॉजी' जैसी किसी पौराणिक फिल्म में काम करने का मौका मिले, तो वह उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा होगा। आईएएनएस ने जब त्रिधा से पूछा कि अगर उन्हें भविष्य में किसी बड़े ऐतिहासिक या पौराणिक फिल्म में काम करने का मौका मिले, तो वह किस तरह का किरदार निभाना पसंद करेंगी। इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि वह लेखक अमिश त्रिपाठी की मशहूर किताब 'शिवा ट्रिलॉजी' पर बनने वाली फिल्म का हिस्सा बनना चाहेंगी।

त्रिधा ने कहा, ''मैंने हाल ही में सुना है कि रणवीर सिंह ने 'शिवा ट्रिलॉजी' के फिल्मी राइट्स खरीद लिए हैं। उन्होंने आगे कहा, 'भगवान शिव के प्रति मेरी गहरी आस्था है, और यही वजह है कि 'शिवा ट्रिलॉजी' से मेरा भावनात्मक जुड़ाव भी है। मैंने इस किताब की पूरी सीरीज पढ़ी है और कहानी ने मुझे काफी प्रभावित किया। अगर मुझे किसी ऐसी पौराणिक फिल्म में अभिनय करने का मौका मिलता है, तो वह मेरे करियर का सबसे खास अनुभव होगा।' त्रिधा ने बातचीत के दौरान कहा, ''मेरे लिए सिर्फ खूबसूरत दिखना या ग्लैमरस किरदार निभाना ज्यादा मायने नहीं रखता। एक कलाकार की असली पहचान उसके अभिनय से होती है। अगर कोई कलाकार स्क्रीन पर सिर्फ अच्छा दिखे लेकिन अपने किरदार को सही तरीके से निभा न पाए, तो दर्शक उससे जुड़ नहीं पाते।''

सोहम शाह ने शेयर की तुम्बाड 2 की डिटेल्स

सोहम शाह फिल्म 'तुम्बाड 2' की तैयारियों में व्यस्त हैं। यह फिल्म साल 2018 में आई 'तुम्बाड' का सीक्वल है। 'तुम्बाड 2' को लेकर दर्शक उत्साहित हैं और बेसब्री से इसका इंतजार कर रहे हैं। इस बीच सोहम शाह ने सेट से एक बीटीएस तस्वीर शेयर करके दर्शकों का उत्साह और भी बढ़ा दिया है। मगर, उनके इस पोस्ट पर नेटिजंस को आलिया भट्ट याद आ गई हैं। सोहम शाह ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें सोहम शाह ने बीटीएस पल साझा किया है। उनके हाथ में सफेद रंग की एक चीज नजर आ रही है। इसके साथ सोहम शाह ने कैप्शन लिखा है, 'आज 'तुम्बाड 2' के सेट पर ये मिला। क्या मुझे चिंता करनी चाहिए' उन्होंने आगे लिखा है, 'प्रलय आएगी'।

सोहम शाह के इस पोस्ट पर नेटिजंस आलिया भट्ट को याद करते हुए कमेंट कर रहे हैं। वहीं, कुछ यूजर्स इसे शुभ हस्ताक्षर और आशीर्वाद बता रहे हैं। कुछ का कहना है कि ये आटे की गुड़िया लग रही है। कुछ यूजर्स लिख रहे हैं, 'आपको चिंता करनी चाहिए, लेकिन सिर्फ अच्छे के लिए'। आलिया को याद करते हुए एक यूजर ने लिखा है, 'आलिया को देखने के लिए बेसब्र हूं'। एक ने लिखा है, 'तुम्बाड-2 में आलिया हैं। अब ये सिर्फ एक फिल्म नहीं है, बल्कि पूरा सिनेमा है'।

फिल्म 'तुम्बाड 2' में आलिया भट्ट का कैमियो रोल होगा। वहीं, तीसरे पार्ट में उनका यह किरदार विस्तृत रूप में देखने को मिलेगा। साल 2018 में आई 'तुम्बाड' का निर्देशन राही अनिल बर्वे ने किया था। हालांकि, 'तुम्बाड 2' का निर्देशन वो नहीं कर रहे हैं। 'तुम्बाड 2' का निर्देशन आदेश प्रसाद कर रहे हैं। आदेश प्रसाद फिल्म के पहले पार्ट के को-राइटर और को-डायरेक्टर भी थे। फिल्म का निर्माण सोहम शाह अपने बैनर सोहम शाह फिल्म्स के तहत और पेन स्टूडियोज के सहयोग से कर रहे हैं। इस बार फिल्म में सोहम शाह के साथ नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे।

तुषार कपूर ने अपने नए प्रोजेक्ट, सोशल मीडिया, राजनीति पर बात की

तुषार कपूर बॉलीवुड के उन कलाकारों में गिने जाते हैं, जिन्होंने कॉमेडी, ड्रामा और मल्टीस्टारर फिल्मों में अपनी अलग पहचान बनाई है। वह अपनी बेबाकी के लिए भी जाने जाते हैं। हाल ही में बातचीत के दौरान उन्होंने अपने नए प्रोजेक्ट, सोशल मीडिया, राजनीति और आज की युवा पीढ़ी को लेकर बात की। उन्होंने कहा कि आज का भारत पहले से ज्यादा जागरूक हो चुका है और सोशल मीडिया ने लोगों को राजनीति और देश के मुद्दों के प्रति काफी सतर्क बनाया है।

तुषार कपूर ने अपने आने वाले प्रोजेक्ट को लेकर उत्साह जाहिर किया। उन्होंने कहा, ''मैं एक बार फिर दर्शकों के सामने कुछ नया लेकर आने के लिए बेहद उत्साहित हूं। यह मेरे लिए खास अनुभव है क्योंकि मैं लंबे समय बाद फिर उसी तरह के किरदार और माहौल में लौट रहा हूं। फिल्म का लगभग 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है, लेकिन अभी भी 10 से 15 दिनों की शूटिंग बाकी है।'' उन्होंने निर्देशक रोहित शेट्टी की जमकर तारीफ करते हुए कहा, ''मैं खुद को बेहद खुशकिस्मत मानता हूं कि मुझे रोहित शेट्टी के साथ कई बार काम करने का मौका मिला। वह देश के सबसे सफल निर्देशकों में गिने जाते है। मैंने उनके साथ चार बार काम किया है और चारों बार फिल्मों को ब्लॉकबस्टर सफलता मिली। अब मुझे उम्मीद है कि पांचवीं बार भी दर्शकों का वैसा ही प्यार मिलेगा।''

तुषार कपूर ने सोशल मीडिया और राजनीति पर भी खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, ''पहले हमारी पीढ़ी राजनीति को इतना करीब से नहीं समझती थी, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। अब मैं खुद राजनीतिक बहस और न्यूज डिबेट्स को ध्यान से देखता हूं। आज मुझे देश के अलग-अलग राज्यों की राजनीति और वहां की पार्टियों की जानकारी है। सोशल मीडिया और न्यूज प्लेटफॉर्म्स ने ज्यादा जागरूक बना दिया है। भारत में अब लोग राजनीति को गंभीरता से लेने लगे हैं। मतदान प्रतिशत लगातार बढ़ रहा है क्योंकि लोग अब वोट देने के लिए घरों से बाहर निकल रहे हैं। साल 2014 के बाद देश में राजनीति को लेकर जागरूकता और ज्यादा बढ़ी है।तुषार ने कहा, ''आज की युवा पीढ़ी का एक बड़ा हिस्सा काफी समझदार और जागरूक है।

फादरहुड के बाद आए बदलाव अच्छे हैं

बात 'सरबजीत' और 'स्वातंर्त्य वीर सावरकर' जैसी फिल्मों में हैरान कर देने वाले बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन की हो या निजी जिंदगी में बेबाकी से अपनी राय रखने की, ऐक्टर रणदीप हुड्डा अपनी जिंदगी में हमेशा ही बेखौफ और रिस्क टेकर रहे हैं। कुछ हद तक अपनी हालिया सीरीज के हीरो 'इंस्पेक्टर अविनाश' की तरह, लेकिन अब यह आजाद परिंदा एक फैमिली मैन, एक नन्ही परी न्योमिका का पिता भी बन चुका है और रणदीप मानते हैं कि पिता बनने के बाद जिंदगी में काफी सारे सकारात्मक और सुखद बदलाव आते हैं।

फादरहुड के बाद खुद में आए बदलावों के बारे में रणदीप बताते हैं, 'बदलाव बिल्कुल आए हैं। लाइफ में थोड़ा ठहराव आ गया है। जिम्मेदारी का अहसास बढ़ गया है। अपने निजी स्वार्थ से ऊपर उठकर एक अनकंडीशनल लव के बारे में सोचना और वह सोच खुद आपके अंदर आ जाती है। अब काम से घर जाने की इच्छा और ज्यादा बढ़ गई है। एक विनम्रता आ गई है। दुनिया के प्रति भी सोच नरम हो गई है तो मेरे लिए बहुत ही समृद्ध करने वाला अनुभव है। हालांकि, अभी मैं वह अनुभव कर ही रहा हूं। अभी मैं नया-नया पिता बना हूं लेकिन निश्चित तौर पर काफी सारे पॉजिटिव बदलाव हैं। मैं खुद को इसके लिए बहुत ही भाग्यशाली मानता हूं।'

डिप्लोमेसी होनी चाहिए, पर मुझमें नहीं है

अपनी बेहतरीन अभिनय क्षमता और बिंदास एटीट्यूट के लिए मशहूर रहे रणदीप यह भी मानते हैं कि इंसान को जिंदगी में नाप-तौल को बोलना और बर्ताव करना यानी डिप्लोमेसी आनी चाहिए, मगर उनमें यह गुण नहीं है। बकौल रणदीप, 'आपके बेबाक और बिंदास होने के नुकसान भी होते हैं लेकिन दिक्कत यह है कि आप जो नहीं हैं, वह बनकर रहने में ज्यादा मेहनत लगती है। फूंक-फूंक कर बोलने के चक्कर में आप एक झूठ बोलते हैं, फिर हजार झूठ बोलते हैं तो उससे बेहतर है कि सच पर ही रहो। जो लोग आपके साथ काम करना चाहेंगे वे करेंगे।'

कॉप के रोल से बच रहा था

रणदीप हुड्डा इन दिनों अपनी वेब सीरीज इंस्पेक्टर अविनाश के दूसरे सीजन को लेकर चर्चा में हैं। शो में वह यूपी के चर्चित कॉप इंस्पेक्टर अविनाश की भूमिका में काफी सराहे गए, मगर शुरू में उन्होंने यह रोल करने से ही मना कर दिया था। वजह पूछने पर वह बताते हैं, 'दरअसल, मैं कॉप का रोल करने से बच रहा था। मुझे लगा था कि मैं कॉप के किरदार कुछ ज्यादा ही कर रहा हूं तो कहीं टाइपकास्ट ही ना हो जाऊं, मगर जब नीरज भाई (डायरेक्टर नीरज पाठक) ने कहानी सुनाई, तो मैं ना नहीं कर पाया।' वहीं, टाइप कास्टिंग के खतरे पर रणदीप आगे कहते हैं, 'टाइप कास्टिंग इंडट्री का एक कड़वा सच है, मगर चॉइस आपके हाथ में होती है कि आप खुद को दोहराना चाहते हैं या नहीं। कोई जबरदस्ती तो आपसे कुछ करा नहीं लेगा। मैंने काफी बार ऐसे रोल मना किए हैं, जो हाल ही किए होते हैं या उसमें मुझे नयापन नहीं लगता। वैसे, काम मना करना भी आसान नहीं होता है, क्योंकि ऐक्टर का सबसे बड़ा काम ही काम पाना है। वरना उसके लिए एक बहुत बड़ी मशीनरी लगती है जो सबके बस की बात नहीं है।'

राइटिंग में मजा आ रहा है

रणदीप ने अपनी फिल्म स्वातंर्त्य वीर सावरकर में निर्माता-निर्देशक की भूमिका भी निभाई थी। उस ओर आगे का प्लान पूछने पर उन्होंने बताया, 'बहुत कुछ चल रहा है। हालांकि, जब मैं वीर सावरकर पूरी करके रिलीज कर रहा था, तब कान पकड़ लिया था कि आज के बाद कभी ऐसा नहीं करूंगा, लेकिन आपको कभी न करने वाली बात नहीं कहनी चाहिए। मैंने दो स्क्रिप्ट्स लिखी हैं। और भी लिख रहा हूं। मुझे राइटिंग में बहुत मजा आने लगा है। पहले क्या होता था कि जब बतौर ऐक्टर रोल आते थे तो हम करते थे, वरना काउच से बिस्तर और बिस्तर से काउच के बीच एक बड़ी लंबी जर्नी होती है। उसमें बहुत वक्त खाली बीतता था पर राइटिंग शुरू करने के बाद जब मैं ऐक्टिंग नहीं कर रहा होता हूं तब भी बहुत एक्साइटेड रहता है कि ऑफिस में जाकर कुछ लिख दूं, कुछ को-राइट कर लूं। कुछ फिल्म देख लूं तो बहुत कुछ करने का उत्साह रहता है जो सबसे बड़ी बात है।'

भारत-बांग्लादेश सीमा पर तनाव, कथित अवैध नागरिकों को लेकर बीएसएफ और बीजीबी आमने-सामने

ढाका (एजेंसी)। भारत-बांग्लादेश सीमा पर कथित अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को लेकर एक असामान्य स्थिति देखने को मिली, जिसके बाद सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के बीच कई दौर की बातचीत हुई। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पश्चिम बंगाल के पेट्रापोल सीमा क्षेत्र में कुछ लोगों को लेकर दोनों देशों की सीमा सुरक्षा एजेंसियों के बीच गतिरोध की स्थिति बन गई। रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तरी 24 परगना जिले के पेट्रापोल क्षेत्र स्थित जयंतिपुर बॉर्डर आउटपोस्ट के पास कुछ कथित बांग्लादेशी नागरिकों को सीमा के निकट नो-मैन्स लैंड क्षेत्र में देखा गया। इनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल बताए गए। इसके बाद बांग्लादेश की सीमा सुरक्षा एजेंसी बीजीबी ने मामले पर आपत्ति जाहिर की और संबंधित व्यक्तियों की नागरिकता तथा पहचान के सत्यापन की मांग की। बताया गया कि इस मुद्दे को लेकर दोनों देशों की सीमा सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों के बीच फ्लैग मीटिंग आयोजित की गई। हालांकि प्रारंभिक बातचीत में कोई स्पष्ट समाधान नहीं निकल सका और मामला कुछ समय तक लंबित रहा। बीजीबी अधिकारियों का कहना था कि किसी भी व्यक्ति को स्वीकार करने से पहले उसकी नागरिकता, पते और अन्य दस्तावेजों का उचित सत्यापन आवश्यक है। मामले के बाद सीमा क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था और सतर्कता बढ़ा दी गई। बीजीबी ने अपनी ओर निगरानी तेज कर दी, जबकि बीएसएफ ने भी सीमावर्ती इलाकों में गश्त और निगरानी बढ़ाई। रिपोर्टों के अनुसार, दोनों पक्षों ने सीमा पर किसी भी तरह की अवैध गतिविधि को रोकने के लिए अतिरिक्त कदम उठाए हैं। यह घटनाक्रम तब आया है जब भारत और बांग्लादेश के बीच अवैध प्रवासन, सीमा प्रबंधन और नागरिकता सत्यापन जैसे मुद्दे चर्चा में हैं। अधिकारियों का कहना है कि किसी भी व्यक्ति को वापस भेजने या स्वीकार करने की प्रक्रिया अंतरराष्ट्रीय नियमों और द्विपक्षीय प्रोटोकॉल के तहत ही पूरी की जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि सीमा से जुड़े इसतरह के मामलों में दोनों देशों के बीच समन्वय और सत्यापन प्रक्रिया बेहद महत्वपूर्ण होती है। फिलहाल संबंधित व्यक्तियों की पहचान और नागरिकता की पुष्टि को लेकर जांच और आधिकारिक प्रक्रिया जारी है, जबकि दोनों देशों की सुरक्षा एजेंसियां स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

जापान में 5 हजार भारतीय रेस्टोरेंट बंद होने की कगार पर

टोक्यो (एजेंसी)। जापान में भारतीय रेस्टोरेंट उद्योग इन दिनों गंभीर संकट से गुजर रहा है। देशभर में संचालित करीब 5 हजार भारतीय रेस्टोरेंट बढ़ती लागत, सख्त नियमों और श्रमिकों की कमी के कारण बंद होने की कगार पर पहुंच गए हैं। जापान में लगभग 69 हजार भारतीय रहते हैं, जिनमें बड़ी संख्या रेस्टोरेंट व्यवसाय से जुड़ी हुई है। भारतीय और नेपाली समुदाय द्वारा संचालित ये रेस्टोरेंट जापानी शहरों में करी और मसालेदार व्यंजनों के लिए लोकप्रिय हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सरकार ने विदेशी कर्मचारियों को लेकर नियम कड़े कर दिए हैं। पहले जहां कुशल विदेशी श्रमिकों को अपेक्षाकृत आसानी से वीजा मिल जाता था, वहीं अब स्थायी निवास और रोजगार संबंधी शर्तें सख्त हो गई हैं। इसके साथ ही रेस्टोरेंट मालिकों पर कर और प्रशासनिक खर्च का बोझ भी बढ़ा है। कई व्यवसायियों का कहना है कि कमाई घट रही है, जबकि किराया, वेतन और अन्य खर्च लगातार बढ़ रहे हैं। भारतीय रेस्टोरेंट उद्योग में नेपाली कर्मचारियों की भी बड़ी भूमिका रही है, लेकिन नए नियमों के कारण श्रमिकों की उपलब्धता प्रभावित हुई है। इससे छोटे और मध्यम स्तर के रेस्टोरेंट सबसे अधिक दबाव में हैं। उद्योग से जुड़े लोगों का मानना है कि यदि सरकार ने राहत नहीं दी तो आने वाले वर्षों में बड़ी संख्या में भारतीय रेस्टोरेंट बंद हो सकते हैं, जिससे हजारों लोगों की आजीविका प्रभावित होगी और जापान में भारतीय खानपान की पहचान को भी झटका लग सकता है।

पश्चिम एशिया संघर्ष में चीन द्वारा ईरान की सैन्य मदद के नहीं मिले सबूत

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने हाउस एप्रोप्रियेशन्स सबकमेटी की सुनवाई में कहा कि अमेरिका को ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है कि मौजूदा क्षेत्रीय संकट में चीन ने ईरान को सैन्य मदद की हो। रुबियो ने बताया कि उन्होंने बीजिंग से अपील की कि वह होर्मुज स्?ट्रेट में नौवहन खुलवाने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रयासों का समर्थन करें। रुबियो ने कहा कि मैं कहूंगा कि चीन ने ईरान को किसी भी तरह की सहायता नहीं दी है और न ही उसने हमारे अभियानों या हमारी काम करने की क्षमता में कोई बाधा डाली है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विदेश मंत्री ने माना कि ईरान के पास चीन में बने कुछ सैन्य उपकरण हैं और दोनों देशों के बीच लंबे समय से संबंध हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि अमेरिका ने हाल के संघर्ष में चीन की ओर से ऐसी कोई गतिविधि नहीं देखी है जिससे युद्ध की स्थिति या सैन्य संतुलन पर कोई असर पड़ा हो। रुबियो ने चीन के रवैये को सावधानीपूर्ण बताया। उनका कहना था कि बीजिंग ने ईरान के साथ अपने व्यापक रणनीतिक संबंधों के बावजूद इस संकट में सीधे तौर पर शामिल होने से बचने की कोशिश की है। साथ ही रुबियो ने चीन से संयुक्त राष्ट्र में ज्यादा रचनात्मक भूमिका निभाने की अपील की, खासकर होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले समुद्री यातायात में आ रही बाधाओं को दूर करने के प्रयासों में। रुबियो के मुताबिक अमेरिका संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के एक प्रस्ताव का समर्थन कर रहा है, जिसका उद्देश्य इस अहम समुद्री मार्ग में पैदा हुई स्थिति का समाधान करना है। दुनिया के तेल व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। रुबियो ने कहा कि अगर वास्तव में वे जलडमरूमध्य को बंद किए जाने के खिलाफ हैं, तो उन्हें इस प्रस्ताव का समर्थन करना चाहिए या कम से कम इससे दूरी बनाते हुए वीटो का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्थिरता बहाल करने के प्रयासों का समर्थन करने के लिए चीन के पास मजबूत आर्थिक कारण हैं, क्योंकि उसकी अर्थव्यवस्था वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति पर काफी निर्भर है।

रुबियो के नए दावे से पलटी थ्योरी, जीवित हैं मोजतबा खामेनेई!

वॉशिंगटन (एजेंसी)। वॉशिंगटन(ईएमएस)। भीषण संघर्षविराम की कोशिशों के बीच अमेरिका ने ईरानी सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई को लेकर एक ऐसा चौंकाने वाला दावा किया है, जो उसके अब तक के बयानों से बिल्कुल उलट है। अमेरिका अब तक लगातार यह कहता आया था कि मोजतबा खामेनेई अमेरिकी सैन्य हमले में मारे गए हैं या फिर वे इतने गंभीर रूप से घायल हो चुके हैं कि अब सक्रिय नहीं हैं। हालांकि, अब अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने आधिकारिक तौर पर कहा है कि मोजतबा खामेनेई न सिर्फ जीवित हैं, बल्कि सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आने के बावजूद देश के प्रशासनिक और रणनीतिक फैसलों में पहले से कहीं ज्यादा सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

अमेरिकी सीनेट की विदेश संबंध समिति के सामने बोलते हुए रुबियो ने स्पष्ट किया कि ऐसे पुख्ता संकेत मिले हैं कि खामेनेई पर्दे के पीछे से लगातार देश की निर्णय प्रक्रिया में शामिल हैं और ईरान के सरकारी मामलों में उनकी भागीदारी लगातार बढ़ रही है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, इस साल 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल की ओर से किए गए संयुक्त सैन्य हमलों के दौरान खामेनेई घायल हो गए थे, जिसके बाद से वे सार्वजनिक मंचों पर दिखाई नहीं दिए हैं। हालांकि, अमेरिकी प्रशासन का अब मानना है कि वे किसी सुरक्षित स्थान से एन्क्रिप्टेड संचार माध्यमों और अपने बेहद भरोसेमंद नेटवर्क के जरिये सरकारी कामकाज की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं।

रुबियो का यह बयान ऐसे समय में आया है जब ईरान और अमेरिका के बीच युद्धविराम को स्थायी रूप देने की कूटनीतिक कोशिशें जारी हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस प्रगति नहीं हो सकी है। अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा कि वॉशिंगटन अब भी तेहरान के साथ किसी समझौते की संभावना देख रहा है और हालात कभी भी सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट शर्तों का जिक्र करते हुए कहा कि अगर ईरान प्रतिबंधों में राहत चाहता है, तो उसे हॉर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह खोलना होगा और अंतरराष्ट्रीय जहाजों की आवाजाही पर से सभी प्रतिबंध या शुल्क हटाने होंगे। साथ ही ईरान को यह भरोसा देना होगा कि वह हॉर्मुज स्ट्रेट में बिछाई गई बारूदी सुरंगों को हटाने में सहयोग करेगा।

इसके अलावा, अमेरिका चाहता है कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम पर दीर्घकालिक सख्त सीमाओं को स्वीकार करे या यूरेनियम संवर्धन गतिविधियों को पूरी तरह समाप्त करे। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी संकेत दिया था कि हॉर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने को लेकर जल्द कोई समझौता हो सकता है। हालांकि, ईरान ने फिलहाल मध्यस्थों के जरिए चल रही वार्ताओं को रोक रखा है। तेहरान का कहना है कि जब तक लेबनान में इजरायली सैन्य कार्रवाई बंद नहीं होती, तब तक किसी नई बातचीत का कोई औचित्य नहीं है।

कनाडा में भारत-पाकिस्तान से आने वाले आवेदनों की प्रोसेसिंग अवधि में हुआ सुधार

टोरंटो। कनाडा के इमिग्रेशन, रिफ्यूजीज़ एंड सिटिजनशिप कनाडा ने नए आवेदनकर्ताओं के लिए प्रोसेसिंग टाइम की ताजा जानकारी दी है। पहले से तय समय से तुलना करने पर पता चलता है कि भारत और पाकिस्तान से आने वाले कई आवेदनों की प्रोसेसिंग अवधि में सुधार हुआ है। वहीं, नाइजीरिया और अमेरिका से जुड़े कुछ आवेदन श्रेणियों में प्रतीक्षा अवधि बढ़ी है। वर्क परमिट आवेदनों में पाकिस्तान से आवेदन करने वालों के लिए प्रोसेसिंग टाइम 6 सप्ताह और भारत के लिए 9 सप्ताह किया गया है। कनाडा के अंदर से किए गए आवेदनों की प्रोसेसिंग 212 दिनों से घटकर 206 दिन हो गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नाइजीरिया के आवेदकों को बड़ा झटका लगा है। वहां वर्क परमिट की प्रोसेसिंग अवधि 6 सप्ताह से बढ़कर 12 सप्ताह हो गई है। अमेरिका और फिलीपींस के लिए समय सीमा 5 और 8 सप्ताह है। स्टडी परमिट के मामले में भी पाकिस्तान के आवेदकों को बड़ी राहत मिली है। वहां प्रोसेसिंग टाइम 11 सप्ताह से घटकर 7 सप्ताह कर दिया गया है। भारत के लिए यह अवधि 4 सप्ताह है। कनाडा के अंदर से किए गए स्टडी परमिट आवेदनों की प्रोसेसिंग अवधि 6 सप्ताह है। वहीं, नाइजीरिया में यह समय 5 सप्ताह से बढ़कर 6 सप्ताह हो गया है। अमेरिका और फिलीपींस के लिए प्रोसेसिंग टाइम 5 सप्ताह है। विजिटर वीजा आवेदनों में ज्यादातर देशों के लिए प्रोसेसिंग टाइम में मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई है। भारत के लिए यह अवधि 28 दिन कर दी गई है। अमेरिका के लिए 25 और फिलीपींस के लिए 20 दिन कर दी गई है। कनाडा के अंदर से किए गए विजिटर वीजा आवेदनों का प्रोसेसिंग टाइम 11 दिनों से बढ़कर 16 दिन हो गया है। पाकिस्तान के लिए यह अवधि 50 दिनों पर स्थिर रही, जबकि नाइजीरिया में यह 47 दिनों से बढ़कर 48 दिन हो गई। सुपर वीजा श्रेणी में भारत और पाकिस्तान के आवेदकों को सबसे बड़ा फायदा मिला है। भारत के लिए प्रोसेसिंग टाइम 160 दिनों से घटकर 117 दिन कर दिया है। वहीं पाकिस्तान में यह अवधि 107 दिनों से घटकर 75 दिन कर दी है। इसके विपरीत, अमेरिका से किए गए सुपर वीजा आवेदनों की प्रोसेसिंग अवधि 103 दिनों से बढ़कर 115 दिन हो गई है। नाइजीरिया में यह समय 35 से बढ़कर 37 दिन हुआ, जबकि फिलीपींस में यह 32 दिनों पर स्थिर रहा।

आयोवा नरसंहार- आखिर सुपरपावर अमेरिका में क्यों नहीं थम रहा खूनी खेल?

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के आयोवा राज्य का मस्कटाइन शहर मंगलवार की सुबह अंधाधुंध गोलियों की तड़तड़ाहट से दहल उठा। एक ही परिवार के 7 लोगों की बेरहमी से गोली मारकर हत्या कर दी गई, जिसके बाद हमलावर ने खुद को भी उड़ा लिया। पुलिस के मुताबिक, यह खूनी खेल एक घरेलू विवाद का नतीजा था, जिसे 52 वर्षीय रायन विलिस मैकफारलैंड नामक शख्स ने अंजाम दिया। पार्क एवेन्यू के एक घर से शुरू हुआ मौत का यह सिलसिला मिल स्ट्रीट और ग्रैंडव्यू एवेन्यू तक जा पहुंचा। पुलिस ने जब संदिग्ध को घेरा, तो उसने खुद को गोली मार ली। पुलिस भले ही इसे घरेलू मामला बताकर पल्ला झाड़ ले कि अब समुदाय को कोई खतरा नहीं है, लेकिन इस भयावह घटना ने एक बार फिर दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश पर सबसे बड़ा सवालिया निशान खड़ा कर दिया है आखिर अमेरिका में बार-बार मास शूटिंग क्यों हो रही है?

हथियारों की सनक या कानून की लाचारी?

आयोवा का यह नरसंहार कोई इकलौती घटना नहीं है। यह अमेरिकी समाज में गहरे धंस चुके गन कल्चर की उस सड़ी हुई हकीकत को बयां करता है, जहां मामूली विवादों का निपटारा भी बंदूकों से किया जाता है। आखिर ऐसा क्यों है कि अमेरिका में हर नागरिक के पास घातक हथियार रखने का अधिकार तो है, लेकिन उनकी सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं है? हर बड़ी घटना के बाद वहां गन कंट्रोल (हथियार नियंत्रण) पर बहस तो छिड़ती है, लेकिन नतीजा सिफर रहता है। राजनीतिक नफा-नुकसान और हथियार लॉबी के दबाव के आगे अमेरिकी प्रशासन बेबस नजर आता है।

ओबामा की जिस डील पर ट्रंप भड़के थे अब उसी को अपना रहे राष्ट्रपति

-ईरान के साथ परमाणु समझौते पर चर्चा

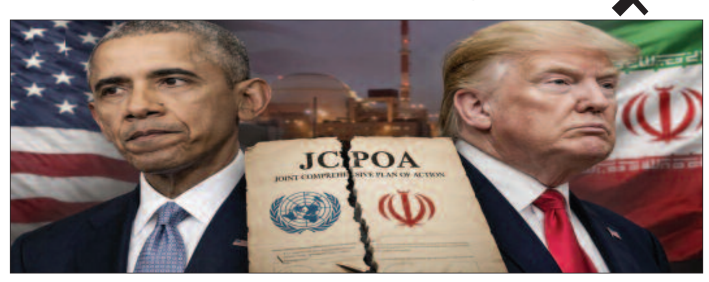

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राजनीति में शायद ही कोई ऐसा मुद्दा रहा हो, जिस पर डोनाल्ड ट्रंप ने बराक ओबामा की उतनी तीखी आलोचना की हो, जितनी 2015 की ईरान परमाणु डील को लेकर की थी। ट्रंप ने उस समय जॉइंट कॉम्प्रिहेंसिव प्लान ऑफ एक्शन को अमेरिकी इतिहास का सबसे खराब समझौता बताया था। साल 2018 में राष्ट्रपति रहते हुए उन्होंने इस डील से अमेरिका को बाहर निकालकर इसे अपनी सबसे बड़ी विदेश नीति उपलब्धियों में गिनाया था। लेकिन अब हालात ऐसे बनते दिख रहे हैं कि ईरान के साथ नए समझौते की कोशिशों में ट्रंप को उसी पुराने मॉडल का सहारा लेना पड़ सकता है, जिसे उन्होंने कभी पूरी दुनिया के सामने नाकाम और खतरनाक करार दिया था। यही वजह है कि अमेरिका में एक नई राजनीतिक बहस छिड़ गई है कि क्या ट्रंप वास्तव में कोई नई और मजबूत डील बना रहे हैं या सिर्फ पुराने समझौते को ही नए पैकेज में पेश करने की कोशिश हो रही है।

दिलचस्प बात यह है कि ईरान के साथ चल रही मौजूदा बातचीत के कई बिंदु सीधे तौर पर ओबामा युग के जेसीपीओए की याद दिलाते हैं। प्रस्तावित समझौते में युद्धविराम बढ़ाने, होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर नई वार्ता शुरू करने जैसी शर्तें शामिल हैं। ट्रंप प्रशासन चाहता है कि ईरान अगले 20 साल तक यूरेनियम संवर्धन न करे और कभी परमाणु हथियार विकसित न करने की गारंटी दे, जिसे तेहरान फिलहाल खारिज कर रहा है। ट्रंप जब पहली बार राष्ट्रपति बने थे, तब उन्होंने दावा किया था कि ओबामा प्रशासन ने ईरान के सामने घुटने टेक दिए हैं और इस डील ने तेहरान को अरबों डॉलर दिए। लेकिन अमेरिका के पीछे हटने के बाद ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम को और तेज कर दिया। जहां 2015 की डील के तहत ईरान केवल 3.67 प्रतिशत तक यूरेनियम संवर्धन कर सकता था, वहीं आज वह 60 प्रतिशत तक संवर्धित यूरेनियम जमा कर चुका है, जो हथियार-ग्रेड स्तर के बेहद करीब है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि वर्तमान वार्ता का पूरा ढांचा ओबामा युग की डील पर ही आधारित नजर आता है। दोनों में फर्क सिर्फ इतना है कि अब इसमें होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने की बात जोड़ी जा रही है। जानकारों के मुताबिक, ट्रंप इस बात को लेकर बेहद चिंतित होंगे कि उनकी डील की तुलना ओबामा की डील से न की जाए, क्योंकि उस समझौते को खत्म करना उनके पहले कार्यकाल की सबसे बड़ी पहचान थी। यदि नई डील में भी ईरान को प्रतिबंधों से राहत और जमे हुए अरबों डॉलर तक पहुंच मिलती है, तो ट्रंप के लिए अपने समर्थकों को यह समझाना मुश्किल होगा कि यह समझौता पुराने समझौते से किस तरह अलग और बेहतर है।

रूस ने यूक्रेन पर किया हमला, 23 की मौत, 90 घायल

- मिसाइल संकट ने बढ़ाई जेलेंस्की की चिंता

कीव (एजेंसी)। रूस ने मंगलवार देर रात यूक्रेन पर हाल के महीनों का सबसे बड़ा और विनाशकारी हवाई हमला किया है। सैकड़ों ड्रोन और दर्जनों अत्याधुनिक मिसाइलों से कीव सहित पूरे देश को निशाना बनाया गया। इस भीषण हमले में कम से कम 23 लोगों की मौत हो गई और 90 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यूक्रेनी वायुसेना द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, रूस ने इस हमले में 656 ड्रोन और 73 मिसाइलें दागीं। हालांकि, यूक्रेनी एयर डिफेंस सिस्टम ने मुस्तैदी दिखाते हुए कई खतरों को हवा में ही नष्ट कर दिया, लेकिन इसके बावजूद 54 ड्रोन और 33 मिसाइलें सुरक्षा कवच को भेदने में कामयाब रहीं, जिससे कई इलाकों में आवासीय इमारतें जमींदोज़ हो गईं। इस हमले ने यूक्रेन की सबसे बड़ी सैन्य कमजोरी को एक बार फिर दुनिया के सामने उजागर कर दिया है, जो कि पैट्रियट एंटी-बैलिस्टिक मिसाइलों की भारी कमी है।

पैट्रियट सिस्टम रूस की एडवांस बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने में सबसे अचूक माना जाता है, लेकिन यूक्रेन के पास इसकी बेहद सीमित संख्या है। राष्ट्रपति व्लोदिमीर जेलेंस्की ने भी खुलकर स्वीकार किया कि मौजूदा हथियार आपूर्ति के सहारे वे इतनी बड़ी संख्या में मिसाइलों को रोकने में सक्षम नहीं हैं। उन्होंने अमेरिका और यूरोपीय सहयोगियों से तुरंत सैन्य मदद की गुहार लगाई है।

पैट्रियट मिसाइलों की इस किल्लत के पीछे मुख्य वजह अमेरिका की सीमित उत्पादन क्षमता है। अमेरिका इस प्रणाली का मुख्य उत्पादक है, लेकिन उसकी सालाना उत्पादन क्षमता अभी सिर्फ 650 मिसाइलों के आसपास ही है। इसके अलावा, ईरान के साथ हालिया संघर्ष में अमेरिका और इजरायल द्वारा इन मिसाइलों का भारी इस्तेमाल किए जाने से वैश्विक स्टॉक और कम हो गया है। साथ ही, ट्रंप प्रशासन की अमेरिका फर्स्ट नीति के तहत अमेरिका पहले अपनी आंतरिक सुरक्षा जरूरतें पूरी कर रहा है, जिसके कारण यूक्रेन को आपूर्ति मिलने में देरी हो रही है। बदलते हालात के बीच राष्ट्रपति जेलेंस्की ने व्हाइट हाउस और अमेरिकी कांग्रेस को पत्र लिखा है। अब तक यूक्रेन सीधे तौर पर तैयार हथियार मांग रहा था, लेकिन अमेरिका के पास घटते स्टॉक को देखते हुए अब जेलेंस्की ने मिसाइलों का प्रोडक्शन लाइसेंस मांगा है। यह कदम यूक्रेन की बढ़ती हताशा के साथ-साथ एक बड़े प्रतीकात्मक बदलाव को भी दिखाता है, जहां कभी हथियार मांगने वाला देश अब खुद निर्माण तकनीक की मांग कर रहा है। रूस इस स्थिति का फायदा उठाकर हमले तेज कर रहा है। यदि पश्चिमी देशों ने जल्द ही बड़े पैमाने पर मदद नहीं भेजी, तो यूक्रेन के शहरों पर तबाही का खतरा और गहरा सकता है।

कुवैत में अमेरिकी ठिकानों पर ईरान ने कर दिया हमला

कुवैत सिटी (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान के बीच जारी सैन्य टकराव के कारण खाड़ी क्षेत्र में तनाव अपने चरम पर पहुंच गया है। इस बीच एक बड़े घटनाक्रम में ईरान ने कुवैत में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले करने का दावा किया है। इस दावे के बाद पूरे खाड़ी क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बेहद संवेदनशील हो गई है और कुवैत की सेना को हाई अलर्ट पर रख दिया गया है। बुधवार को कुवैत के कई हिस्सों में अचानक तेज धमाकों की आवाजें सुनाई देने से हड़कंप मच गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए कुवैत की सेना के जनरल स्टाफ ने एक आधिकारिक बयान जारी कर स्थिति स्पष्ट की।

सेना ने पुष्टि की कि नागरिकों द्वारा सुनी गई धमाकों की आवाजें दरअसल उसके एयर डिफेंस सिस्टम की सक्रियता के कारण थीं। कुवैती सैन्य अधिकारियों के अनुसार, देश के एयर डिफेंस सिस्टम ने मुस्तैदी दिखाते हुए आसमान में ही दुश्मन की कई मिसाइलों और ड्रोनों को इंटरसेप्ट कर उन्हें सफलतापूर्वक नष्ट कर दिया। कुवैत की सेना ने अपने बयान में कहा, हमारा एयर डिफेंस सिस्टम इस समय दुश्मन के मिसाइल और ड्रोन हमलों का कड़ा मुकाबला कर रहा है। यदि आगे भी धमाकों की आवाजें सुनाई देती हैं, तो जनता पैनिक न हो, क्योंकि वे दुश्मन के हवाई हमलों को रोकने के लिए की जा रही जवाबी सैन्य कार्रवाई का ही परिणाम हैं।

इस हवाई कार्रवाई के बाद कुवैती सैन्य अधिकारियों ने नागरिकों और वहां रह रहे प्रवासियों के लिए एक सख्त एडवायजरी जारी की है। लोगों को हिदायत दी गई है कि वे आसमान से गिरने वाले किसी भी मलबे, छर्रों या अज्ञात वस्तुओं के पास बिल्कुल न जाएं, क्योंकि ये खतरनाक और जानलेवा हो सकते हैं। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल सऊद अब्दुलअजीज अल-ओतैबी ने जनता से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध वस्तु के दिखने पर तुरंत 112 आपातकालीन हॉटलाइन पर सूचित करें। साथ ही, उन्होंने लोगों से अफवाहों से बचने और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करने का आग्रह किया है। दूसरी तरफ, ईरान के सरकारी मीडिया ने इस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए दावा किया है कि कुवैत में मौजूद अमेरिकी सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया है। ईरान का कहना है कि यह कार्रवाई फारस की खाड़ी, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज और केश्म द्वीप पर अमेरिका द्वारा की गई शत्रुतापूर्ण हरकतों का सीधा बदला है। हालांकि, इन हमलों में अमेरिकी ठिकानों को कितना नुकसान पहुंचा है, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। फिलहाल कुवैत की सेना पूरी स्थिति पर पैनी नजर बनाए हुए है।

700 मर्दों ने किया दुष्कर्म- ब्रिटिश सांसद ने संसद में बताया पीड़िताओं का दर्द

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन में कथित तौर पर सक्रिय रहे ग्रूमिंग गैंग और बाल यौन शोषण के मामलों को लेकर एक बार फिर चौंकाने वाले और बेहद दर्दनाक खुलासे हुए हैं। ब्रिटिश सांसद रूपर्ट लोव ने संसद में दिए गए अपने संबोधन में कई पीड़िताओं की गवाहियों का हवाला देते हुए बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि वर्षों तक संगठित गिरोहों ने नाबालिग लड़कियों का बेरहमी से यौन शोषण किया और इस पूरी अवधि के दौरान प्रशासनिक व संस्थागत स्तर पर भी गंभीर लापरवाहियां और विफलताएं देखने को मिलीं।

सांसद रूपर्ट लोव ने संसद के सामने इन मामलों को रखते हुए कहा कि एक स्वतंत्र जांच के दौरान जो गवाहियां सामने आईं, वे इतनी भयावह थीं कि उन्हें सार्वजनिक रूप से सामने लाना बेहद जरूरी था। उन्होंने संसद से पूरी ईमानदारी के साथ अपील की कि इन बहादुर पीड़िताओं की आवाज को अनसुना न किया जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

सरकार की पूर्व जांच रिपोर्टों और इन गवाहियों के अनुसार, देश के विभिन्न हिस्सों में नाबालिग लड़कियों को निशाना बनाने वाले इन आपराधिक गिरोहों में मुख्य रूप से पाकिस्तानी मूल के कुछ टैक्सी ड्राइवर और दुकानदार शामिल थे। संसद में पेश की गई इन गवाहियों में गंभीर यौन शोषण, बेहद कम उम्र में जबरन प्रेगनेंसी, डराने-धमकाने और स्थानीय पुलिस के कथित दुर्व्यवहार का जिक्र किया गया है। लोव ने कहा कि दुनिया को वह सब सुनना चाहिए जो स्वतंत्र रेप गैंग जांच की दो हफ्तों की सुनवाई के दौरान सामने आया है।

संसद में जो गवाहियां रखी गईं, उनमें से एक पीड़िता ने अपनी दर्दनाक आपबीती बताते हुए कहा कि जब वह महज 12-13 साल की थी, तब उसके साथ अमानवीय तरीके से जबरदस्ती की गई। वहीं, एक अन्य पीड़िता की गवाही के अनुसार, आरोपियों द्वारा नस्लवादी टिप्पणियां भी की जाती थीं। एक अन्य दिल दहला देने वाले बयान में पीड़िता ने दावा किया कि जब वह 13 साल की थी, तब से लेकर अगले तीन सालों के दौरान सैकड़ों अलग-अलग पुरुषों ने उसका यौन उत्पीड़न किया। एक अन्य पीड़ित ने बताया कि बंधक बनाकर रखी गई लड़कियों को अमानवीय स्थितियों में पिंजरों तक में बंद करके रखा जाता था।

इस पूरे ग्रूमिंग गैंग पैटर्न की बात करें तो वर्ष 2025 में रूपर्ट लोव के नेतृत्व में हुई एक निजी जांच के दौरान पूरे यूके के कम से कम 85 इलाकों में इस तरह के गैंग आधारित बाल यौन शोषण की पहचान की गई थी। जांच रिपोर्टों के मुताबिक, इस नेटवर्क में एक खास पैटर्न और सरकारी संस्थाओं की घोर लापरवाही साफ तौर पर देखी जा सकती है। ब्रिटेन में इस तरह के ग्रूमिंग गैंग्स का इतिहास पुराना रहा है। सबसे पहले 2002 में वेस्ट यॉर्कशायर के कीथली क्षेत्र से ऐसी चेतावनी सामने आई थी। इसके बाद साल 2010 में साउथ यॉर्कशायर के रॉदरहैम में कम उम्र की लड़कियों के साथ हुए अपराधों के मामले में एक समूह को दोषी ठहराया गया था, जिसके बाद इस पूरे संगठित नेटवर्क और इसके तौर-तरीकों का देशव्यापी खुलासा हुआ था।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)